हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची • मंगलवार • 07.07.2026 • वर्ष : 16 • अंक : 340 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 4 रुपये

RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

चंपत राय-अनिल मिश्र का इस्तीफा मंजूर, कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव का जिम्मा

एजेंसी

अयोध्या : अयोध्या के श्री राम मंदिर में दान चोरी मामले की जांच-पड़ताल के बीच सोमवार को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की बैठक में आखिरकार महासचिव चंपत राय और न्यासी डॉ. अनिल मिश्र का इस्तीफा मंजूर हो गया। कृष्ण मोहन को कार्यवाहक महासचिव बनाकर राम मंदिर ट्रस्ट की जिम्मेदारी सौंपी गई है। 22 जुलाई को ट्रस्ट की अगली बैठक होगी। सोमवार को सुबह से अयोध्या पर देश भर के लोगों की नजरें टिकी हुई थीं। राम मंदिर दान चोरी प्रकरण के सामने आने के बाद से यह ट्रस्ट कार्यकारिणी की पहली बैठक थी। बैठक बाद इसके फैसलों के बारे में जानकारी देते हुए ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरी ने कहा कि हमें विशेष परिस्थितियों में 11 जुलाई की बजाए छह जुलाई को ही बैठक करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि चढ़ावा चोरी की घटना हम सब लोगों के लिए लज्जाजनक है। हम सब इससे आहत हैं। किंतु जो है वो हम सब लोगों के सामने हैं। उन्होंने कहा कि महासचिव चंपत

राय ने बड़ी वेदना में अपना त्यागपत्र दिया है। अनिल राय का भी त्यागपत्र मिला है। इसे मान्य करना और न करना हमारे हाथ की बात नहीं थी। ट्रस्ट के संविधान के अनुसार त्यागपत्र देते ही स्वीकृत माना जाता है इसलिए हम लोगों के सामने कोई चारा ही नहीं था। उन्होंने खुद ही संविधान को पढ़कर हमें समझाया कि त्यागपत्र दे दिया है तो उसे स्वीकार करना, न करना आपके हाथ में नहीं है। इस तरह की परिस्थिति में हमने उसे स्वीकार कर लिया। गोविंद देव गिरि ने कहा कि प्रसार माध्यमों में इस मामले को लेकर झूठ का प्रचार किया जा रहा है। तमाम अनर्गल बातें भी हो रही हैं। कहा जा रहा कि सिर्फ दान पात्र में ही चोरी नहीं हुई बल्कि जो कीमती वस्तुएं जैसे सोना जड़ित रामचरित मानस, कागभुसुंडी आदि कहां है? गोविंद देव गिरि ने कहा कि वे सभी चीजें सुरक्षित हैं और रजिस्टर में एक-एक चीज को दर्ज किया गया है। ऐसी 28 वस्तुओं का रजिस्टर हमारे पास है। उन्होंने बताया कि आप सभी लोगों को दिखाने के लिए वह रजिस्टर लाया भी गया है। उन्होंने बताया कि 22 जुलाई को ट्रस्ट की एक और बैठक होगी जिसमें नए न्यासियों का चयन होगा।

उन्होंने कहा कि चोरी तो चोरी है। एसआईटी और पुलिस जांच-पड़ताल कर रही है। हम सबका भी दायित्व है कि चोर पकड़े जाएं। सारी बातें सामने आएं लेकिन इसको ढाल बनाकर जो देश भर में माहौल बनाया गया है वो ठीक नहीं। आज वे लोग हमें राम भक्ति का पाठ पढ़ा रहे हैं जिन्होंने कारसेवकों पर गोलियां चलवाईं। राम के अस्तित्व को ही नकारने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज को ऐसे लोगों से सावधान रहना चाहिए। हिंदू समाज में किसी प्रकार की फूट नहीं पड़नी चाहिए।

चंपत राय की गैर मौजूदगी में रखा गया एजेंडा

बैठक में तीनों आरोपी पदाधिकारी चंपत राय, अनिल मिश्र और गोपाल राव की गैरमौजूदगी में एजेंडा रखा गया। बैठक के दौरान चंपत राय तीर्थ क्षेत्र भवन जो कि राम मंदिर से 50 मीटर की दूरी पर बना है वहां बैठे रहे। बैठक स्थल पर शाम करीब तीन बजे से एक-एक कर ट्रस्ट पदाधिकारी पहुंचने शुरू हुए। अस्वस्थ चल रहे ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास और उनके उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास एक साथ आए। कोषाध्यक्ष गोविंद देवगिरी ने अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की अनुमति से बैठक का एजेंडा रखा।

मुख्यमंत्री ने की पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा

स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी बनाने की जरूरतों पर तैयार करें कार्य योजना : हेमन्त सोरेन

पर्यटन के विकास से रोजगार के अवसर सृजित होंगे

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि पर्यटन के विकास से राज्य की धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा मिलेगी साथ ही स्थानीय लोगों के लिए रोजगार तथा स्वरोजगार के नए अवसर भी सृजित किए जा सकेंगे, इस निमित्त यह जरूरी है कि पर्यटन परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा के अंतर्गत पूरा किया जाए।

- इको टूरिज्म का विकास राज्य सरकार की प्राथमिकता
- चिन्हित माइंस क्षेत्रों में विकसित होगी इको टूरिज्म

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन सोमवार को खेलगांव स्थित टिकैत उमराव सिंह शूटिंग रेंज परिसर पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। उन्होंने शूटिंग रेंज परिसर की आधारभूत संरचनाओं के रख-रखाव, शूटिंग उपकरणों, खिलाड़ियों की सुरक्षा मानक, प्रदान की जा रही खेल सुविधाओं एवं अन्य व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री शूटिंग रेंज परिसर के रखरखाव की बदहाल स्थिति पर कड़ी नाराजगी व्यक्ति की। उन्होंने शूटिंग रेंज में खिलाड़ियों को दी जा रही प्रशिक्षण, सुरक्षा मानकों, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता एवं खिलाड़ियों के अभ्यास की व्यवस्था एवं अन्य सुविधाओं का बारिकी से अवलोकन कर अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की तथा कई आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने 10 मीटर, 25 मीटर एवं 50 मीटर शूटिंग रेंज का औचक निरीक्षण के दौरान शूटिंग परिसर की वर्तमान स्थिति पर असंतोष व्यक्त करते हुए चिंता जताई। मौके पर विभागीय मंत्री सुदिव्य कुमार उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग की समीक्षा के दौरान अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि कोई भी राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेल प्रतिस्पधाओं में मेडल प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों द्वारा सब्जी बेचने या अन्य कोई कार्य करने संबंधी सूचना या शिकायत नहीं आनी चाहिए। ऐसे खिलाड़ियों का डेटाबेस तैयार करें तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि देने संबंधी योजनाएं तैयार करें। मुख्यमंत्री ने खेलगांव में स्थापित मेगा स्पोर्ट्स व्यवस्था की अद्यतन स्थिति का सुक्षमता से आकलन कर उसका मेंटनेंस, वित्त प्रबंधन, खिलाड़ियों की मुलभूत सुविधाओं आदि से संबंधित कार्य योजना बनाने का निर्देश दिया। साथ ही इसमें शामिल खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों आदि के लिए भी बेहतर प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने झारखंड में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी की स्थापना हेतु क्या-क्या कार्य किया जा सकते हैं इसकी कार्य योजना भी तैयार करने का निर्देश दिया।

साथ ही विभिन्न खेल के क्षेत्र में नामचीन व्यक्तियों को झारखंड में परिदर्शन कराने तथा झारखंड के खिलाड़ियों को भी दूसरे राज्यों में एक्सपोजर विजिट कराने पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को दूसरे राज्यों के उत्कृष्ट खेल प्रशिक्षण केन्द्रों, खेल अकादमियों, खेल संस्थाओं में भ्रमण कराए जाने से उनके खेल प्रदर्शन में और अधिक निखार लाया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड खेल प्रतिभाओं की धरती है। राज्य के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर झारखंड का गौरव बढ़ाया है। ऐसे में यहां के खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय प्रशिक्षण एवं अत्याधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य की उभरती खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाई जाए। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को भी बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में ठोस पहल की जाए, ताकि वे अपनी खेल प्रतिभा का पूर्ण विकास कर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में राज्य का प्रतिनिधित्व कर सकें। उन्होंने कहा कि खेल प्रतिस्पर्धा में भाग लेने के साथ-साथ युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और आत्मविश्वास का भी आधार है। राज्य सरकार खेल अवसंरचना के विकास, खिलाड़ियों के प्रशिक्षण तथा उन्हें हरसंभव सहयोग प्रदान करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने यहां के उपकरणों का आवश्यक सुधार करने एवं बेहतर रखरखाव का भी निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने खेलगांव स्थित शूटिंग रेंज परिसर का किया निरीक्षण

खेल प्रतिभाओं को बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में अधिकारियों की उपस्थिति में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के अद्यतन कार्य प्रगति की उच्च स्तरीय समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने वित्तीय वर्ष 2025-26 की उपलब्धियों एवं चालू वित्तीय वर्ष की कार्य योजना एवं प्राथमिकताओं पर गहन विचार-विमर्श कर योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया। बैठक में विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, खेल अवसंरचनाओं, पर्यटन स्थलों का विकास, धार्मिक एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण तथा राज्य के युवाओं के लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों की विस्तृत समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य के भीतर कई अंडरग्राउंड कोल माइंस क्षेत्र हैं। इन अंडरग्राउंड माइंस क्षेत्रों को चिन्हित कर टूरिज्म की संभावनाओं पर कार्य योजना बनाई जाए। मुख्यमंत्री ने सरायकेला-खरसावां, पूर्वी सिंहभूम, गिरिडीह, लातेहार, हजारीबाग, रांची सहित अन्य जिले जहां-जहां इको टूरिज्म की संभावनाएं हैं ऐसे जगहों को विकसित करने हेतु शीघ्र कार्य तैयार करने का निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में पर्यटन, कला-संस्कृति, खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की असीम संभावनाएं हैं। यहां इको टूरिज्म सर्किट विकसित कर पर्यटन को नई पहचान दिलाई जा सकती है। जरूरत है कि हम एक बेहतर इको टूरिज्म सर्किट प्लान के साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि राज्य के भीतर प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक एवं इको टूरिज्म स्थलों का योजनाबद्ध एवं समग्र विकास सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने झारखंड राज्य की पर्यटन नीति तैयार करने का निर्देश भी अधिकारियों को दिया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि पतरातू घाटी की सुंदरता देखने योग्य है।

पतरातू व्यू पॉइंट बनाए जाने के कार्य को गति प्रदान करें तथा पतरातू सहित अन्य अन्य जरूरत वाले पर्यटन स्थलों पर रोपवे स्थापित किए जाने का प्लान तैयार करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि लातेहार जिले में अवस्थित नेतरहाट में ग्लास वॉच टावर अथवा ग्लास ब्रिज लगाए जाने की कार्य योजना बनाएं साथ ही वहां कोयल व्यू पॉइंट कॉटेज बनाने, ट्रैकिंग की सुविधा विकसित करने तथा स्विमिंग पूल आदि कार्यों पर के विकास पर बल दिया तथा लोध फॉल में इको टूरिज्म के बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मुख्यमंत्री ने कला-संस्कृति विभाग की समीक्षा के दौरान विभिन्न कला विधाओं से जुड़े कलाकारों का डेटाबेस तैयार करने का निर्देश दिया। विभाग द्वारा अवगत कराया गया कि राज्य में अबतक करीब 12 हजार कलाकारों का निबंधन हुआ है। मुख्यमंत्री ने सभी निबंधित कलाकारों की सूची जिलों में भेजकर उसका सत्यापन करने का निर्देश दिया। साथ ही देश के अन्य राज्यों में स्थापित स्कूल ऑफ फाइन आर्ट प्रबंधन से समन्वय बनाकर निबंधित कलाकारों का एक्सपोजर विजिट कराने तथा दूसरे राज्यों के कलाकारों को भी यहां बुलाकर कला विधा से जुड़े आर्टिस्ट की कला को बेहतर करने का निर्देश दिया।

एक नजर

ट्रक और बोलेरो की टक्कर में पांच की मौत

सीहोर : मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सोमवार दोपहर आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर ग्राम मेना गोदी के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार कई लोग वाहन के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया।

पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन सीटों पर उपचुनाव 24 जुलाई को

कोलकाता : पश्चिम बंगाल से राज्यसभा की तीन रिक्त सीटों पर उपचुनाव के लिए निर्वाचन आयोग ने कार्यक्रम घोषित कर दिया है। तृणमूल कांग्रेस छोड़ चुके पूर्व राज्यसभा सांसद सुखेंदुशेखर राय, सुस्मिता देव और प्रकाशचिक बराइक के इस्तीफे के बाद रिक्त हुई इन तीनों सीटों के लिए 24 जुलाई को मतदान होगा।

दिल्ली में पकड़े गए छह दहशतगर्द

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कुख्यात 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' के दो अलग-अलग मॉड्यूल का पदार्फाश किया है। पुलिस ने इस मामले में दिल्ली और पंजाब के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी कर छह संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों के कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार, पिस्तौल और खतरनाक पेट्रोल बम बरामद किए गए हैं। सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने इस पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा की। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आरोपी दो बेहद खतरनाक और अलग-अलग नेटवर्क के माध्यम से अपनी गतिविधियों को अंजाम दे रहे थे। पहला मॉड्यूल : इसका सीधा संबंध आतंकी गतिविधियों और देश विरोधी साजिशों से था, जो किसी बड़ी अप्रिय घटना को अंजाम देने की फिराक में था। दूसरा मॉड्यूल: यह पूरी तरह से अवैध हथियारों की तस्करी (आर्म्स स्मगलिंग) में लिप्त था, जो अपराधियों और गैंगस्टरों को हथियारों की सप्लाई करता था।

महाराष्ट्र में बारिश से 8 जगह जमीन धंसी, तीन की मौत

एजेंसी

मुंबई : महाराष्ट्र में पिछले छह दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से सोमवार को सूबे में 8 जगहों पर जमीन धंस गई है। पुणे जिले के मावल में स्थित पाटन गांव में जमीन धसकने की घटना में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन को बचा लिया गया है।

पुणे जिला सूचना विभाग ने बताया कि भारी बारिश की वजह से विसापुर किले की तलहटी में बसा एक घर पहाड़ी का एक हिस्सा पाटन गांव में लोगों के घर पर गिर गया। इस घटना की सूचना मिलते ही एनडीआरएफ, लोकल पुलिस और जिला प्रशासन के लोगों वाली रेस्क्यू टीमें गांव पहुंचीं और बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

श्रीलंका की जेल में बवाल: कैदियों की हिंसक झड़प में 25 की मौत, 100 घायल

नेगोम्बो : श्रीलंका के पश्चिमी तटीय शहर नेगोम्बो स्थित नेगोम्बो जेल में कैदियों के दो गुटों के बीच शुरू हुई हिंसक झड़प ने भीषण रूप ले लिया। जेल के अंदर दंगे के दौरान कुछ कैदियों ने सुरक्षाकर्मियों से हथियार छीन लिए, जिसके बाद हालात और बिगड़ गए। अधिकारियों के अनुसार, इस हिंसा में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से अधिक लोग घायल हुए हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, झड़प की शुरूआत जेल के भीतर सक्रिय दो प्रतिद्वंद्वी कैदी गुटों के बीच हुई। अधिकारियों का मानना है कि एक गुट पर जेल के अंदर मादक पदार्थों की तस्करी का समर्थन करने का आरोप है, जबकि दूसरा गुट इसका विरोध कर रहा था। देखते ही देखते विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। रविवार को शुरू हुई हिंसा सोमवार तक जारी रही। इस दौरान दंगाई कैदियों ने जेल के हथियारों पर कब्जा कर लिया, जिससे स्थिति और गंभीर हो गई। हालात पर काबू पाने के लिए पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स और दंगा नियंत्रण इकाइयों को जेल में तैनात किया गया।

पीएम मोदी का इंडोनेशिया में ग्रैंड वेलकम: आसमान में लड़ाकू विमान, जमीन पर राष्ट्रपति ने की अगवानी

एजेंसी

जकार्ता : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन दिवसीय दौरे पर सोमवार को इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता पहुंच गए। एयरपोर्ट पर इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। लैंडिंग से पहले इंडोनेशियाई वायुसेना के फाइटर जेट्स ने पीएम मोदी के विमान को एस्कॉर्ट किया। यह सम्मान विशेष राजकीय स्वागत का हिस्सा माना जाता है।

पहली बार नहीं है कि पीएम मोदी के किसी देश के हवाई क्षेत्र में प्रवेश करने से पहले उनके विमान को एस्कॉर्ट किया जा रहा है। कई बार मेजबान देश की वायुसेना के लड़ाकू विमान उनके विमान को एस्कॉर्ट करते हैं। इसे विशेष राजकीय सम्मान और स्वागत का प्रतीक माना जाता है। हाल ही में (मई 2026) संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की यात्रा के दौरान देखने को मिला था, जब यूएई वायुसेना के एफ-16 लड़ाकू विमानों ने प्रधानमंत्री के विमान को एस्कॉर्ट किया था। स्वीडन में भी ग्रिपेन फाइटर जेट्स ने विमान को इसी तरह एस्कॉर्ट कर उनका स्वागत किया था।

प्रधानमंत्री इंडो पैसिफिक मिशन के तहत 6 दिवसीय विदेश दौरे पर इंडोनेशिया के बाद ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दोनों नेताओं के बीच व्यापार, निवेश, रक्षा, समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों सहित कई अहम विषयों पर चर्चा होने की संभावना है। तीन देशों की यात्रा के लिए रवाना होने से पहले पीएम मोदी ने कहा कि इसका मकसद इन कीमती विकास साझेदारों के साथ आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को बढ़ाना और यह सुनिश्चित करना होगा कि आने वाले समय में हमारे देश के युवाओं को और मौके मिलें। पीएम ने इस यात्रा से जुड़ा एक लेख एक्स पर साझा किया। इंडोनेशिया को लेकर उन्होंने कहा, 'राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के निमंत्रण पर, मैं 6-8 जुलाई तक इंडोनेशिया जाऊंगा।

तीन देशों के साथ किन विषयों पर चर्चा करेगा भारत?

पीएम मोदी का यह दौरा भारत और इंडोनेशिया के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों, व्यापार, निवेश, रक्षा, समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

रूस ने यूक्रेन में बरसाईं 68 मिसाइलें और 351 ड्रोन, 12 लोगों की मौत

एजेंसी

कीव : रूस ने रविवार देर रात यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। बचाव दल क्षतिग्रस्त बहुमंजिला इमारतों के मलबे में फंसे लोगों की तलाश में जुटे हैं।

यूक्रेन के सैन्य प्रशासन के अनुसार, हमला सोमवार तड़के तक जारी रहा। रूस ने बैलिस्टिक मिसाइलों, क्रूज मिसाइलों और बड़ी संख्या में ड्रोन का इस्तेमाल किया। राजधानी में लगातार विस्फोटों की आवाजें सुनाई देती रहीं और बड़ी संख्या में लोगों ने जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों में शरण ली। कीव के पोडिल्स्की जिले में एक आवासीय इमारत का हिस्सा ढह गया, जबकि दार्निंत्सिया जिले में कई बहुमंजिला इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं।

एक नजर

स्कूल में छात्रों से कराई गई सफाई, वायरल वीडियो से उठे व्यवस्था पर सवाल

चलकुशा : प्रखंड स्थित उर्दू +2 उच्च विद्यालय, रागडीह का एक विडीयो सोशल मीडिया पर खूब तेजी से वायरल हो रहा है वायरल विडियो ने विद्यालय की व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में विद्यालय के छात्रों से परिसर में जमा कचरा कूड़ेदान से निकालकर बाहर फेंकवाते हुए देखा जा रहा है। वीडियो के सामने आने के बाद विद्यालय प्रशासन, विशेषकर प्रधानाचार्य की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। अभिभावकों का कहना है कि वे अपने बच्चों को विद्यालय शिक्षा ग्रहण करने के लिए भेजते हैं, न कि उनसे सफाई का कार्य कराने के लिए।
मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि वीडियो में छात्र बरकट्ठा-परसाबाद मुख्य सड़क पार कर कचरा फेंकने जाते दिखाई दे रहे हैं। व्यस्त सड़क पार करने के दौरान किसी भी समय दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। स्थानीय लोगों का यह भी कहना की अभी बरसात का समय चल रहा है। हर दिन सांप बिच्छू की काटने की खबर सामने आती रहती है और वायरल वीडियो में बच्चे झाड़ी के सामने कचरा फेक रहे हैं जिससे लोगों में इस चीज की भी डर रहती है` यदि ऐसी कोई अप्रिय घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी, यह भी एक बड़ा सवाल है।

मनैया में पहुंचा हाथियों का झुंड गांव दहशत का माहौल

चलकुशा : थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत मनैया गांव के बाजार टांड के पूरव की ओर तीन हाथी देखा गया है जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहोल है। इससे पहले हाथीयों को बरकट्ठा थाना क्षेत्र में देखा गया था जहां हाथी के द्वारा एक व्यक्ति की मौत हो गई थी जबकि एक घायल हो गया था। हालांकि मनैया पंचायत के लोगों के द्वारा वन विभाग की टीम को हाथी की सुचना दे दी गई है। जिससे कि कोई अप्रिय घटना घटने से रोका जा सके। वन विभाग ने आम लोगों से सतर्क रहने की अपील भी की है।

31 ग्रामीण जलापूर्ति योजनाएं ठप, पेयजल संकट गहराया : मुकुंद साव

चौपारण : प्रखंड में पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल, हजारीबाग द्वारा स्थापित लघु ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाओं के बंद पड़े रहने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। बरही विधानसभा क्षेत्र के सांसद प्रतिनिधि मुकुंद साव ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया है कि प्रखंड में वर्षों पहले स्थापित 31 लघु ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजनाएं वर्तमान में बंद पड़ी हैं। उनके अनुसार अधिकांश सीमेंट की पानी टंकियां सूखी पड़ी हैं, जबकि कई योजनाएं निर्माण के कुछ समय बाद ही बंद हो गईं और कुछ का संचालन आज तक शुरू नहीं हो सका। मुकुंद साव ने कहा कि ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से करोड़ों रुपये की लागत से इन योजनाओं का निर्माण कराया गया था, लेकिन विभागीय उदासीनता और नियमित रखरखाव के अभाव में इनका लाभ ग्रामीणों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

ग्रामीणों ने कहा लोकसभा राज्यसभा में आवाज उठाएं और कोल कंपनियों की आवंटन को रद करावें

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पूर्व मंत्री योगेंद्र साहू एवं पूर्व विधायक अंबा प्रसाद के नेतृत्व एनटीपीसी विस्थापन, मुआवजा एवं कट अपडेट से संबंधित मिल रही शिकायतों एवं कंपनी से 2013 भूमि अधिग्रहण कानून बिल लागू करने की मांग को लेकर कंपनियों के खिलाफ आवाज बुलंद की है। इस बाबत पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सोमवार को मंत्री राधा कृष्ण किशोर ,प्रदेश कांग्रेस प्रभारी के .राजू गोंदलपुरा, चेपाखुर्द गांव पहुंचकर ग्रामीणों से जन संवाद किया। इस दौरान गोंदलपूरा में कोल कंपनियों के खिलाफ ग्रामीणों में काफी आक्रोश देखा गया। जन संवाद में ग्रामीणों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि हम लोग किसी भी हालत में, किसी भी कोल

कंपनी को जमीन नहीं देंगे। अनावश्यक रूप से हम लोगों पर कंपनी के इसारे पर पुलिस के द्वारा फर्जी तरीके से 40 केस दर्ज कराया है ।इतना ही नहीं अब तक किसी भी प्रकार का कोई भी ग्राम सभा पास नहीं हुआ है, सभी फर्जी है। कोल कंपनियों की आवंटन को रद्द करने की मांग को लेकर हम लोग 1180 दिनों से अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इतना ही नहीं राष्ट्रपति प्रधानमंत्री राज्यपाल मुख्यमंत्री समेत सभी वरिष्ठ पदाधिकारी के पास आवेदन दिए हैं, परंतु कोई कार्रवाई नहीं हुई है। जब तक एनटीपीसी बादम कोल खनन परियोजना, अदाणी गोंदलपुरा कोल खनन परियोजना, जे एस डब्लू मोइत्रा कोल खनन परियोजना एवं रुंगटा कोल खनन परियोजना के आवंटन को रद्द नहीं किया जाता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। हमारी ये जमीन बहु फसलीय है, यहां की मिट्टी से धान, गुड, सब्जी, दलहन, तेलहन अनेक प्रकार की फसल उगाई जाती है। यहां का जंगल हाथियों का कॉरिडोर है, जंगलों में अनेक प्रकार के जीव जंतु और और औषधीय पौधे और पेड़ हैं। परियोजना से सभी का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के तहत किसी भी बहु फसलीय जमीन को अधिग्रहण नहीं किया जा सकता तो फिर ये कानून कंपनियों के ऊपर लागू क्यों नहीं हो रही है। इस दौरान गोंदलपुरा के ग्रामीणों के द्वारा लिखित मांग पत्र कांग्रेस प्रभारी और वित्त मंत्री को सौंपा गया। गोंदलपुरा में जन संवाद संपन्न होने के पश्चात , प्रतिनिधि चेपाखुर्द गांव पहुंचे बारिश के बावजूद लोग लोग कार्यक्रम में शामिल हुए। जिसमें रैयत रियासत हसन ने जमीन मुआवजा कम मिलने एवं एनटीपीसी के द्वारा 2016 कट अप डेट निर्धारित करने के खिलाफ शिकायत की और इसे हटाने की मांग की है। कहा यह कट अप डेट विस्थापितों के खिलाफ है।
जन संवाद में रैयतों की बातों को सुनने के पश्चात कांग्रेस पार्टी के झारखण्ड प्रभारी के राजू ने कहा की शीर्ष नेतृत्व को बोल कर आपकी आवाज विधानसभा से लेकर राज्यसभा और लोकसभा तक उठाएंगे। आपका अधिकार कोई नहीं छीन सकता हम सब आपकी लड़ाई में आपके साथ हैं।

पिकअप वैन की टक्कर से युवक की मौत, बड़ा भाई गंभीर घायल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : कटकमसांडी पेलावाल ओपी थाना क्षेत्र के जैलमा चौक के समीप शनिवार रात करीब 9:30 से 10:00 बजे के बीच एक दर्दनाक सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक सुनील कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके बड़े भाई रविंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल रविंद्र कुमार का इलाज हजारीबाग सदर अस्पताल में चल रहा है।इस हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां पलभर में उजाड़ दीं और गांव में शोक का माहौल है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दोनों भाई रोज की तरह हजारीबाग में काम करने के बाद अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान चतरा से हजारीबाग की ओर आ रही सब्जी लदी पिकअप वैन (वाहन संख्या JH02BN7490) ने जैलमा चौक के पास दोनों भाइयों को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि सुनील कुमार ने घटनास्थल पर ही दम तोड़

दिया, जबकि रविंद्र कुमार गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। टक्कर मारने के बाद पिकअप वैन अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद चालक और खलासी वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कटकमसांडी थाना प्रभारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने घायल को तत्काल इलाज के लिए हजारीबाग सदर अस्पताल भेजा, जबकि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, हजारीबाग भेज दिया।

कुएं के पास करंट से बड़ा हादसाः एक की मौत, बच्ची समेत पांच लोग झुलसे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : थाना क्षेत्र के ब्रहमोरिया गांव में मंगलवार को बिजली करंट की चपेट में आने से एक दर्दनाक हादसा हो गया। कुएं के पास से गुजर रहे बिजली के तार में करंट प्रवाहित होने के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक बच्ची, दो महिलाओं समेत पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, गांव की 8 वर्षीय ईशा कुमारी घर के समीप स्थित कुएं के पास गई थी। इसी दौरान वह बिजली के करंट की चपेट में आ गई। बच्ची को बचाने के लिए परिजन दौड़े, लेकिन एक-एक कर सभी करंट की चपेट में आ गए, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। इस हादसे में 48 वर्षीय नरेश भुइया गंभीर रूप से

घायल हो गए। सभी घायलों को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, चौपारण लाया गया, जहां चिकित्सकों ने नरेश भुइया को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल में डॉ. डी.एन. ठाकुर, डॉ. पुष्पा कुमारी एवं डॉ. मनोज गुप्ता की देखरेख में घायलों का उपचार किया गया। गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति को बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर किया गया है। घायलों में रीना देवी (45 वर्ष), ईशा कुमारी (8 वर्ष), कुंजियां देवी (50 वर्ष), भुनेश्वर भुइया (60 वर्ष) तथा एक अन्य व्यक्ति शामिल हैं। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन मौके पर पहुंचा और मामले की जांच शुरू कर दी। इधर, ग्रामीणों ने बिजली विभाग से जर्जर एवं खुले बिजली तारों को अविलंब बदलने तथा सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

रथ यात्रा को लेकर प्रशासन अलर्ट, एसडीओ ने अधिकारियों संग किया आयोजन स्थल का निरीक्षण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : आगामी रथ यात्रा महोत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टूडू ने सोमवार को चौपारण पहुंचकर रथ यात्रा मार्ग एवं आयोजन स्थल का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) राधा किशोर, अंचल अधिकारी संजय यादव, प्रखंड विकास पदाधिकारी नितेश भास्कर, थाना प्रभारी पंकज कुमार सहित प्रशासन एवं पुलिस विभाग के कई अधिकारी मौजूद रहे। अधिकारियों ने रथ यात्रा मार्ग का

निरीक्षण करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, पेयजल, साफ-सफाई तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की। साथ ही सभी विभागों को समय पर तैयारियां पूरी करने और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसडीओ जोहन टूडू ने कहा कि रथ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और बेहतर व्यवस्थाएं प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के अन्य अधिकारी और कर्मी भी मौजूद रहे।

हजारीबाग में श्रद्धापूर्वक मनाई गई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 126वीं जयंती

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : अखिल भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 126वीं जयंती सोमवार को सांसद सेवा कार्यालय, हजारीबाग के सभागार में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल उपस्थित हुए। उन्होंने डॉ. मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण एवं पुष्पार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके पश्चात उपस्थित सैकड़ों कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों ने बारी-बारी से श्रद्धासुमन अर्पित किए और राष्ट्र सेवा के लिए डॉ. मुखर्जी के पदचिह्नों पर चलने का सामूहिक संकल्प लिया। इस अवसर पर सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सम्पूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और जनकल्याण के लिए

समर्पित था। उन्होंने "एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान" के विरुद्ध जो ऐतिहासिक संघर्ष किया था, उसे आज धरातल पर उतारा जा चुका है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी दूरदर्शी योजनाओं के माध्यम से डॉ. मुखर्जी के अंत्योदय के विचार को साकार कर रहे हैं। केंद्र सरकार की नीतियां समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि अजय कुमार साहू, किशोरी राणा, पूनम साव, भगवान केशरी, रूपम ओझा, राजेश राणा सहित बड़ी संख्या में भाजपा नेता, कार्यकर्ता और प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

एकल विद्यालय के 5 दिवसीय वार्षिक अभ्यास वर्ग का हुआ शुभारंभ

'एकल विद्यालय शिक्षा के साथ संस्कार देने का सराहनीय कार्य कर रहा है' : राजेंद्र यादव

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : उत्तर झारखंड संभाग, धनबाद भाग, अंचल हजारीबाग के अंतर्गत कटकमदाग, कटकमसांडी, बरकट्ठा और चलकुसा संच के आचार्यों का 5 दिवसीय वार्षिक अभ्यास वर्ग का शुभारंभ दीप जलाकर उद्घाटन सोमवार को सायं 4 बजे सीतागढ़ गौशाला सभागार में किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सीतागढ़ गौशाला के सह व्यवस्थापक राजेंद्र यादव और गौसेवक दौलत राम यादव रहे। दोनों ने सरस्वती और भारत माता

की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर मंत्रोच्चारण के साथ वर्ग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राजेंद्र यादव ने एकल विद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि एकल विद्यालय का काम बहुत अच्छा हो रहा है। यद्यपि हमने प्रत्यक्ष रूप से नहीं देखा है, लेकिन लंबे समय से हमारे यहां इसके कार्यक्रम होते रहते हैं, जिससे हम एकल विद्यालय को अच्छी तरह जानते हैं। एकल छोटे-छोटे बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार देने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि गौशाला परिवार को जब भी आवश्यकता होगी, एकल विद्यालय के सहयोग के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। कार्यक्रम में उत्तर झारखंड संभाग प्रशिक्षण प्रमुख कर्ण महतो, धनबाद भाग प्रशिक्षण प्रमुख दिनेश कुमार, अंचल प्रशिक्षण प्रमुख नरेश पासवान सहित चारों संच के 37 आचार्य उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ब्रह्म विद्या विहंगम योग की साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का किया गया आयोजन

बरही : बरही हजारीबाग रोड स्थित शकुंतला पैलेस में सोमवार संध्या ब्रह्म विद्या विहंगम योग द्वारा साप्ताहिक सत्संग गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता राजमोहन राजन एवं संचालन कृष्णा गुप्ता ने किया। इस दौरान ॐ कार ध्वनि, स्वागत गान, मंगल गान एवं माल्यार्पण सामूहिक रूप से किया गया। जबकि उद्घोष कैलाश केशरी, ज्ञान गुदडी पाठ कृष्णा गुप्ता, स्वर्वेद पाठ राजमोहन राजन, भजन ममता देवी, कैलाश केशरी एवं कृष्णा कुमार गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। साथ ही प्रवचन उपेन्द्र पांडे एवं कैलाश केशरी ने किया। वहीं मौके पर मौजूद राजमोहन राजन एवं कृष्णा गुप्ता ने संयुक्त रूप से ब्रह्मा विद्या विहंगम योग के उद्देश्य को जीवन में आत्मसात करने की बात कही। मौके पर ममता देवी, अनीता देवी, राजदेव सिंह, रामचंद्र राम, सोनू प्रजापति एवं प्रमोद गुप्ता समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

25वें जन्मदिन पर सौरभ के सम्मान में सजा भव्य समारोह, जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं

चौपारण : पाण्डेयबारा निवासी समाजसेवी जीतू यादव एवं पूर्व मुखिया प्रत्याशी सुनीता देवी के पुत्र सौरभ का 25वां जन्मदिन रविवार को हर्षोल्लास और आत्मीय माहौल में मनाया गया। समारोह में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। सभी ने सौरभ को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुखद, स्वस्थ और उज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों ने समाजसेवी जीतू यादव एवं सुनीता देवी द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे सामाजिक कार्यों और जनसेवा की सराहना करते हुए कहा कि दोनों हमेशा लोगों के सुख-दुख में सहभागी बनकर समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते रहे हैं। उन्होंने सौरभ के उज्वल व्यक्तित्व और उनके सफल भविष्य की भी कामना की। इस अवसर पर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला, जिला परिषद सदस्य रविशंकर अकेला, प्रमुख प्रतिनिधि उदय राणा, विधायक प्रतिनिधि रामफल सिंह, पूर्व मुखिया अनिल पांडेय, नवीन यादव सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं ग्रामीणों ने परिवार के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा कीं। पूरे समारोह में उत्साह, आत्मीयता और सौहार्द का वातावरण बना रहा।

कुतलु पीडीएस केंद्र पर लाभुकों को मिला सोना सोबरन योजना का लाभ

चौपारण : प्रखंड के जगदीशपुर पंचायत अंतर्गत कुतलु गांव स्थित जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) केंद्र पर राज्य सरकार की सोना सोबरन योजना के तहत पात्र लाभुकों के बीच धोती, साड़ी एवं लूंगी का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पंचायत की मुखिया सुनीता देवी ने लाभुकों को वस्त्र वितरित करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का उद्देश्य जरूरतमंद लोगों को सहायता उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि पंचायत स्तर पर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक पात्र लाभुक को योजना का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से मिला। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि परमेश्वर साव ने भी लाभुकों से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर पीडीएस डीलर प्रदीप सिंह, समाजसेवी अजय सिंह सहित पंचायत के कई ग्रामीण मौजूद रहे।

हारपुर में दबंगों का तांडव, घर में घुसकर महिला समेत तीन को पीटा

चौपारण : प्रखंड के दादपुर पंचायत अंतर्गत हारपुर गांव में रविवार को पुरानी रंजिश को लेकर कथित रूप से घर में घुसकर महिला समेत तीन लोगों पर जानलेवा हमला किए जाने का मामला सामने आया है। घटना में 35 वर्षीय सिद्धि देवी गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें सामुदायिक अस्पताल चौपारण में प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे इलाके में आक्रोश का माहौल है। हालांकि, वायरल वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। घटना के संबंध में सिद्धि देवी के पति राजकुमार सिंह ने चौपारण थाना में लिखित आवेदन देकर अशोक सिंह, जगतपाल सिंह, बाबूलाल सिंह, टुनटुन देवी, मंजू देवी सहित अन्य लोगों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि सभी आरोपी लाठी, कुल्हाड़ी और लोहे की रॉड से लैस होकर उनके घर पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए परिवार पर हमला कर दिया। आरोप है कि सिद्धि देवी के साथ मारपीट करने के साथ अभद्रता की गई, गला दबाकर जान से मारने का प्रयास किया गया तथा उनके गले से सोने की चेन भी छीन ली गई। महिला को बचाने पहुंचीं एक 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला और बीच-बचाव करने पहुंचे राजकुमार सिंह भी मारपीट में घायल हो गए। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे, जिसके बाद आरोपी वहां से फरार हो गए। ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक अस्पताल चौपारण पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने सिद्धि देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए हजारीबाग रेफर कर दिया। पीड़ित पक्ष ने घटना के बाद लगातार जान से मारने की धमकी मिलने का भी आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलने पर पूर्व विधायक उमाशंकर अकेला अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। उन्होंने घटना की निंदा करते हुए दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की। वहीं थाना प्रभारी पंकज कुमार ने बताया कि पीड़ित पक्ष से लिखित आवेदन प्राप्त हो गया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है तथा वायरल वीडियो की भी जांच की जा रही है।

एक नजर

ई20 नीति पर कांग्रेस का हमला, मोदी सरकार से मांगे जवाब

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विजय शंकर नायक ने केंद्र सरकार की ई20 (एथेनॉल) नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने इसे लागू करने से पहले आम वाहन उपभोक्ताओं के हितों का पर्याप्त ध्यान नहीं रखा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने प्रचार तो किया, लेकिन पुराने वाहनों, बढ़ते रखरखाव खर्च और जल संकट जैसे मुद्दों पर स्पष्ट नीति नहीं बनाई। नायक ने केंद्र सरकार से पुराने वाहनों पर ई20 के प्रभाव, अतिरिक्त रखरखाव लागत, जल संरक्षण की रणनीति और एथेनॉल नीति पर श्वेत पत्र जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता का भरोसा जीतने के लिए पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ इस नीति पर व्यापक संवाद करना चाहिए।

रिम्स जमीन घोटाले में एसीबी ने 4 के खिलाफ दाखिल की चार्जशीट

रांची : रिम्स की अधिग्रहित सरकारी जमीन को फर्जी दस्तावेजों और सरकारी रिकॉर्ड में हेरफेर कर निजी हाथों में पहुंचाने के बहुचर्चित मामले में एसीबी ने चार आरोपियों के खिलाफ एसीबी कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। चार्जशीट में राज किशोर बड़ाइक, कार्तिक बड़ाइक (दोनों भाई), राजेश कुमार झा और चैतन कुमार के नाम हैं। चारों फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। एसीबी का दावा है कि मामले में कई अन्य सरकारी अधिकारी, कर्मचारी, बिल्डर और निजी व्यक्तियों की भूमिका की जांच अभी जारी है। उनके खिलाफ भी जल्द पूरक चार्जशीट दाखिल की जाएगी। एसीबी की जांच में सामने आया है कि रिम्स के लिए अधिग्रहित मोरहाबादी की करीब 60 डिसमिल सरकारी जमीन को सुनियोजित षड्यंत्र के तहत फर्जी वंशावली, कूटरचित दस्तावेज और सरकारी अभिलेखों में हेरफेर कर निजी जमीन के रूप में दर्ज कराया गया। इसके बाद रजिस्ट्री, म्यूटेशन और पावर ऑफ अटॉर्नी के जरिए जमीन का अवैध हस्तांतरण कर करोड़ों रुपये के लेन-देन किया गया। आरोप है कि सरकारी अधिकारियों की मिलीभगत से इस जमीन पर व्यावसायिक और आवासीय निर्माण तक करा दिया गया। चार्जशीट बीएनएस की धोखाधड़ी, जालसाजी, कूटरचना, आपराधिक षड्यंत्र और पीसी एक्ट की धाराओं के तहत दाखिल की गई है। आने वाले दिनों में इस मामले में कई और लोगों पर कार्रवाई हो सकती है। यह कार्रवाई झारखंड हाईकोर्ट के निर्देश पर दर्ज एसीबी थाना कांड संख्या-01/2026 की जांच के आधार पर की गई है।

रिश्वत मामले में दैनिक वेतनभोगी चालक हाई कोर्ट से आरोपमुक्त

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने रिश्वत लेने के एक मामले में सह-आरोपित एवं गुमला श्रम अधीक्षक कार्यालय के दैनिक वेतनभोगी चालक बंधु कुमार सिंह को बड़ी राहत देते हुए उन्हें आरोपमुक्त कर दिया है। न्यायालय ने माना कि जब इस मामले के मुख्य आरोपित को पहले ही आरोपमुक्त किया जा चुका है और सह-आरोपित के विरुद्ध कोई स्वतंत्र एवं ठोस साक्ष्य उपलब्ध नहीं है, तो उसके खिलाफ मुकदमा जारी रखना न्यायोचित नहीं होगा। न्यायमूर्ति राजेश शंकर की एकलपीठ ने बंधु कुमार सिंह की ओर से दायर क्रिमिनल रिविजन याचिका स्वीकार करते हुए एसीबी के विशेष न्यायाधीश, रांची द्वारा 10 मई 2022 को पारित उस आदेश को निरस्त कर दिया, जिसमें उनके डिस्चार्ज आवेदन को खारिज कर मुकदमा चलाने का निर्देश दिया गया था। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि विशेष न्यायाधीश का आदेश तथ्यों और कानून के अनुरूप नहीं था।

दो दिनों की बारिश से जनजीवन प्रभावित आज और कल के लिए भी येलो अलर्ट जारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड की राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को प्रभावित कर दिया है। भारी वर्षा के कारण शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति बन गई है, जिससे लोगों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मौसम विभाग ने 7 और 8 जुलाई के लिए भी राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश, तेज हवाओं और वज्रपात की आशंका जताते हुए येलो अलर्ट जारी किया है।

राजधानी रांची में सोमवार तड़के से रुक-रुक कर बारिश होती रही। हालांकि दोपहर बाद मौसम में कुछ सुधार हुआ और बारिश थमने के साथ आसमान साफ हुआ, लेकिन कई इलाकों में सड़कों पर जमा पानी देर तक लोगों के लिए परेशानी का कारण बना रहा।

अपर बाजार के सेवा सदन रोड, गाड़ीखाना, हरमू रोड, अरगोड़ा और पंडरा रोड सहित कई क्षेत्रों में जलजमाव की स्थिति देखने को मिली। सड़कों पर पानी भर जाने से वाहनों की रफ्तार धीमी पड़ गई, जबकि पैदल राहगीरों को भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर नालियों का पानी सड़क पर आ जाने से यातायात प्रभावित रहा।

मौसम विभाग के अनुसार, पिछले 24 घंटों में रांची में 37 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। राज्य में सर्वाधिक 79.8 मिलीमीटर बारिश सरायकेला-खरसावां जिले के नीमडीह में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा रनिया में 68.6 मिलीमीटर, मझगांव में 67.6 मिलीमीटर, मनोहरपुर में 59.4 मिलीमीटर, अड़की में 51 मिलीमीटर, गोयलखेड़ा में 50.4 मिलीमीटर, चाईबासा में 48.7 मिलीमीटर, चंदनक्यारी में 42 मिलीमीटर, चक्रधरपुर में 39.6 मिलीमीटर, खलारी में 37.4 मिलीमीटर, पूर्वी टुंडी में 36.2 मिलीमीटर, नामकुम में 36 मिलीमीटर, कोटक में 35.4 मिलीमीटर और डुमरी में 34.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र ने चेतावनी दी है कि 7 और 8 जुलाई को राज्य के कई जिलों में भारी वर्षा के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। कुछ स्थानों पर वज्रपात की भी आशंका है। विभाग ने लोगों को खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है।

लगातार बारिश के कारण राज्य के विभिन्न शहरों के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को रांची का अधिकतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 23.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम 30.2 डिग्री और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 35.4 डिग्री और न्यूनतम 25.6 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 31.5 डिग्री और न्यूनतम 24.2 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 28.4 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

लगातार बारिश के चलते निचले इलाकों में जलनिकासी व्यवस्था की भी परीक्षा हो रही है। मौसम विभाग का कहना है कि मानसून फिलहाल सक्रिय बना हुआ है और अगले कुछ दिनों तक राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश का सिलसिला जारी रहने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन ने संबंधित विभागों को सतर्क रहने तथा संभावित जलभराव और अन्य आपदा संबंधी परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

जेएलकेएम ने सूरज नारायण महतो को बनाया वरीय उपाध्यक्ष

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : अनगड़ा प्रखंड के हेसल मासु मंजिला टोली निवासी सूरज नारायण महतो को झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा (जेएलकेएम) के दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र का वरीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति की घोषणा के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं एवं समर्थकों में खुशी का माहौल है। कार्यकर्ताओं ने सूरज नारायण महतो को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन दक्षिणी छोटानागपुर क्षेत्र में और अधिक मजबूत होगा तथा जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाया जाएगा। इस अवसर पर सूरज नारायण महतो ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका निर्वहन वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ करेंगे।

इस अवसर पर विराट मार्शल, मंटू, सुधांशु, लालेश, रोशन, रुपेश, श्रवण, रामशेवक, फुलेन्द्र, राहुल, राजू, विराट, दुर्गा, नवीन, अमीरूल अंसारी, अजीज, शकील अंसारी, अंसार सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सूरज नारायण महतो को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

रांची में ऑटो चालकों का धरना, पार्किंग, परमिट समेत 5 मांगों को लेकर प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : ऑटो चालक यूनियन के बैनर तले सोमवार को लोक भवन धरना स्थल में यूनियन अध्यक्ष अर्जुन यादव की अध्यक्षता में ऑटो चालकों ने विभिन्न मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद चालकों ने उपायुक्त, नगर आयुक्त, प्रमंडलीय आयुक्त, ग्रामीण एसपी और ट्रैफिक एसपी के नाम ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की।

यूनियन ने आरोप लगाया कि नगर निगम क्षेत्र में ऑटो पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। वर्तमान में केवल रातू रोड न्यू मार्केट बस स्टैंड में पार्किंग स्थल है, जहां सीमित संख्या में ऑटो खड़े हो सकते हैं। इसके बावजूद अरगोड़ा चौक और आईटीआई बस स्टैंड के पास एनएच पर ऑटो चालकों से जबरन पार्किंग शुल्क वसूला जा रहा है। यूनियन ने इस वसूली को तत्काल बंद कराने की मांग की हैं। चालकों ने कहा कि शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ट्रैफिक पुलिस बिना चालक को जानकारी दिए ई-चालान काट रही है। 500 रुपये से लेकर 5 हजार रुपये तक के चालान कटने से ऑटो चालकों के सामने रोजी-रोटी का संकट उत्पन्न हो गया है। यूनियन ने कहा कि वह कई वर्षों से नगर निगम से पूरे शहर में एकल टोकन (ग्लोबल टेंडर) व्यवस्था लागू करने की मांग कर रही है, ताकि सभी ऑटो चालक एक ही टोकन के आधार पर परिचालन कर सकें।

साहित्य संगम संस्थान का 10वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास से संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : इलेक्ट्रॉनिक और डिजिटल माध्यम से हिंदी साहित्य को वैश्विक पटल पर एक नई दिशा देने वाली प्रतिष्ठित संस्था 'साहित्य संगम संस्थान' का 10वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उमरिया से संस्थान के संयोजक अनुज नवीन कुमार भट्ट के प्रयासों से इस ऐतिहासिक आयोजन को अभूतपूर्व सफलता मिली।

संस्थान के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सारगर्भित वक्तव्य साझा किया। उन्होंने अपने संबोधन में संस्थान के 10वर्षों के गौरवशाली सफर व विकास यात्रा के साथ ही डिजिटल पटल पर हिंदी के प्रचार-प्रसार में सभी सदस्यों के योगदान की प्रशंसा की। राष्ट्रीय अध्यक्ष के उद्बोधन ने समस्त पदाधिकारियों और देश भर से जुड़े रचनाकारों में एक नई ऊर्जा और साहित्य-सेवा के प्रति नए संकल्प का संचार किया। अनेक साहित्यिक पत्रिकाओं का भव्य विमोचन इस 10वें स्थापना दिवस की एक और सबसे बड़ी उपलब्धि रही। इस मंच से अनेक साहित्यिक पत्रिकाओं का भव्य विमोचन डिजिटल माध्यम से देश के कोने-कोने में बैठे सुधी पाठकों और साहित्यकारों के समक्ष इन पत्रिकाओं को लोकार्पित किया गया। जो आगामी समय में संस्थान के साहित्यिक संकलन और शोधपरक कार्यों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेंगी।

कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. मधुब्रत सहित उनके योग्य शिष्यों ने भी बेहद जानदार और प्रभावी प्रस्तुतियां दीं। गुरु-शिष्य परंपरा की झलक दिखाते हुए इन प्रस्तुतियों ने पटल पर समां बांध दिया और सभी श्रोताओं को मंत्रमुग्ध होने पर विवश कर दिये। रांची से लाइव जुड़े पूर्व डीआईजी संस्थान के परामर्शदाता मंडल के सम्मानीय सदस्य और पूर्व डीआईजी साहब डॉ. प्रशांत करण रांची से सीधे लाइव जुड़े। उन्होंने लाइव आकर न केवल अपनी रचनाओं से पटल को गरिमा प्रदान की, बल्कि संस्थान को और अधिक सुव्यवस्थित तथा तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाने के लिए एक प्रशासनिक व व्यावहारिक दूरदर्शिता भरा मार्गदर्शन भी दिया। जबलपुर से संस्थान की कोषाध्यक्षा छाया सक्सेना 'प्रभु' (छाया दीदी) ने समारोह में विशेष रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने भी संस्थान के ढांचागत और तकनीकी विकास को लेकर बेहद महत्वपूर्ण सुझाव साझा किए।

मुरी-गोला पथ पर कीचड़ और जलजमाव से लोग परेशान, आवागमन हुआ मुश्किल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिल्ली : बरसात की पहली ही बारिश में मुरी-गोला पथ की स्थिति बदहाल हो गई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढों में पानी भर जाने और कीचड़ फैलने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सबसे अधिक दिक्कत मोटरसाइकिल, साइकिल और पैदल चलने वालों को हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, सड़क पर बने गड्ढों के कारण आए दिन दोपहिया वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे हैं। कई बार गंभीर हादसे भी हो चुके हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है। इस मार्ग से स्कूल बसों सहित भारी वाहनों का भी नियमित आवागमन होता है, जिससे लोगों की चिंता और बढ़ गई है। बताया जा रहा है कि मुरी-गोला पथ का चौड़ीकरण कार्य चल रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य के दौरान ठेकेदार ने जेसीबी से सड़क की खुदाई कर मिट्टी डालकर छोड़ दिया, जिससे पहली बारिश में सड़क कीचड़ और जलजमाव से भर गई। स्थानीय लोगों का यह भी आरोप है कि शिकायत करने पर ठेकेदार अभद्र व्यवहार करते हुए धमकी देता है कि आप लोग कुछ नहीं कर पाएंगे, जहां शिकायत करनी है कर लीजिए।

इस संबंध में अंचल अधिकारी अरुणिमा एक्का ने कहा कि ठेकेदार को तत्काल सड़क की मरम्मत कर आवागमन सुचारु करने का निर्देश दिया जाएगा।

एचईसी को हर हाल में बचाएंगे : सुबोधकांत सहाय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : एचईसी के श्रमिक संगठनों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को लोहरदगा के सांसद सुखदेव भगत के साथ बैठक कर श्रमिकों की समस्याओं के समाधान के लिए केंद्र सरकार पर दबाव बनाने का अनुरोध किया। एचईसी परिसर स्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय के आवासीय कार्यालय पर हुई इस बैठक में श्री भगत ने कहा कि केंद्र की भाजपानीत सरकार की जनविरोधी नीतियों के कारण देश के लगभग सभी सार्वजनिक उपक्रमों की स्थिति बदहाल है। संसद के आगामी सत्र में एचईसी के पुनरुद्धार का मुद्दा जोर-जोर से उठाया जाएगा। उन्होंने श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि यथाशीघ्र एचईसी के कर्मियों के बकाए वेतन भुगतान और कारखाने के जीर्णोद्धार को लेकर कांग्रेस पार्टी के सांसदों द्वारा भी संसद में आवाज उठाई जाएगी। श्री भगत ने कहा कि देश के कई सार्वजनिक उपक्रम केंद्र की भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण रुग्णवस्था में है। राष्ट्र की धरोहर एचईसी मदर इंडस्ट्री है, इसे हर हाल में बचाना होगा।

एचईसी को निजी क्षेत्र में देने की भाजपा की मंशा सफल नहीं होने देंगे। श्रमिक नेताओं ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय से भी इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया। बैठक में शामिल श्री सहाय ने कहा कि एचईसी कारखाना राष्ट्र की धरोहर है। इसके अस्तित्व को बचाना चुनौती है। उन्होंने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार एक-एक कर सभी सार्वजनिक उपक्रमों को बंद करने पर आमादा है। श्री सहाय ने कहा कि मातृ उद्योग को बचाने के लिए वह संघर्षरत रहे हैं। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरूआत भी एचईसी क्षेत्र से ही की है। इसलिए इस कारखाने व यहां कार्यरत कर्मियों से उनका विशेष लगाव है। श्रमिक नेताओं ने एचईसी में स्थाई अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक की नियुक्ति करने, कारखाना को पुनरुद्धार पैकेज उपलब्ध कराने, अधिकारियों व कर्मचारियों का वेतन नियमित करने, एचईसी परिसर में औद्योगिक माहौल फिर से बरकरार करने सहित अन्य मांगों के संदर्भ में चर्चा की। कांग्रेस पार्टी हर हाल में एचईसी को बचाएगी। केंद्र की भाजपा सरकार के जनविरोधी नीतियों का पुरजोर विरोध किया जाएगा।

प्रतिनिधिमंडल में हटिया मजदूर लोक लोक मंच के जान मोहम्मद, रामकुमार नायक, हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के जनरल सेक्रेटरी लीलाधर सिंह, एचईसी सप्लाई संघर्ष समिति के अध्यक्ष दिलीप सिंह, हटिया कामगार यूनियन के प्रेसिडेंट आरके शाही, एचईसी श्रमिक संघ के शनी सिंह, वाई त्रिपाठी, महेंद्र कुमार, हटिया मजदूर यूनियन के हरेंद्र प्रसाद, एटक के अर्जुन रविदास, हटिया मजदूर यूनियन (सीटू) के भवन सिंह, हटिया प्रोजेक्ट वर्कर्स यूनियन के सुधीर कुमार मिश्रा, गिरीश कुमार चौहान, जनता मजदूर यूनियन के एसजे मुखर्जी सहित काफी संख्या में एचईसी के श्रमिक शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों ने की शिष्टाचार मुलाकात

रांची : मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन से सोमवार को झारखंड मंत्रालय में भारतीय विदेश सेवा (2010 बैच) के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम एवं सुशील प्रसाद ने शिष्टाचार मुलाकात की। मौके पर मुख्यमंत्री एवं उनके बीच झारखंड सरकार द्वारा संचालित प्रमुख विकासात्मक योजनाओं तथा राज्य में निवेश एवं आर्थिक विकास की संभावनाओं पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकासात्मक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के महत्व पर भी बल दिया, जिनमें प्रवासन एवं गतिशीलता पार्टनरशिप, वन्यजीव पर्यटन की संभावनाएं, कौशल विकास एवं शिक्षा क्षेत्र में सहयोग तथा भारतीय प्रवासी समुदाय की सहभागिता शामिल रहा। साथ ही मुख्यमंत्री एवं भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों के बीच झारखंड की शासन व्यवस्था एवं विकास यात्रा से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं पर चर्चा हुई। इस अवसर पर राज्य के मुख्य सचिव श्री अविनाश कुमार उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी मोहम्मद शाहिद आलम वर्तमान में लंदन स्थित भारत के उच्चायोग में कार्यरत हैं, जबकि सुशील प्रसाद नैरोबी स्थित भारत के उच्चायोग में पदस्थापित हैं। भारतीय विदेश सेवा के ये दोनों अधिकारी मध्यावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम में सम्मिलित होने हेतु झारखंड प्रवास पर हैं।

जगन्नाथपुर मेले में आसमान से जमीन तक कैमरों से नजर, चप्पे-चप्पे पर होगी पुलिस

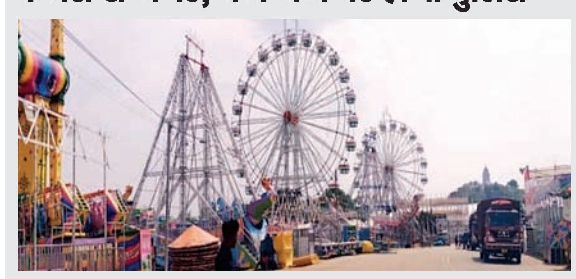

रांची : जगन्नाथपुर मेला और रथ यात्रा में अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस ने तैयारी तेज कर दी। मंदिर और मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी परेशानी से बचाने के लिए एडीजी मनोज कौशिक ने रविवार को जगन्नाथपुर मंदिर समिति के लोगों के साथ चर्चा की। इसमें उन्होंने कानून, ट्रैफिक, सुरक्षा व्यवस्था आदि के लिए बनाई जा रही रणनीति पर बात की। निर्णय लिया गया कि मेला परिसर की सुरक्षा में कोई चूक न हो, इसके लिए हर जगह सीसीटीवी कैमरे लगाकर नजर रखी जाएगी। स्मार्ट सिटी कंट्रोल रूम से सभी कैमरों को जोड़ा जाएगा। इसके अलावा ड्रोन से पूरे मेले की निगाहबानी होगी। पुलिस अफसरों को निर्देश दिए कि सुरक्षा में कोई चूक नहीं होनी चाहिए। इधर, मेले के दौरान ट्रैफिक रूट भी डायवर्ट करने की जानकारी दी गई। बैठक में एसएसपी राकेश रंजन, सिटी एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, ट्रैफिक एसपी राकेश सिंह, डीएसपी अमर पांडेय भी शामिल थे। मेला परिसर, रथ यात्रा मार्ग एवं अन्य प्रमुख स्थलों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती सुनिश्चित करने को कहा गया। संवेदनशील और अत्यधिक भीड़ वाले क्षेत्रों की पहचान कर विशेष रूप से वहां अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था बनाने के भी निर्देश दिए गए। एडीजी ने कहा, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल तैनात होगा। स्पेशल टीम सादे लिबास में भीड़ में रहेगी। महिलाओं से छेड़खानी करने वालों के साथ जवान सख्ती से निपटेंगे। यह टीम चोरी, छिनतई व पॉकेटमारी करने वालों पर भी पैनी नजर रखेगी।

सिल्ली में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड स्थित भाजपा कार्यालय में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने जनसंघ के संस्थापक सदस्यों में से एक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाई। इस अवसर पर कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि देश की अखंडता और एकता के लिए डॉ. मुखर्जी द्वारा दिया गया बलिदान सदैव स्मरणीय रहेगा। उन्होंने उन्हें दूरदर्शी राजनेता, राष्ट्रनिमार्ता तथा स्वतंत्रता संग्राम में महत्वपूर्ण योगदान देने वाला व्यक्तित्व बताया। वक्ताओं ने कहा कि राष्ट्र के प्रति उनका समर्पण और सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा। कार्यक्रम में सिल्ली मंडल अध्यक्ष अंबुज रजक, जिला मंत्री पूर्णिमा सिंह देव, महामंत्री भेंगराज प्रसाद, राजेंद्र प्रसाद साईं, हरिहर महतो, मेघनाथ महतो, कृष्णा रविदास सहित भाजपा के कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

केवल रजिस्ट्री की जांच से पीआईएल याचिकाकर्ता की साख सिद्ध नहीं होती : उच्च न्यायालय

रांची : झारखंड उच्च न्यायालय ने जनहित याचिकाओं (पीआईएल) के दुरुपयोग पर सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि केवल रजिस्ट्री द्वारा पीआईएल नियमों के तहत औपचारिक जांच पूरी हो जाना इस बात का प्रमाण नहीं माना जा सकता कि न्यायालय ने याचिकाकर्ता की साख, नीयत या जनहित याचिका दायर करने की पात्रता को न्यायिक रूप से स्वीकार कर लिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि पीआईएल की स्वीकार्यता का अंतिम निर्णय न्यायालय ही प्रत्येक मामले के तथ्यों और परिस्थितियों के आधार पर करता है। मुख्य न्यायाधीश एम. एस. सोनक और न्यायमूर्ति राजेश शंकर की खंडपीठ ने यह टिप्पणी शिव शंकर शर्मा की ओर से दायर सिविल रिव्यू याचिका खारिज करते हुए की। अदालत ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें पेशेवर मुकदमेबाज जनहित याचिका की आड़ में न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग करते रहे हैं। इसलिए ऐसे मामलों पर प्रभावी अंकुश लगाना आवश्यक है, ताकि पीआईएल जैसी महत्वपूर्ण व्यवस्था की गरिमा और उद्देश्य अक्षुण्ण बने रहें। दरअसल, यह रिव्यू याचिका नौ मई, 2025 को पारित उस आदेश के खिलाफ दायर की गई थी, जिसमें उच्च न्यायालय ने शिव शंकर शर्मा की जनहित याचिका को न्यायालय की प्रक्रिया का दुरुपयोग बताते हुए खारिज कर दिया था और उन पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना लगाया था। खंडपीठ ने कहा कि रिव्यू याचिका में उठाए गए किसी भी आधार से रिकॉर्ड पर कोई स्पष्ट त्रुटि (एरर अपैरेंट ऑन द फेस ऑफ रिकॉर्ड) सिद्ध नहीं होती। अदालत ने कहा कि पुनर्विचार याचिका का उद्देश्य पहले से दिए गए निर्णय की दोबारा सुनवाई कराना नहीं, बल्कि केवल किसी स्पष्ट कानूनी या तथ्यात्मक त्रुटि को सुधारना होता है।

एक नजर

अज्ञात युवती का शव बरामद

मरकच्चो : नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत कोडरमा - गिरिडीह रेलखंड पर रविवार रात मे नवादा पुल के नीचे रेल पटरी से एक अज्ञात युवती का शव बरामद हुआ है। शव की पहचान नही हो पाई है । मिली जानकारी के अनुसार 8:00 बजे रात ट्रेन संख्या 13514 हटिया - आसनसोल इंटरसिटी एक्सप्रेस के घटना स्थल से पास किया और उक्त ट्रेन का लोको पायलट ने धनबाद रेलवे बिभाग को सूचना दिया की कोडरमा - गिरिडीह रेलखंड के नवादा रेलवे पुल के समीप एक युवती अचानक रेल पटरी के बीचों बीच आ गई जिससे वे चपेट मे आकर उसकी मौत हो गई जिसके बाद धनबाद के रेलवे अधिकारी लोकल स्टेशन और नवलशाही थाना मे सूचना दिया और फिर घटना स्थल पर ट्रैकमेन और नवलशाही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्डम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेजते हुए जाँच शुरू कर दी है। फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो सकी है। उसकी उम्र करीब 25 से 30 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस आसपास के गांवों में शव की शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। घटना के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की हर बिंदु पर जांच कर रही है।

कोडरमा नगर पंचायत में हाथियों का उत्पात कई बाउंड्री तोड़ी

कोडरमा : जिला मुख्यालय स्थित कोडरमा नगर पंचायत क्षेत्र में बीती रात हाथियों के झुंड ने प्रवेश कर जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने कई बाउंड्री दीवार तोड़ दी और खेतों में लगी फसलों को रौंद डाला। अचानक हुए इस हमले से पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों के अनुसार देर रात 2 हाथी जंगल से निकलकर आबादी क्षेत्र में घुस आया। शोर-शराबा सुनकर लोग घरों से बाहर निकले और पटाखे फोड़कर हाथियों को भगाने का प्रयास किया। सूचना पर वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और मशाल व हल्ला कर हाथियों को वापस जंगल की ओर खदेड़ा। बता दें कि पिछले 6 महीनों से जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हाथियों का आतंक जारी है। इस दौरान हाथियों के हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है और सैकड़ों एकड़ फसल बर्बाद हो चुकी है। घटना के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथियों को जंगल में रोकने और प्रभावित परिवारों को मुआवजा देने की मांग की है। वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि हाथियों के पास जाने, उन्हें छेड़ने या फोटो और वीडियो बनाने के लिए भीड़ लगाने से बचें। साथ ही रात के समय जंगल और हाथियों की आवाजाही वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से नहीं जाने की सलाह दी गई है।

20वीं झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर बालक खो-खो चैंपियनशिप में कोडरमा ने रचा इतिहास

कोडरमा : 20वीं झारखंड राज्य स्तरीय जूनियर बालक खो-खो चैंपियनशिप 2025-26 में कोडरमा जिला की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। फाइनल मुकाबला पे एंड प्ले, रांची से खेला गया, जिसमें रांची की टीम ने 22 अंक अर्जित कर खिताब अपने नाम किया, जबकि कोडरमा की टीम ने 20 अंक प्राप्त कर कड़ा मुकाबला पेश किया। मात्र दो अंकों के अंतर से हारने के बावजूद कोडरमा के खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल, संघर्ष और टीम भावना से सभी का दिल जीत लिया। यह उपलब्धि कोडरमा जिला खो-खो संघ के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय के रूप में दर्ज हो गई है, क्योंकि पहली बार कोडरमा की जूनियर बालक टीम ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया और उपविजेता बनने का गौरव प्राप्त किया।

बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज डोमचांच में एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया

स्वच्छ वातावरण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाए : आदित्य साहू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज डोमचांच में दिन सोमवार को समय 11:00 बजे एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू व विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व शिक्षा मंत्री सह वर्तमान विधायक डॉ. नीरा यादव मौजूद थी। मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि का स्वागत कॉलेज के सचिव हिमांशु कुमार एवं कॉलेज के संरक्षक अभियंता सह पेड़ मित्र प्रेमांशु कुमार एवं सुधांशु शेखर ने अंग वस्त्र, प्रतीक चिन्ह व फूलों का गुलदस्ता किया गया। इसके बाद कार्यक्रम की शुरूआत विधिवत दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद आदित्य साहू ने कहा कि भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम की शुरूआत पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण के लिए किया जा रहा है। सभी लोगों का नैतिक कर्तव्य है कि अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण की रक्षा करें। जब आप छोटे-मोटे पेड़ को लगाएंगे वह पेड़ जब बड़ा रूप ले लेता है जिसे देखकर आपको हृदय से खुशी मिलेगी। एक पेड़ लगाने से कई जीवन के बराबर होता है इसलिए हर हाल में पेड़ लगाने की आवश्यकता है। समाज में स्वच्छ पर्यावरण के लिए लोग अधिक से अधिक पेड़ लगाए। वही एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री सह वर्तमान विधायक डॉ. नीरा यादव ने कहा कि हर मानव का सबसे पहला कर्तव्य होता है कि अपने आस पड़ोस को साफ सुथरा और सुरक्षित रखें इसके लिए बहुत जरूरी है पेड़ पौधे को लगाना। बता दे की पिछले वर्ष भी एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम में पहले फेज में 11 हजार व दूसरे फेज में 11 हजार मिलाकर 22000 पेड़ पौधे का वितरण किया जा चुका है। कार्यक्रम समापन के बाद मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह राज्यसभा सांसद आदित्य साहू व विशिष्ट अतिथि पूर्व शिक्षा मंत्री सह वर्तमान विधायक डॉ. नीरा यादव ने कॉलेज परिसर में वृक्षारोपण किया तथा कॉलेज के छात्र-छात्राओं व लोगों के बीच 1100 हलदर एवं औषधि पौधे बांटे गए। मौके पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. भूपेंद्र ठाकुर सहायक प्रोफेसर डॉ. हरीश कुमार नीरज प्रो.विनोद अवस्थी, प्रो. मनोज विश्वकर्मा, प्रो. प्रदीप पाण्डेय, सुमन कुमार सिन्हा , सूरज देव, जितेंद्र कुमार रजक, अनूप कुमार, सिकंदर ठाकुर, आकृति वर्मा, प्रदीप कुमार योगेंद्र राम के अलावे कॉलेज के छात्रा मधु कुमारी, प्रियंका कुमारी सोनाली कुमारी छात्र नीरज कुमार, भोले शंकर, सुभाष कुमार विकास कुमार इत्यादि मौजूद रहे।

गौ सेवा के साथ शुरू हुआ मारवाड़ी युवा मंच का रजत जयंती वर्ष समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच के 25वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में नौ दिवसीय अनूठे कार्यक्रम 'सृजन से सम्मान तक' का भव्य आगाज हो गया है। इस रजत जयंती वर्ष समारोह की शुरूआत ६ जुलाई को बेहद अनूठे अंदाज में गौ सेवा के साथ की गई। मंच के सभी सदस्यों ने मिलकर कोडरमा गौशाला में गौ माताओं को 251 किलो मीठे आम खिलाए। इसके साथ ही बीमार गौ माताओं की सेवा की गई और गौशाला के चिकित्सक को अंग वस्त्र व उपहार भेंट कर सम्मानित किया गया।

यह उद्घाटन कार्यक्रम पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष स्वर्गीय विनय जालान जी एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष स्वर्गीय अभिषेक अग्रवाल जी की पावन स्मृति को समर्पित रहा।

महीने भर चलेंगे विविध सेवा कार्य झारखण्ड प्रांत के युवा भवन संयोजक राज कुमार पचिसिया ने बताया कि यह पूरा महीना मारवाड़ी युवा मंच अलग-अलग सेवा कार्यक्रमों के जरिए समाज में अपना योगदान देगा। मंच के अध्यक्ष मोहित संघई ने कहा, सारे कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। गर्व की इस स्वर्णिम यात्रा में संगठन की शक्ति के साथ हम निरंतर आगे बढ़ रहे हैं। सभी कार्यक्रम बेहद भव्य और अनूठे तरीके से आयोजित किए जाएंगे।

गौ सेवा के परियोजना निर्देशक शुभम चौधरी ने कहा गौ सेवा ही परम धर्म है, क्योंकि जहाँ गौ माता का वास है, वहीं सुख, समृद्धि और देवों का आशीर्वाद है। साथ ही मंच के सचिव अतुल खेतान ने मंच के सदस्यों का आभार व्यक्त किया और आगे भी इसी तरह आने वाले कार्यक्रम को करने के लिए प्रेरित किया।

पर्यावरण जागरूकता को लेकर आरपीवाई बीएड कॉलेज में पौधारोपण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : रमेश प्रसाद यादव शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय में सोमवार को पर्यावरण जागरूकता को लेकर पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रकार के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। महाविद्यालय के प्रशिक्षुओं वो कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक पौधारोपण में भाग लिया और पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने का संकल्प लिया। इस अवसर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. लक्ष्मी सरकार ने कहा कि, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वृक्षों का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण के साथ-साथ उनकी नियमित देखभाल भी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमें शुद्ध वायु, छाया और जीवन के लिए आवश्यक संसाधन प्रदान करते हैं, इसलिए इनका संरक्षण हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण सुरक्षा की शपथ ली।

श्याम शरण में आजा रे अब बनेगा गरीब बेटियों की शादी का सहारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : शहर की धार्मिक संस्था 'श्याम शरण में आजा रे' ने स्थापना के चार वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर समाज सेवा के क्षेत्र में एक नई पहल की घोषणा की है। संस्था अब आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग करेगी। इस संबंध में संस्था के सेवादारों की बैठक आयोजित कर योजना की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि आर्थिक अभाव किसी भी बेटी के सम्मानजनक विवाह में बाधा नहीं बनने दिया जाएगा। इसी उद्देश्य से संस्था गरीब परिवारों की बेटियों के विवाह में हरसंभव सहयोग प्रदान करेगी। इसके साथ ही समाज में बाल विवाह, दहेज प्रथा और कन्या भ्रूण हत्या जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जनजागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। सेवादार रवि दाहिमा, प्रदीप कंदोई, संतोष लड्डा, संजय नरेडी, संजय पिलानिया, अविनाश कप्सीमे, पप्पू सिंह ने बताया कि इस अभियान की शुरूआत 11 जरूरतमंद बेटियों के हाथ पीले कराने के संकल्प के साथ की जाएगी। जल्द ही संस्था के अन्य सेवादारों की बैठक कर कार्यक्रम की तिथि एवं अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जाएगा।

सेवादारों ने कहा कि 'श्याम शरण में आजा रे' अब केवल धार्मिक आयोजनों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि जरूरतमंद परिवारों का सहारा बनकर सामाजिक दायित्व का भी निर्वहन करेगा।

जैन समाज के पंडित अभिषेक शास्त्री ने नया मंदिर में भक्तजनों को अपने प्रवचन संबोधन में कहा

कृतज्ञता महान व्यक्तित्व की पहचान है

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कृतज्ञता वह दिव्य भावना है जो मनुष्य को विनम्र, संवेदनशील और महान बनाती है। यह केवल धन्यवाद कह देने का नाम नहीं, बल्कि उन उपकारों को जीवन भर स्मरण रखने का संस्कार है, जिनके कारण हमारा जीवन सुगम और सार्थक बनता है। जिस व्यक्ति के हृदय में कृतज्ञता का भाव होता है, वह कभी अहंकार का शिकार नहीं होता।

हम प्रतिदिन न जाने कितने लोगों के ऋणी बनते हैं। माता-पिता हमें जीवन देते हैं, गुरु अज्ञान के अंधकार से निकालकर ज्ञान का प्रकाश देते हैं, किसान अन्न उपजाता है, सैनिक अपने प्राणों की बाजी लगाकर हमारी सुरक्षा करता है और प्रकृति बिना किसी प्रतिफल की इच्छा के हमें वायु, जल और जीवन प्रदान करती है। इन सबके प्रति कृतज्ञ होना हमारा नैतिक कर्तव्य है।

हमारे इतिहास और संस्कृति में कृतज्ञता के अनेक प्रेरक उदाहरण मिलते हैं। श्रीराम ने वनवास के समय निषादराज गुह, शबरी और हनुमान के प्रेम तथा सहयोग को जीवन भर सम्मान दिया। वहीं श्रीकृष्ण ने अपने निर्धन मित्र सुदामा को कभी नहीं भुलाया और उनसे मिलकर मित्रता का आदर्श प्रस्तुत किया। ये प्रसंग बताते हैं कि महानता केवल शक्ति या वैभव में नहीं, बल्कि कृतज्ञ हृदय में बसती है।

दैनिक जीवन में भी कृतज्ञता का महत्व उतना ही है। यदि कोई शिक्षक हमें सही दिशा दिखाए, कोई मित्र कठिन समय में हमारा साथ दे या कोई अनजान व्यक्ति हमारी सहायता करे, तो उसके प्रति सम्मान और आभार व्यक्त करना ही सच्ची मानवता है। उपकार को भूल जाना कृतघ्नता है, जबकि उसे स्मरण रखना श्रेष्ठ चरित्र की पहचान है।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन ने पौधारोपण कार्यक्रम का किया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के तत्वावधान में "वन महोत्सव सप्ताह कार्यक्रम" के अवसर पर महाविद्यालय के द्वारा गोद लिए गांव इंदरवाटांड़ में "पौधारोपण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया।

पौधारोपण कार्यक्रम में महाविद्यालय के राधाकृष्णन एवं रूसो एवं सदन के प्रशिक्षुओं, ग्रामीणों एवं महाविद्यालय के सभी सहायक प्राध्यापकों द्वारा विभिन्न फलदार एवं औषधीय गुण वाले पेड़ - पौधें जैसे - आम, नीम, आंवला, कटहल, जामुन आदि का रोपण किया गया।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ मोहित कुमार तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि वृक्षारोपण द्वारा पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता का संवर्धन तथा भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं हरित वातावरण का निर्माण करना होगा और वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन एवं पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के लिए हम सभी का यह कर्तव्य बनता है कि प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएऔर हरित, स्वच्छ एवं समृद्ध भारत के निर्माण में अपना योगदान दें।

मौके पर राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला नोडल पदाधिकारी सौरभ शर्मा ने सभी ग्रामीणों एवं प्रशिक्षुओं को अपने आस पड़ोस में अधिक से अधिक पौधारोपण करने के लिए जागरूक किया।

उक्त कार्यक्रम को सफल बनाने राधाकृष्णन हाउस के हाउस मास्टर डॉ रामकृष्ण प्रसाद एवं रूसो हाउस के हाउस मास्टर डॉ इंद्र कुमार जायसवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाए ।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के बी एड सत्र 2024-26 एवं 2025-27 के सभी प्रशिक्षु हेमलता कुमारी, पूनम कुमारी, ज्योति कुमारी यादव, पूजा कुमारी, अंजली कुमारी, सोनिया कुमारी, प्रियंका कुमारी, प्रिया कुमारी, उर्मिला कुमारी, ललिता कुमारी, शोभा कुमारी विश्वकर्मा, अनिशा कुमारी, अंजली कुमारी, मनीषा, बबीता कुमारी, नीलू कुमारी, दिव्या कुमारी, सुवेता कुमारी, समीना प्रवीण, साक्षी कुमारी, सागर कुमार दास, बिनोद कुमार यादव, सद्दाम अंसारी,मनीष कुमार, अनिल कुमार, विश्वजीत कुमार, कुंदन कुमार, पवन कुमार, पवन पंडित, सूरज कुमार, लवजीत कुमार विश्वकर्मा, आयुष कुमार, लोकेश कुमार दीपक कुमार, लक्ष्मी कुमारी, दीपा नाथ, रवीना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, द्रोपति कुमारी, नंदनी कुमारी, ओशो अंशुमन, कुणाल कुमार आदि एवं महाविद्यालय आई क्यू ए सी समन्वयक मनीष कुमार सिन्हा, डी एल एड समन्वयक खुशबू कुमारी सिन्हा, संजीत कुमार, अनिल दास, सीताराम यादव, चुन्नु कुमार , बिनीता कुमारी, सहित सभी शिक्षकेत्तर कर्मचारी सूचित कुमार, आलम मुख्तार, सुधीर साव, विवेक कुमार एवं ओंकार कुमार आदि उक्त अवसर पर उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन सहायक प्राध्यापक अनिल दास ने किया।

संक्षिप्त खबरें

सुब्रतो कप 2026 एवं द्वितीय लिटिल चैंप प्रतियोगिता का आयोजन

मरकच्चो : सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय मरकच्चो के मैदान में सोमवार को सुब्रतो कप 2026 एवं द्वितीय लिटिल चैंप प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घघाटन प्रखण्ड प्रमुख बिजय कुमार सिंह प्रखण्ड कार्यक्रम पदाधिकारी प्रभुदेव यादव एवं प्रखण्ड कार्यक्रम प्रबंधक आनन्द शेखर ने सामूहिक रूप से द्वीप प्रज्वलित व बॉल को कीक मारकर किया। बालक वर्ग मेंअंडर 15 में प्रखण्ड के कुल चार टीम भाग लिया। फाइनल मैच उत्तकर्मित उच्च विद्यालय डगर नवां बनाम सर्वोदय जमा दो उच्च विद्यालय मरकच्चो के बीच खेला गया । जिसमें उत्तकर्मित उच्च विद्यालय डगरनवां की टीम 5 - 0 से विजयी रही। वहीं उप विजेता सर्वोदय जमा दो उच्च विद्यालय की टीम रही। 17 बालक वर्ग में प्रखण्ड की चार टीम भाग लिया। फाइनल मैच उत्तकर्मित उच्च विद्यालय डगरनवां बनाम परियोजना बालिका उच्च विद्यालय देवीपुर के बीच खेला गया जिसमें उत्तकर्मित उच्च विद्यालय डगरनवां पेनाल्टी सूट में 3- 2 से विजयी रही। उप विजेता परियोजना बालिका उच्च विद्यालय देवीपुर की टीम रही। वहींअंडर 17 बालिका वर्ग में पी एम श्री कस्तुरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की टीम विजयी रही। पूरे प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका संजय कुमार यादव हरीश, अमन कुमार, नीतीश कुमार ने निभाई। प्रतियोगिता में युद्धघोषक की भूमिका शिक्षक गगन कुमार दास ने निभायी। कार्यक्रम को बनाने में अचिन्तो रॉय, जटा शंकर पांडे, सन्तोष कुमार, मो शाकीब महमूद गुड्डन, विकास कुमार यादव, विजय कुमार यादव, अशोक कुमार, चंदन कुमार, रवि कुमार, आशुतोष कुमार, दिवाकर कुमार,रणजीत कुमार, उपेंद्र सिंह उपस्थित थे।

गुरुद्वारा गुरु सिंह सभा में विशेष कीर्तन दीवान सजाया, गुरबाणी से जुड़ने का संदेश

कोडरमा : गुरदासपुर वाले भाई कंवलजीत सिंह जी ने शबद कीर्तन और कथा से संगत को निहाल किया। जीवन में नितनेम की महत्ता और गुरबाणी से जुड़ने की प्रेरणा दी। बर्तन और बारिश के उदाहरण से समझाया मन का जुड़ना. कथा के दौरान भाई कंवलजीत सिंह जी ने बहुत ही सरल और सुंदर उदाहरणों के जरिए संगत को गुरबाणी का महत्व समझाया। उन्होंने कहा कि :यदि बरसात के दिनों में किसी बर्तन को उल्टा रख दिया जाए, तो उसमें एक बूंद पानी भी नहीं भरेगा। लेकिन यदि वही बर्तन सीधा रखा हो, तो वह पानी से लबालब भर जाएगा।इस उदाहरण का भाव स्पष्ट करते हुए उन्होंने कहा कि जो संगत गुरुद्वारे आकर सीधे बर्तन की तरह अपना ध्यान गुरु चरणों में लगाती है, वह गुरबाणी के रस से तृप्त होकर जाती है। इसके विपरीत, जो लोग गुरुद्वारे आकर भी अपना मन कहीं और भटकाते हैं (यानी उल्टे बर्तन की तरह रहते हैं), वे गुरबाणी सुनकर भी आत्मिक शांति से वंचित रह जाते हैं। भाई साहब ने अंधविश्वास और रूढ़िवादिता पर चोट करते हुए एक और बेहतरीन उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हम अक्सर सोचते हैं कि सिख के घर में पैदा होने मात्र से ही हम सच्चे सिख बन गए हैं, लेकिन ऐसा नहीं है।डॉक्टर का बेटा डॉक्टर नहीं: यदि कोई डॉक्टर या वकील के घर पैदा होता है, तो वह जन्म से डॉक्टर या वकील नहीं बन जाता। उसे इसके लिए बकायदा डॉक्टरी या वकालत की पढ़ाई करनी पड़ती है। अगर वह बिना पढ़ाई किए खुद को डॉक्टर कहेगा, तो कोई भी मरीज उससे इलाज नहीं करवाएगा। ठीक उसी तरह, गुरु का सच्चा सिख बनने के लिए हमें गुरबाणी को पढ़ना, समझना और अपने जीवन में कमाना (अमल करना) पड़ेगा।यह विशेष धार्मिक समागम शाम 7:30 बजे से शुरू होकर रात 10:00 बजे तक चला, जिसमें भाई कंवलजीत सिंह जी ने अपनी रसभरी आवाज में शबद कीर्तन कर संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने पूरी संगत को रोजाना 'नितनेम' करने और गुरु से जुड़ने का संकल्प दिलाया।रात 10:00 बजे दीवान की समाप्ति हुई, जिसके बाद गुरु का अटूट लंगर संगत में वतार्या गया। इस समागम में बड़ी संख्या में स्थानीय साध-संगत ने हाजिरी भरकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त कीं।

फर्जी केवाला और मुख्तारनामा के जरिए जमीन बेचने का आरोप, उपायुक्त से जांच की मांग

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत मौजा लोहाडंडा की भूमि से जुड़े विवाद में एक पक्ष ने उपायुक्त सह जिला निबंधन पदाधिकारी, कोडरमा को आवेदन देकर कथित फर्जी केवाला, दाखिल-खारिज और मुख्तारनामा के माध्यम से जमीन की दोबारा बिक्री कराने के प्रयास का आरोप लगाया है। साथ ही पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। आवेदनकर्ता मशकूर खान ने कहा है कि मौजा लोहाडंडा, थाना जयनगर, खाता संख्या-47 की भूमि का नाम पूर्व में सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी, हजारीबाग द्वारा वर्ष 1967 के एक मामले में बदरूद्दीन खान के नाम दर्ज किया गया था। इसके बावजूद वर्ष 2022 में कथित रूप से पुराने अभिलेखों को छिपाकर संबंधित भूमि का केवाला निष्पादित कर दिया गया। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि इसके बाद उक्त जमीन का दाखिल-खारिज भी कर दिया गया, जबकि इस संबंध में अंचल कार्यालय को लिखित आपत्ति दी गई थी। इससे भूमि विवाद और बढ़ गया।

रैयती जमीन पर जबरन बिजली पोल गाड़ने का आरोप, उपायुक्त से कार्रवाई की मांग

कोडरमा/जयनगर : जयनगर निवासी सलामुद्दीन रजा ने अपनी रैयती भूमि पर जबरन सरकारी बिजली पोल गाड़ने, सरकारी धन के दुरुपयोग तथा विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए उपायुक्त कोडरमा को आवेदन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की मांग की है। आवेदन में सलामुद्दीन रजा ने बताया है कि मौजा जयनगर, थाना संख्या-81, अंचल जयनगर अंतर्गत खाता संख्या-262 एवं प्लॉट संख्या-1065 उनकी पुश्तैनी रैयती भूमि है, जिसके स्वामित्व से संबंधित सभी आवश्यक दस्तावेज एवं लगान रसीद उनके पास उपलब्ध हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि 10 जून 2026 को जयनगर पंचायत के मुखिया कौसर खान उर्फ चूरन ने अपने पद का दुरुपयोग करते हुए कथित रूप से अवैध लेन-देन के माध्यम से उनकी निजी भूमि के भीतर सरकारी बिजली पोल गाड़ने और बिजली लाइन ले जाने का कार्य शुरू करा दिया। इस कार्य में सरकारी ठेकेदार समूल खान तथा शहीद खान की भी संलिप्तता होने का आरोप लगाया गया है। सलामुद्दीन रजा का कहना है कि जब उन्होंने अपनी रैयती भूमि पर हो रहे इस कार्य का विरोध किया और पोल हटाने की मांग की, तब संबंधित लोगों ने कथित तौर पर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया।

नगर परिषद की बोर्ड बैठक में बिजली, जलजमाव और पेयजल समस्याओं के समाधान पर जोर

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कपाली नगर परिषद सभागार में सोमवार को आयोजित बोर्ड बैठक में नगर क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं के समाधान को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की अध्यक्षता ईचागढ़ विधायक सविता महतो ने की। बैठक में नगर परिषद क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या बिजली व्यवस्था को प्राथमिकता दी गई। विधायक सविता महतो ने कहा कि सभी 21 वार्डों में जितने भी आवश्यकता के अनुसार कल से ही नए बिजली पोल लगाए जाएंगे। इसके साथ ही जर्जर बिजली तारों को बदलने तथा जरूरत वाले क्षेत्रों में नए तार बिछाने की दिशा में कार्रवाई की जाएगी, ताकि लोगों को निर्बाध और बेहतर विद्युत आपूर्ति मिल सके। बैठक में बारिश के मौसम में जलजमाव और पेयजल संकट पर भी विस्तार से चर्चा हुई। इस दौरान विधायक ने नप क्षेत्र में ब्लीचिंग पावडर छिड़काव करने का भी अधिकारियों को निर्देश दिए।जलभराव वाले इलाकों की पहचान कर स्थायी समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने तथा पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर सहमति बनी। इसके अलावा नगर की साफ-सफाई, स्वच्छता और सौंदर्यीकरण से जुड़े कई प्रस्तावों पर भी चर्चा हुई और उन्हें आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। बैठक में कपाली नगर परिषद के अध्यक्ष परवेज आलम उर्फ चांद भाई, उपाध्यक्ष मोहम्मद शबान उर्फ सिंटू, सभी 21 वार्डों के पार्षद, कार्यपालक पदाधिकारी गोपी कृष्णा, सिटी मैनेजर शकील अनवर मेंहदी तथा झामुमो केंद्रीय सदस्य काबलू महतो समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

निजी विद्यालय संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं IGM स्कूल संचालक विपिन सिन्हा का आकस्मिक निधन

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : झारखंड प्राइवेट स्कूल संगठन, हजारीबाग के पूर्व अध्यक्ष एवं IGM स्कूल के संचालक विपिन कुमार सिन्हा का रविवार, 6 जुलाई 2026 को आकस्मिक निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार चल रहे थे और अस्पताल में इलाजरत थे। इलाज के दौरान ही उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन की खबर से निजी विद्यालय संगठन के सभी संचालक शोकग्रस्त हैं। संगठन ने उन्हें एक समर्पित, दूरदर्शी और कर्मठ व्यक्तित्व बताया। उनके मार्गदर्शन और संगठन के प्रति समर्पण को हमेशा याद रखा जाएगा। विपिन सिन्हा लंबे समय से निजी विद्यालयों की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाते रहे। निजी विद्यालयों के हितों के लिए उन्होंने हाईकोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी। उनके द्वारा स्थापित इंदिरा गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल, इचाक और कोलघट्टी दोनों जगह संचालित हैं। उनके पार्थिव शरीर का अंतिम दर्शन इंदिरा गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल, मंडई में प्रातः 7:30 बजे रखा गया है। अंतिम यात्रा सुबह 8:00 बजे मुक्तिधाम के लिए निकाली जाएगी। संगठन की ओर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए श्रद्धांजलि अर्पित करने वालों में संयोजक मधुप मनोहर, अध्यक्ष मधुसूदन मेहता, सचिव आमिर अल्ताफ, मनोज कुमार राय, परवेज आलम, विनोद भगत, प्रभु दयाल कुशवाहा, छोटेलाल साहू, मकसीर आलम, सोहेल अहमद, आरिज सागर, अविरल लाल सहित कई पदाधिकारी शामिल थे।

स्वर्गीय सुरेंद्र पासवान की स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुए विधायक

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : विधायक प्रदीप प्रसाद दारू प्रखंड के पुराना दुर्गा मंडप स्थित बाजार के समीप सामाजिक रिश्ता संस्था द्वारा स्वर्गीय सुरेंद्र पासवान जी की पावन स्मृति में आयोजित रक्तदान शिविर में शामिल हुए।

इस अवसर पर उन्होंने स्वर्गीय सुरेंद्र पासवान जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके समाजसेवा के क्षेत्र में दिए गए उल्लेखनीय योगदान को स्मरण किया। इस अवसर पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि स्वर्गीय सुरेंद्र पासवान जी ने अपने जीवन को समाजसेवा के लिए समर्पित किया था और उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है। एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन की रक्षा कर सकता है। इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने सामाजिक रिश्ता संस्था की सराहना करते हुए कहा कि संस्था द्वारा इस प्रकार के जनहित एवं मानव सेवा से जुड़े आयोजन समाज में सेवा, सहयोग और मानवीय मूल्यों को सशक्त बनाने का कार्य कर रहे हैं। ऐसे आयोजन समाज में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी मजबूत करते हैं। विधायक प्रदीप प्रसाद ने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं, स्वयंसेवकों एवं आयोजन से जुड़े सभी पदाधिकारियों और सहयोगियों का अभिनंदन करते हुए उनके इस निस्वार्थ सेवा भाव की प्रशंसा की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस रक्तदान शिविर से एकत्रित रक्त अनेक जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायी सिद्ध होगा और समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

वर्षों की प्रतीक्षा समाप्त, अम्बाडीह टोला में पहली बार जली बिजली, ग्रामीणों में खुशी की लहर

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : करमा पंचायत के असनाचुवां ग्राम स्थित आदिवासी बहुल अम्बाडीह टोला में वर्षों का इंतजार सोमवार को समाप्त हो गया, जब गांव में पहली बार बिजली की सुविधा शुरू हुई। बरही विधायक मनोज कुमार यादव ने नवस्थापित विद्युत आपूर्ति का विधिवत उद्घाटन किया। पहली बार गांव में बिजली पहुंचने से ग्रामीणों में खुशी की लहर दौड़ गई और पूरे टोले में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला। उद्घाटन समारोह के दौरान ग्रामीणों ने पारंपरिक आदिवासी नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से विधायक का भव्य स्वागत किया। ग्रामीणों ने कहा कि अब बच्चों की पढ़ाई, घरेलू कार्यों और दैनिक जीवन में काफी सुविधा मिलेगी। साथ ही बिजली आने से गांव के विकास को भी नई दिशा मिलेगी। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि आदिवासी बहुल अम्बाडीह टोला तक बिजली पहुंचाना उनका संकल्प था, जिसे आज पूरा कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर तक सड़क, बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाएं पहुंचाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि क्षेत्र की सभी लंबित विकास योजनाओं को भी चरणबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, बलिराम मुंडा, महेंद्र मुंडा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बोड़ाम बाजार मुख्य सड़क बदहाल, मरम्मती की मांग को लेकर ग्रामीणों का विरोध

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : डीसी साहब थोड़ा इधर भी दीजिए ध्यान बोड़ाम की जनता कर रही त्राहिमाम। जी हाँ हम बोड़ाम की जनता की दर्द को बताने का प्रयास कर रहे हैं। बोड़ाम बाजार के मुख्य मार्ग की स्थिति नारकीय हो गई हैं। ग्रामीण जनता का कहना हैं कि इस सड़क की स्थिति इतनी दर्दनाक हो गई हैं कि सड़क पर पैदल चलना मुश्किल हो गया हैं।बोड़ाम की जनता का जिला के उपायुक्त से अनुरोध हैं कि इस सड़क के मरम्मती को लेकर जल्द से जल्द पहल किया जाए।ताकि आने वाले वारिश में उत्पन्न समस्या का समाधान हो सके। ग्रामीणों ने आशुतोष महतो के नेतृत्व में सोमवार को सड़क किनारे खड़े होकर विरोध जताते हुए कहा कि इस सड़क के मरम्मती कार्य का शिलान्यास 2025 में हुआ था।लेकिन मरम्मती नहीं हुआ।सभी ने संयुक्त रूप से उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट करते हुए सड़क के मरम्मती करवाने की मांग की हैं। जिससे वर्षा में बाजार वाली सड़क में सुगमता से चला जा सके।

आपसी विवाद में भतीजा ने चाचा के घर आग लगाने का किया प्रयास, प्राथमिकी दर्ज

साहिबगंज : जिले के बरहेट थाना क्षेत्र के बरहेट संथाली स्तिथ कुम्हार टोला में चाचा भतीजा का आपसी विवाद बीते 3 जुलाई (शुक्रवार) को हुई थी जिसमें दोनों के बीच हाथापाई भी हुई। इस हाथापाई में भतीजा जख्मी हो गया। घटना की संबंध में मिली जानकारी के अनुसार चाचा हनीफ अंसारी (42) और भतीजा शोहरान अंसारी (24) पैसे के लेनदेन में हुई आपसी झड़प में शौहरान जख्मी हो गए। उक्त विवाद में हुई आपसी मामले की शिकायत दोनों ने एक दूसरे के विरुद्ध आवेदन थाना में देकर शिकायत किया था। मामला विचाराधीन था, परंतु बीते दिनों भतीजा शोहरान अंसारी ने चाचा हनीफ के घर में आग लगा दिया। आसपास के लोगों के सहयोग से आग बुझाने में सफल हो गए और एक बड़ी घटना होने से बच गया। वहीं उक्त घटना का अंजाम देने के बाद भतीजा शोहरान अंसारी फरार हो गया। पुलिस ने दोनों के आवेदन पर थाना कांड संख्या 80/26 तथा 81/26 दर्ज कर मामले की छानबीन कर रही है।

37 करोड़ की लागत से बनी सड़क निर्माण के बाद ही उखड़ी, गुणवत्ता पर उठे सवाल

प्रत्युष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ प्रखंड के पातकुम-लावा निमार्णाधीन सड़क बनते ही जगह-जगह उखड़ने लगी है। 37 करोड़ रुपए की लागत से बन रही इस सड़क में दरारें आ गई हैं। ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए जांच और गुणवत्तापूर्ण निर्माण की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि डुमटांड़ से लेकर पातकुम तक सड़क में जगह-जगह दरारें आ गई हैं और कालीकरण उखड़ रहा है। आरोप है कि निर्माण में सिर्फ खानापूर्ति की गई है। ग्रामीणों के अनुसार यह सड़क ईचागढ़ वासियों की लाइफ लाइन है। इसी सड़क से प्रखंड, अंचल मुख्यालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, राष्ट्रीय उच्च पथ और अनुमंडल कार्यालय जाया जाता है। संवेदक द्वारा अच्छी गुणवत्ता से काम नहीं किया जा रहा है।

स्थानीय ग्रामीण

यह सड़क हमारे लिए बहुत जरूरी है। काम पूरा भी नहीं हुआ और सड़क टूटने लगी। पातपुर से लेपाटांड़ मैदान और लेपाटांड़ गांव से रानी बांध तक अब तक काम नहीं हुआ है। लग रहा है यह सड़क भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गई। ग्रामीणों ने बताया कि निमार्णाधीन सड़क पर ओवरलोड हाइवा का परिचालन भी किया जा रहा है, जिससे सड़क और तेजी से खराब हो रही है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि भारी वाहनों के परिचालन पर तुरंत रोक लगाई जाए। मालूम हो कि इस सड़क की स्वीकृति विधायक सविता महतो के प्रयास से मिली थी। ग्रामीणों ने विभागीय अभियंता और संबंधित पदाधिकारियों से पूरे मामले की जांच कराकर अविलंब गुणवत्तापूर्ण सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

कार्यालय
प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, रेफरल अस्पताल ठेठईटांगर, सिमडेगा।
Email-moic.ttanger.sim@gmail.com

Very Short Tender

letterNo:--…………………/2026-27 Dt……………………

1. MEDICAL OFFICER INCHARGE,THETHAITANGERS imdegainvites sealed Bids in two bid systems for **"Supply of Contingency and Equipment"from Manufacturer/Authorised Dealer /reputed agency** through tender Notice detailed as in the Bidding Document.
2. **Award Methodology: -**Bidder shall be awarded considering least cost i.e., L1 (Lowest Bidder). Bidder qualifying the Technical bid and meeting the pre-Qualifying criteria shall only be considered for opening of Price Bids. For details regarding "Methodology for selection of Supplier" refer **Terms & conditions**
3. **Salient Features of Bidding Document:-**

Sl. No.	Details	Timelines/other Particulars
a.	Tender Document Fee (Non-Refundable)	₹ 500/- (Rupees Five Hundred Only) in the form of crossed demand draft in favour of "INCHARGE MEDICAL OFFICER", payable at Simdega should be attached with hard copy of Tender.
b.	Earnest Money Deposit (EMD)	₹ 5000/- (Rupees Five Thousand Only) in the form of crossed demand draft in favour of "INCHARGE MEDICAL OFFICER" payable at Simdega should be attached with hard copy of Tender.
c.	Bid Start Date of Submission	10-07-2026
d.	Last Date and time for submission of Bids	18.07.2026 till 5.00 PM
e.	Opening of Technical Bid-PART A	20.07.2026at 12.30 PM
f.	Opening of Financial Bid-PART B	20.07.2026at 03:30 PM

***Note**:-If any of the cut-off date identified above happens to be holiday, the next working day shall be implied.*
***Details bid document** can be downloaded from the official website of Simdega district i.e.* **www.Simdega.nic.in**

MEDICAL OFFICER INCHARGE THETHAITANGER

PR 384156 (Simdega) 26-27 (D)

कार्यालय, जिला पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा
दो दिवसीय विशेष पशु चिकित्सा शिविर का कार्यक्रम (Camp Schedule) 2026-27

प्रखण्ड : चन्दवारा

क्र0 सं0	पंचायत	शिविर स्थल	दिनांक	प्रतिनियुक्त पदाधिकारी/कर्मचारी का नाम, पदनाम एवं मोबाईल नं0	अभ्युक्ति
1	बेन्दी	पंचायत भवन	09.07.2026 से 10.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री धमेन्द्र कुमार,** कृ0ग0का0, बेन्दी/मोबाईल नं0 – 8252219391	
2	चन्दवारा पूर्वी	पंचायत भवन	11.07.2026 से 13.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री उमेश कुमार यादव,** कृ0ग0का0, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 7763846639	
3	उरवाँ	पंचायत भवन	14.07.2026 से 15.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री मिथलेश कुमार,** कृ0ग0का0, उरवाँ/मोबाईल नं0 – 7091773567	
4	पिपराडीह	पंचायत भवन	17.07.2026 से 18.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री अमरजीत कुमार गिरी,** कृ0ग0का0, पिपराडीह/मोबाईल नं0 – 8873386035	
5	काँको	पंचायत भवन	20.07.2026 से 21.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री मजीद आमल,** कृ0ग0का0, काँको/मोबाईल नं0 – 6203671678	
6	बिरसोडीह	पंचायत भवन	22.07.2026 से 23.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री उमेश कुमार यादव,** कृ0ग0का0, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 7763846639	
7	कांटी	पंचायत भवन	24.07.2026 से 25.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री धमेन्द्र कुमार,** कृ0ग0का0, बेन्दी/मोबाईल नं0 – 8252219391	
8	खांडी	पंचायत भवन	27.07.2026 से 28.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री देवेन्द्र कुमार राम,** कृ0ग0का0, बेन्दी/मोबाईल नं0 – 7491907932	
9	बड़की धमराय	पंचायत भवन	29.07.2026 से 30.07.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री संजीव कुमार यादव,** कृ0ग0का0, बड़की धमराय/मोबाईल नं0 – 6202168013	
10	भोण्डो	पंचायत भवन	21.07.2026 से 01.08.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री देवेन्द्र कुमार राम,** कृ0ग0का0, बेन्दी/मोबाईल नं0 – 7491907932	
11	चन्दवारा पश्चिमी	पंचायत भवन	03.08.2026 से 04.08.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री उमेश कुमार यादव,** कृ0ग0का0, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 7763846639	
12	थाम	पंचायत भवन	05.08.2026 से 06.08.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री अरूण कुमार यादव,** कृ0ग0का0, थाम/मोबाईल नं0 – 9507746341	
13	पथलगढ़ा	पंचायत भवन	07.08.2026 से 08.08.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री संजीव कुमार यादव,** कृ0ग0का0, बड़की धमराय/मोबाईल नं0 – 6202168013	
14	आरागरो	पंचायत भवन	10.08.2026 से 11.08.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री देवेन्द्र कुमार राम,** कृ0ग0का0, बेन्दी/मोबाईल नं0 – 7491907932	
15	मदनगुंडी	पंचायत भवन	12.08.2026 से 13.08.2026 तक	1. **डॉ0 कृष्ण चन्द्र झा,** भ्रमणशील पशुचिकित्सा पदाधिकारी, चन्दवारा–सह–प्रखण्ड नोडल पदाधिकारी, MMPVY, चन्दवारा/मोबाईल नं0 – 9934182005 2. **श्री देवलाल राम,** अनुसेवक, पशुचिकित्सालय चन्दवारा, /मोबाईल नं0 – 9572373532/8578938718 3. **श्री अमरजीत कुमार गिरी,** कृ0ग0का0, पिपराडीह/मोबाईल नं0 – 8873386035	

प्रखण्ड : सतगावाँ

क्र0 सं0	पंचायत	शिविर स्थल	दिनांक	प्रतिनियुक्त पदाधिकारी का नाम, पदनाम एवं मोबाईल नं0	अभ्युक्ति
1	शिवपुर	पंचायत भवन	09.07.2026 से 10.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री अजय कुमार,** कृ0ग0का0, सिहास (शिवपुर)/मोबाईल नं0 – 8002171195	
2	बासोडीह	पंचायत भवन	11.07.2026 से 13.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री रमेश कुमार चौधरी,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 9931342042	
3	राजावर	पंचायत भवन	14.07.2026 से 15.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601	
				2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री मदन सिंह,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 7250309215	
4	माधोपुर	पंचायत भवन	17.07.2026 से 18.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री शंकर देव प्रसाद,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 7070698451	
5	कटैया	पंचायत भवन	20.07.2026 से 21.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री अजय कुमार,** कृ0ग0का0, सिहास (शिवपुर)/मोबाईल नं0 – 8002171195	
6	समलडीह	पंचायत भवन	22.07.2026 से 23.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री रमेश कुमार चौधरी,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 9931342042	
7	अम्बाबाद	पंचायत भवन	24.07.2026 से 25.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री उपेन्द्र मिस्त्री,** कृ0ग0का0, खुट्टा/मोबाईल नं0 – 7070620857	
8	मरचोई	पंचायत भवन	27.07.2026 से 28.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री मदन सिंह,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 7250309215	
9	टेहरो	पंचायत भवन	29.07.2026 से 30.07.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री अजय कुमार,** कृ0ग0का0, सिहास (शिवपुर)/मोबाईल नं0 – 8002171195	
10	ईटाय	पंचायत भवन	21.07.2026 से 01.08.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री संजय पासवान,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 7544059713	
11	नावाडीह	पंचायत भवन	03.08.2026 से 04.08.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री उपेन्द्र मिस्त्री,** कृ0ग0का0, खुट्टा/मोबाईल नं0 – 7070620857	
12	मीरगंज	पंचायत भवन	05.08.2026 से 06.08.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572	
				3. **श्री शंकर देव प्रसाद,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 7070698451	
13	खुट्टा	पंचायत भवन	07.08.2026 से 08.08.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री उपेन्द्र मिस्त्री,** कृ0ग0का0, खुट्टा/मोबाईल नं0 – 7070620857	
14	कोठियार	पंचायत भवन	10.08.2026 से 11.08.2026 तक	1. **डॉ0 अरविन्द कुमार सिंह,** अवर प्रमण्डल पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा–सह–पशुचिकित्सा पदाधिकारी (TVO / BAHO), सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 7903560601 2. **श्री नितिश ठाकुर,** पशुधन सहायक सतगावाँ/मोबाईल नं0 – 9973876572 3. **श्री मदन सिंह,** कृ0ग0का0, बासोडीह/मोबाईल नं0 – 7250309215	

PR 384194 Agriculture,Animal Husbandry And Co-opretive Department(26-27)D — जिला पशुपालन पदाधिकारी, कोडरमा।

गैर-शैक्षणिक दायित्वों के बोझ तले शिक्षा व्यवस्था

किसी भी राष्ट्र की प्रगति और विकास का सबसे महत्वपूर्ण पैमाना उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है। शिक्षा न केवल मनुष्यों के निर्माण का आधार है, बल्कि यह सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक उन्नति का प्रतिबिंब भी होती है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि शिक्षा राष्ट्र की आत्मा होती है। भारत की शिक्षा परंपरा सदियों तक विश्व के लिए प्रेरणा का स्रोत रही है। तक्षशिला, नालंदा, विक्रमशिला और वल्लभी जैसे प्राचीन भारतीय शिक्षा केंद्र केवल ज्ञान के ही नहीं, बल्कि वैश्विक बौद्धिक विमर्श के भी प्रमुख केंद्र थे, जहाँ दुनिया के विभिन्न देशों से विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे, क्योंकि भारतीय शिक्षा व्यवस्था ने हमेशा ज्ञान, नैतिकता, चरित्र-निर्माण तथा मानव एवं विश्व-कल्याण के आदर्शों को प्रतिष्ठित किया है, लेकिन मध्यकाल और विशेषकर औपनिवेशिक काल में भारतीय शिक्षा व्यवस्था को जानबूझकर गंभीर आघात पहुंचाया गया। भारतीय ज्ञान-परंपरा को हानि पहुँचाने के लिए अनेक पारंपरिक शिक्षण संस्थानों को नष्ट किया गया। औपनिवेशिक शासन ने ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित की, जिसमें भारतीय भाषाओं एवं भारतीय ज्ञान-संपदा को कमतर आँकते हुए अंग्रेजी-केंद्रित शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा दिया गया। औपनिवेशिक काल में भारतीय ज्ञान-परंपरा, गुरुकुल व्यवस्था तथा स्वदेशी शिक्षण संस्थानों को जिस सुनियोजित तरीके से कमजोर किया गया, वैसा उदाहरण भारतीय इतिहास के अनेक पूर्ववर्ती कालखंडों में दिखाई नहीं देता। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा के विस्तार के लिए विद्यालयों, महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों की संख्या तो बढ़ी, विभिन्न आयोग भी गठित किए गए, लेकिन शिक्षा के भारतीयकरण, मातृभाषा में शिक्षण एवं भारतीय ज्ञान-परंपरा के पुनर्स्थापन जैसे विषयों पर ठोस और व्यापक परिवर्तन लंबे समय तक दिखाई नहीं दिया। तत्कालीन सरकारें शिक्षा व्यवस्था में अपेक्षित बुनियादी परिवर्तन करने का साहस ही नहीं जुटा सकीं। परिणामस्वरूप, शिक्षा व्यवस्था काफी हद तक उसी ढाँचे में चलती रही, जिसकी नींव औपनिवेशिक काल में रखी गई थी। ऐसे परिदृश्य में स्वतंत्रता के लगभग 73 वर्ष बाद, 2020 में एनईपी 2020 के माध्यम से देश को एक बेहद लचीली, समावेशी, बहुलतावादी, प्रगतिशील, छात्र-केंद्रित एवं भारतीयता से ओत-प्रोत शिक्षा नीति मिली, जिसमें भारतीय ज्ञान-परंपरा और मातृभाषा को केंद्र में रखते हुए छात्रों के सर्वांगीण विकास तथा उन्हें जीवन के लिए तैयार करने पर जोर दिया गया है। शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि स्वतंत्रता के बाद पहली बार किसी नीति में शिक्षा को उसकी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने की ठोस पहल की गई है। इसलिए इसे सही मायनों में स्वतंत्र भारत की पहली भारतीय शिक्षा नीति कहा जा सकता है। लेकिन शिक्षकों पर प्रशासनिक एवं गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन तथा उसके अपेक्षित परिणामों की प्राप्ति में सबसे बड़ी बाधा नजर आ रहा है। महर्षि वशिष्ठ, महर्षि विश्वामित्र, महर्षि सांदीपनि और आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षकों की परंपरा इसलिए महान नहीं बनी कि वे प्रशासनिक औपचारिकताओं में दक्ष थे, बल्कि इसलिए बनी कि वे अपने शिष्यों के व्यक्तित्व-निर्माण में पूर्णतः समर्पित थे। उनके आश्रमों में शिक्षा का केंद्र-बिंदु गुरु और शिष्य का जीवंत संवाद था, लेकिन वर्तमान समय में शिक्षकों की गैर-शैक्षणिक कार्यों में बढ़ती व्यस्तता के कारण यह संवाद निरंतर कम होता जा रहा है, जिससे शिक्षण एवं शोध की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा मंडराने लगा है। निरंतर रिपोर्टिंग, पोर्टल प्रबंधन, डेटा अपलोडिंग, निर्वाचन एवं जनगणना संबंधी कार्य, विभिन्न सरकारी सर्वेक्षण, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, आधार लिंकिंग, मध्यान्ह भोजन योजना का प्रबंधन, बार-बार माँगी जाने वाली सूचनाओं का संकलन, संस्थान स्तर पर विभिन्न समितियों का गठन एवं संचालन, विशिष्ट व्यक्तियों के कार्यक्रमों में व्यस्तता तथा अनेक गैर-शैक्षणिक दायित्वों के कारण शिक्षकों को अपने मूल दायित्व शिक्षण, अध्ययन एवं शोध के लिए पर्याप्त समय नहीं मिल पा रहा है।

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

ललित गर्ग

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और "डिजिटल इंडिया" तथा "विकसित भारत-2047" का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है- साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है।

डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है।

चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता।

साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरूआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है।

डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है।

भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए।

अब दिल्ली के लिए पूर्ण राज्य का दर्जा या नई शासन प्रणाली जरूरी

मनोज कुमार मिश्र

दिल्ली की जनगणना के आरंभिक जानकारी के मुताबिक दिल्ली की आबादी दो करोड़ तीस लाख से ज्यादा हो गई है। माना जा रहा है कि यह आंकड़ा ढाई करोड़ तक पहुंच सकता है। इसके अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) की आबादी इतनी ही और होगी, जिसे दिल्ली की ही विस्तारित आबादी माना जाता है। तमाम प्रयास के बावजूद एनसीआर प्लानिंग बोर्ड दिल्ली पर से आबादी का बोझ घटा नहीं पाया। इसके ठीक उलट एनसीआर की आबादी भी रोजगार, व्यवसाय से ले लेकर उपचार आदि हर काम के लिए दिल्ली पर ही निर्भर है। अभी संयोग से दिल्ली नगर निगम, दिल्ली सरकार से लेकर केन्द्र में भी भाजपा की अगुवाई वाली सरकार है। बावजूद इसके दिल्ली में किसी सरकार के पास पूरे अधिकार नहीं हैं। देश की राजधानी होने के बावजूद दिल्ली आज भी बहुशासन प्रणाली की दंश झेल रही है।

जिस भाजपा के अभियान ने दिल्ली को वापस विधानसभा दिलवाई और नई व्यवस्था के तहत 1993 में हुए पहले विधानसभा चुनाव में जीत कर सरकार बनाई, उसी भाजपा के 2025 के विधानसभा चुनाव के संकल्प पत्र में पहली बार दिल्ली को पूरा (पूर्ण) राज्य बनाने के सवाल पर चुप्पी दिखी। 1483 वर्ग किलोमीटर की दिल्ली में आबादी समाने की एक सीमा है। वह भी तब जब दिल्ली की चुनी हुई सरकार के पास काम करने के पूरे अधिकार न हों। जो अधिकार दिल्ली के उप राज्यपाल के पास हैं कायदे में वही अधिकार दिल्ली सरकार के पास होने चाहिए। इसके अलावा पूरे एनसीआर के लिए नई शासन व्यवस्था पर भी प्राथमिकता से बात होनी चाहिए।

दिल्ली की बहुशासन प्रणाली की परेशानियों को समझने का इससे बढ़िया उदाहरण नहीं हो सकता है। सालों से दिल्ली में रह रहे एक अध्यापक ने सवाल किया कि दिल्ली के एक जनप्रतिनिधि के बारे में बताएं, जो मेरी कालोनी की हर समस्याओं का समाधान करा पाए। वैसे यह सांसद, विधायक या निगम पार्षद में से किसी के लिए यह संभव है, अगर वैधानिक तरीके से कहा जाए तो यह किसी के लिए संभव नहीं है। केन्द्र सरकार के नियंत्रण वाला दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) वैधानिक कालोनी बनाकर उसे एक निश्चित समय के बाद दिल्ली नगर निगम को सौंप देता है। निगम कालोनी की सड़कें ठीक करने, साफ-सफाई आदि का काम तो करा सकती है लेकिन बिजली (दिल्ली विद्युत बोर्ड) और पानी (दिल्ली जल बोर्ड) दिल्ली सरकार के अधीन है। यह काम दिल्ली सरकार करेगी। मुख्य सड़कें लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) यानी दिल्ली सरकार के अधीन ही है।

कानून-व्यवस्था यानी दिल्ली पुलिस, केन्द्र सरकार के अधीन है। देश की राजधानी दिल्ली का वीआईपी इलाका यानी नई दिल्ली नगर पालिका परिषद(एनडीएमसी) और दिल्ली छावनी इलाका सीधे केन्द्र सरकार के अधीन है। इनके अलावा भी अनेक संस्थाएं स्वशासी हैं और उन पर दिल्ली की किसी सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं है। बावजूद इसके अलग-अलग समय में इन संस्थाओं में निर्वाचित प्रतिनिधियों की भागीदारी कराने के लिए जन प्रतिनिधियों को शामिल किए जाने का प्रावधान किया गया है। इन पर नियंत्रण केन्द्र सरकार से नियुक्त नौकरशाहों का ही है।

तकनीकी तौर पर दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश होने के चलते केन्द्र सरकार के प्रतिनिधि के नाते उप राज्यपाल का पद बनाया गया है। बहुशासन प्रणाली में अकसर अधिकारों के लिए टकराव होते रहने पर कुछ साल पहले दोबारा दिल्ली के उप राज्यपाल बने तेजेन्द्र खन्ना ने सालाना प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के मुख्य सचिव, डीडीए उपाध्यक्ष, एनडीएमसी अध्यक्ष, नगर निगम आयुक्त, पुलिस आयुक्त की मौजूदगी को बताते हुए कहा कि दिल्ली में कहां है बहुशासन प्रणाली, सभी तो उनके सामने मौजूद हैं। वास्तविकता यही है कि दिल्ली में आजादी के बाद शासन व्यवस्था पर अब तक प्रयोग ही चल रहा है।

आजादी के बाद पूरी तरह से केन्द्र सरकार के अधीन आयुक्त प्रणाली लागू किया गया। 1952 में कम अधिकारों वाली विधानसभा बनी। उसे 1955 में राज्य पुनर्गठन आयोग ने अनुपयोगी मानकर भंग करने की सिफारिश की। दिल्ली का विकास होने के साथ दिल्ली की प्रशासनिक व्यवस्था बदलती गई। 1957 में दिल्ली नगर निगम बना और निगम के पास ही दिल्ली से जुड़े सर्वाधिक विभाग थे।1966 में महानगर परिषद बनी, उससे निगम के अधिकार कुछ कम हुए।

1989 में महानगर परिषद को भंग करके सरकारिया आयोग और बालाकृष्ण कमेटी की सिफारिशों के अनुरूप 1991 में 69 वें संविधान संशोधन के माध्यम से दिल्ली को सीमित अधिकारों वाली विधानसभा मिली। 1993 में विधानसभा का चुनाव हुए। संविधान तैयार करने वाले नेताओं ने यह तय कर दिया था कि दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश ही रहेगी। विधानसभा बन जाने के बावजूद दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है। इसके चलते राष्ट्रपति इसके शासक हैं और वे अपने प्रतिनिधि(उप राज्यपाल) के माध्यम से दिल्ली का शासन चलाते केन्द्र सरकार उप राज्यपाल 2021 में संसद में संशोधन करके उप राज्यपाल के अधिकार बढ़ा दिए।

वर्ष 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी। 1915 में यमुनापार के 65 गांव दिल्ली की सीमा में शामिल किए गए। तब से दिल्ली 1483 वर्ग किलोमीटर की बनी हुई है, जबकि आबादी काफी बढ़ गई है। पिछले 17 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली-एनसीआर(राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना) को करोड़ों रुपयों की लागत से बनी दो बड़ी सड़कों की सौगात दी और कहा कि आने वाले दिनों में दिल्ली को विकास मॉडल बनाएंगे। इससे पहले भी दिल्ली पर यातायात का दबाव घटाने के लिए मोदी सरकार ने ईस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेस-वे, वेस्टर्न पेरिफेरियल एक्सप्रेस-वे, दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेस-वे और दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस-वे बनवाया। दिल्ली मेट्रो रेल दिल्ली और एनसीआर में 416 किलोमीटर तक बन चुका है। इसके विस्तार का काम जारी है।

दिल्ली मेट्रो से हर रोज यात्रा करने वालों की औसत संख्या पचास लाख से ऊपर है। यह संख्या 70 लाख भी पार कर जाती है। दिल्ली-मेरठ नमो भारत रेल कोरिडोर के बाद दिल्ली- करनाल और दिल्ली- अरवल कोरिडोर बनने वाला है। इनसे यातायात सुगम होने के साथ-साथ इस इलाके का प्रदूषण भी कम होगा। कायदे में जिस रफ्तार से दिल्ली और एनसीआर की राजधानी की आबादी बढ़ रही है, उसमें इसे बचाने और बनाने के लिए नए फैसले लेने होंगे।

दिल्ली की समस्या यह है कि उसका अपना ज्यादा कुछ नहीं है। मौसम भी पड़ोसी राज्यों पर निर्भर है। इतना ही नहीं दिल्ली अपनी जरूरतों को पूरा करने के संसाधनों के लिए भी दूसरे राज्यों पर निर्भर है। 1911 में दिल्ली देश की राजधानी बनी तब दिल्ली की आबादी करीब 2 लाख 38 हजार थी। 1991 में दोबारा विधानसभा बहाल होते समय करीब 94 लाख थी। अब आबादी करीब ढाई करोड़ है और एनसीआर की कुल आबादी की करीब साढ़े चार करोड़ से ज्यादा हो गई है।

एनसीआर की आबादी भी मूल रूप से दिल्ली की आबादी ही है। दिल्ली से बाहर बसने वाले ज्यादातर लोग आज भी दिल्ली से ही जुड़े हुए हैं। उनमें ज्यादातर के कारोबार या नौकरी दिल्ली में ही है। निकट भविष्य में इसमें बदलाव होने की संभावना नहीं दिख रही है। दिल्ली की शासन व्यवस्था कम अधिकारों वाली विधानसभा, नगर निगम, महानगर परिषद से 1993 में विधानसभा बनने तक बदलती रही है। अभी भी दिल्ली केन्द्र शासित प्रदेश है और जमीन और पुलिस केन्द्र सरकार के अधीन है। दिल्ली को विकसित करने की जिम्मेदारी दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को दी गई। 1959 से डीडीए लगातार दिल्ली का मास्टर प्लान बनाती रही है और दिल्ली में लगातार अनधिकृत कालोनी बनती गई। आज हालात ऐसे बन गए कि इन अनधिकृत निर्माण से दिल्ली नियोजित कम और अनियोजित ज्यादा बस गई। वोट और नोट की राजनीति में राजनीतिक दल के नेता भू- माफिया, पुलिस और सरकारी भ्रष्ट कर्मचारियों के सहयोगी बन गए हैं।

दिल्ली पर से आबादी का दबाव घटाने और अब बेकार मानी जाने वाली डीडीए को सहयोग देने के लिए डीडीए की तरह ही केन्द्रीय शहरी विकास मंत्रालय के अधीन एनसीआर बनाने की योजना तो 1962 में ही बनी लेकिन उसका गठन 1985 में हो पाया। केन्द्रीय शहरी विकासमंत्री इसके अध्यक्ष और दिल्ली के उप राज्यपाल के अलावा उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्री इसके सदस्य बनाए गए। एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी इसके सदस्य सचिव होते हैं। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ओमेश सहगल बोर्ड के सदस्य सचिव रहते हुए 1996 में उन्होंने एक मुलाकात में कहा था कि एनसीआर योजना तो फेल हो गई। योजना पर कार्यान्वयन देरी से शुरू हुआ।

1985 में बोर्ड बनने पर 2001 की आबादी को लक्ष्य मानकर 1988 में काम शुरू हुआ तब तक योजना से ज्यादा आबादी हो गई थी।

सूडोकु नवताल- 7848

✶✫✫✫✫ सरल

8	5			3		6	1	
6	7		9		4		2	
2					1			4
	3	9			7			
	6	2		8		4	7	
			6			9	3	
3			5					7
	4		1		6		8	3
	8	5		7			9	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7847 का हल

6	3	7	2	1	5	4	8	9
9	8	4	3	7	6	5	2	1
2	5	1	9	4	8	7	3	6
3	6	8	5	9	7	1	4	2
7	2	9	4	8	1	6	5	3
4	1	5	6	3	2	8	9	7
5	7	6	8	2	9	3	1	4
8	4	2	1	6	3	9	7	5
1	9	3	7	5	4	2	6	8

अडानी प्रकरण भारतीय उद्योग जगत की छवि खराब करने का षड्यंत्र!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

वैश्विक अर्थव्यवस्था में प्रतिस्पर्धा आज महत्वपूर्ण हथियार बन चुकी है। ऐसे समय में यदि किसी तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था के सबसे बड़े औद्योगिक समूह पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गंभीर आरोप लगाए जाते हैं, तो उसका प्रभाव उस कंपनी के साथ ही उस देश पर भी पड़ता है, जहां से उस कंपनी का सीधा संबंध रहता है। ऐसे में पूरे देश की निवेश छवि, वित्तीय विश्वसनीयता और औद्योगिक प्रतिष्ठा पर पड़ता है।

वस्तुतः अडानी समूह से जुड़ा अमेरिकन विवाद भी इसी दृष्टि से देखा जाना चाहिए, क्योंकि हाल के घटनाक्रमों में अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) द्वारा स्वयं अपने मुकदमे के कानूनी आधार, अधिकार-क्षेत्र और साक्ष्यों पर पुनर्विचार करते हुए उसे आगे न बढ़ाने की दलील देना इस बहस को नई दिशा देता है। यह संदेह पैदा होता है कि कहीं यह पूरा प्रकरण सिर्फ इसलिए तो तैयार नहीं किया गया, ताकि भारत की तेजी से उभरती आर्थिक शक्ति की वैश्विक छवि को प्रभावित किया जा सके। आज भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। किंतु यह अनायास नहीं है, पांच ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य हो, आत्मनिर्भर भारत का संकल्प हो या वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनने की दिशा में बढ़ते कदम, गहरायी से देखें तो इन सभी के पीछे देश के बड़े औद्योगिक समूहों का असाधारण योगदान है। ये उद्योग समूह भारत की आर्थिक शक्ति, रोजगार, नवाचार, निर्यात और आधारभूत संरचना के सबसे मजबूत स्तंभ हैं।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में लगभग 11.75 लाख करोड़ रुपये का रिकॉर्ड वार्षिक कारोबार दर्ज किया है। अडानी समूह का समेकित कारोबार लगभग 2.92 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच चुका है। आदित्य बिड़ला समूह का वैश्विक कारोबार 65 अरब डॉलर से अधिक है। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का वार्षिक राजस्व एक लाख करोड़ रुपये से ऊपर है, जबकि टाटा समूह का वैश्विक कारोबार अनेक लाख करोड़ रुपये तक फैला हुआ है। ओ.पी. जिंदल समूह इस्पात, ऊर्जा और अवसंरचना क्षेत्रों में देश की औद्योगिक क्षमता को नई ऊंचाइयों तक पहुंचा रहा है।

इस तरह से अनेक भारतीय कंपनियों के आंकड़े दिए जा सकते हैं। वस्तुतः ये आंकड़े कॉरपोरेट सफलता के प्रतीक होने के साथ ही भारत के लिए उस आर्थिक सामर्थ्य का प्रमाण हैं जिसने उसे विश्व अर्थव्यवस्था में नई पहचान दिलाई है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट के बाद जिस प्रकार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अडानी समूह को लेकर माहौल बनाया गया, उससे भारतीय शेयर बाजार में अस्थायी अस्थिरता आई और वैश्विक निवेशकों के बीच अनेक आशंकाएं पैदा हुईं। इस अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई चर्चाओं ने अडानी समूह के बाजार मूल्य को प्रभावित किया।करोड़ों निवेशकों की पूंजी प्रभावित हुई और भारत के कॉरपोरेट गवर्नेंस पर भी सवाल उठाने का प्रयास किया गया, लेकिन बाद के घटनाक्रमों ने तस्वीर का दूसरा पक्ष भी सामने रखा।

भारतीय नियामक संस्थाओं की जांच, उच्चतम न्यायालय की निगरानी में हुई प्रक्रिया और अब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा अपने ही मुकदमे के आधार पर गंभीर कानूनी प्रश्न उठाना यह संकेत देता है कि प्रारंभिक आरोपों को जिस प्रकार वैश्विक विमर्श का विषय बनाया गया, वह पूरी तरह निर्विवाद नहीं था। जब स्वयं अभियोजन पक्ष अपने मामले की कानूनी मजबूती पर पुनर्विचार करने लगे, तब यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या शुरूआती नैरेटिव ने भारत की औद्योगिक छवि को आवश्यकता से अधिक नुकसान पहुंचाया?

यहां हम सभी को यह भी समझना होगा कि भारत के बड़े उद्योगपति सिर्फ लाभ अर्जित करने वाले कारोबारी नहीं हैं। वे देश के सबसे बड़े रोजगार सृजक, करदाता और निवेशक भी हैं। रिलायंस, टाटा, अडानी, बिड़ला, जिंदल और एचसीएल जैसे समूह प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लाखों लोगों की आजीविका का आधार बने हुए हैं। यही कंपनियां हर वर्ष सरकार को हजारों करोड़ रुपये का कर देती हैं, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य, ग्रामीण विकास, आधारभूत संरचना और सामाजिक कल्याण योजनाओं को गति मिलती है।

देश के बंदरगाह, हवाई अड्डे, राजमार्ग, मेट्रो नेटवर्क, ऊर्जा परियोजनाएं, डिजिटल कनेक्टिविटी, दूरसंचार, हरित ऊर्जा, डेटा सेंटर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य के क्षेत्रों में भी सबसे बड़ा निवेश इन्हीं उद्योग समूहों द्वारा किया जा रहा है। यदि भारत आज वैश्विक सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण केंद्र बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो उसके पीछे इन उद्योगपतियों की दीर्घकालिक निवेश क्षमता और जोखिम उठाने का साहस बहुत अधिक मायने रखता है।

वैश्विक निवेशक किसी एक कंपनी को अलग-थलग करके नहीं देखते। वे पूरे देश की नीतियों, नियामक व्यवस्था और कारोबारी वातावरण का आकलन करते हैं। ऐसे में यदि भारत के सबसे बड़े औद्योगिक समूहों में से किसी एक के विरुद्ध अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नकारात्मक माहौल बनाया जाता है, तो उसका असर विदेशी निवेश, शेयर बाजार, पूंजी प्रवाह और भारत की आर्थिक विश्वसनीयता पर पड़ना स्वाभाविक है।

भारत आज केवल एक विशाल उपभोक्ता बाजार होने के साथ ही विश्व का उभरता हुआ उत्पादन, नवाचार और निवेश केंद्र बन चुका है। हरित ऊर्जा, डिजिटल तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा निर्माण, सेमीकंडक्टर, लॉजिस्टिक्स और आधुनिक अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में भारतीय उद्योग समूह वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

दैनिक पंचांग

7 जुलाई को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

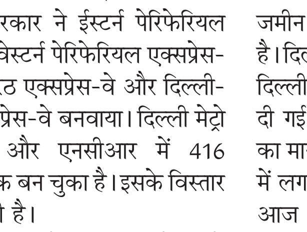

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.06 बजे से
चंद्र	मीन में	सिंह	08.22 बजे से
मंगल	वृष में	कन्या	10.34 बजे से
बुध	कर्क में	तुला	12.45 बजे से
गुरु	कर्क में	वृश्चिक	15.00 ब.से
शुक्र	सिंह में	धनु	17.16 बजे से
शनि	मीन में	मकर	19.21 बजे से
राहु	कुंभ में	कुंभ	21.07 बजे से
केतु	सिंह में	मीन	22.40 बजे से
राहुकाल		मेष	00.11 बजे से
3.00 से 4.30		वृष	01.51 बजे से
बजे तक		मिथुन	03.49 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 188 वा दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** सप्तमी 13.25 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 16.24 बजे को समाप्त। **योग** शोभन 14.31 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.25 बजे तदनन्तर बालव 00.59 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 21.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 22° 36' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872763 **जूलियन दिन** 2461228.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 21 **विशेष** मासिक कृष्ण जन्माष्टमी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

मिशन अस्पताल के पास बोलेरो पिकअप और टोटो में भीषण टक्कर, बड़ा हादसा टला

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के हिरणपुर स्थित संत लुक्स मिशन अस्पताल के समीप सोमवार को बोलेरो पिकअप और टोटो के बीच हुई जोरदार टक्कर से इलाके में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी मच गई। हादसा इतना जबरदस्त था कि टक्कर की आवाज सुनकर आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। हालांकि राहत की बात यह रही कि दुर्घटना में कोई जनहानि नहीं हुई और न ही किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बोलेरो पिकअप और टोटो की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर के कारण दोनों वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई और कुछ समय के लिए सड़क पर आवागमन भी प्रभावित रहा। सूचना मिलते ही हिरणपुर थाना प्रभारी विनय कुमार पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर दोनों क्षतिग्रस्त वाहनों को अपने कब्जे में लेकर थाना भेज दिया। साथ ही दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर यह दुर्घटना हुई, वहां दिनभर वाहनों की आवाजाही बनी रहती है। समय रहते बड़ा हादसा टल जाने से लोगों ने राहत की सांस ली। पुलिस मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

एसडीओ ने एसआईआर कार्य में लापरवाही को लेकर कार्रवाई की दी चेतावनी

साहिबगंज: निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी 02 बोरियो (अ.ज.जा.) विधानसभा सह अनुमण्डल पदाधिकारी अमर जॉन आईंद ने डीइओ एवं डीएसई को पत्र लिख कर एसआईआर कार्य में बीएलओ के सहयोग के लिए वॉलंटियरस के रूप में प्रतिनियुक्त शिक्षकों को एसआईआर कार्य कड़ाई से अनुपालन का निर्देश दिया है। एसडीओ ने अपने पत्र में लिखा है कि उन्हें क्षेत्र भ्रमण के दौरान शिकायत मिली है कि बीएलओ एवं बीएलओ पर्यवेक्षक सहित निर्वाचन कार्य हेतु प्रतिनियुक्त शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा कार्य में लापरवाही बरती जा रही है। एसडीओ ने चेतावनी दी है कि लापरवाही बरतने पर वॉलंटियरस के विरुद्ध लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 की धारा 32 के तहत दण्डात्मक कार्रवाई हेतु जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीसी को अनुशंसा की जाएगी।

सिविल सर्जन द्वारा विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य कर्मियों को किया गया जागरूक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सिविल सर्जन, साहिबगंज द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता एवं विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मंडरो में सुबह 07:00 बजे से 12:00 बजे तक व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, सहिया, सहिया साथी, एमपीडब्ल्यू, चिकित्सक, जीएनएम, बीपीएम, बीडीएम, डाटा एंट्री ऑपरेटर एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे। समीक्षा बैठक के दौरान सिविल सर्जन द्वारा स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों एवं प्रमुख स्वास्थ्य सूचकांकों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। बैठक में गर्भवती महिलाओं की समय पर एएनसी जांच, पीएमएसएमए, जेएसएसके, जेएसवाई, संस्थागत प्रसव, प्रसवोत्तर देखभाल, नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, कुपोषित बच्चों के प्रबंधन, नियमित टीकाकरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, गैर-संचारी रोग सहित अन्य कार्यक्रमों की उपलब्धियों एवं कमियों पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त मलेरिया, डेंगू, फाइलेरिया, डायरिया एवं अन्य मौसमी एवं संचारी रोगों की समीक्षा करते हुए सिविल सर्जन ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को अपने-अपने कार्यक्षेत्र में सतर्क एवं सक्रिय निगरानी बनाए रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बुखार के प्रत्येक संदिग्ध मरीज की तत्काल आरडीटी से जांच सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी संचारी रोग के संभावित प्रकोप को प्रारंभिक स्तर पर ही नियंत्रित करने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जाए। विश्व जूनोसिस दिवस के अवसर पर सिविल सर्जन ने जूनोसिस (पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले रोग) के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि रेबीज, ब्रुसेलोसिस, एंथ्रेक्स, लेप्टोस्पायरोसिस, बर्ड फ्लू एवं अन्य जूनोटिक रोगों की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग एवं पशुपालन विभाग के बीच समन्वय अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी स्वास्थ्य कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्र में लोगों को इन रोगों के प्रति जागरूक करने, पशुओं के काटने की स्थिति में तत्काल स्वास्थ्य संस्थान में उपचार हेतु प्रेरित करने तथा संचारी रोगों की समय पर सूचना एवं निगरानी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में सहिया एवं सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारियों को मिलने वाले प्रोत्साहन, उनकी कार्य प्रगति एवं रिपोर्टिंग व्यवस्था पर भी विस्तार से चर्चा की गई तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। सिविल सर्जन ने निर्देश दिया कि जिन स्वास्थ्य संकेतकों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है, उनमें युद्धस्तर पर सुधार लाया जाए, ताकि जिले के समग्र स्वास्थ्य सूचकांकों में आगामी माह में उल्लेखनीय सुधार हो सके। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति में लापरवाही पाए जाने पर संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बैठक के अंत में सिविल सर्जन ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों से टीम भावना के साथ कार्य करते हुए गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने तथा जिला साहिबगंज के स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर सुधार लाने हेतु पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में चिकित्सा पदाधिकारी डॉ मुकेश कुमार, सहित अन्य स्वास्थ्य कर्मियों ने बैठक में भाग लिया तथा विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए।

गया-हावड़ा एक्सप्रेस में महिला सब इंस्पेक्टर और परिवार से मारपीट, आरक्षित सीट विवाद में बवाल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बरहरवा थाना में पदस्थापित महिला सब इंस्पेक्टर पूजा कुमारी, उनके पति हरिओम कुमार और उनके छोटे बच्चे के साथ गया-हावड़ा एक्सप्रेस में कथित मारपीट का मामला प्रकाश में आया है। घटना आरक्षित सीट पर कब्जे को लेकर हुए विवाद के बाद हुई। आरोप है कि कुछ युवकों ने पहले उनकी सीट पर बैठने का प्रयास किया और विरोध करने पर अपने अन्य साथियों को बुलाकर दंपती और उनके बच्चे के साथ मारपीट की। मामले में पीड़िता महिला एसआई ने जीआरपी में प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसके बाद जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार, पूजा कुमारी की तैनाती साहिबगंज जिले के बरहरवा थाना में है। उन्हें 6 जुलाई को अपनी ड्यूटी ज्वाइन करनी थी। इसी कारण वह अपने पति हरिओम कुमार और बच्चे के साथ गया-हावड़ा एक्सप्रेस से बरहरवा लौट रही थीं। हरिओम कुमार भी झारखंड पुलिस की स्पेशल ब्रांच में सब इंस्पेक्टर के पद पर कार्यरत हैं। परिवार के पास ट्रेन में यात्रा के लिए विधिवत आरक्षित टिकट था और वे अपनी निर्धारित सीट पर बैठे हुए थे। बताया जा रहा है कि नवादा स्टेशन के पास कुछ युवक उनकी आरक्षित सीट पर आकर बैठ गए। जब पूजा कुमारी और उनके पति ने युवकों से सीट खाली करने का अनुरोध किया और अपना आरक्षण दिखाया, तो इसे लेकर कहासुनी शुरू हो गई।

जापानी इंसेफेलाइटिस एवं वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम को लेकर उन्मुखीकरण प्रशिक्षण आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले में जापानी इंसेफेलाइटिस एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम, नियंत्रण और प्रभावी प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से सोमवार को सदर अस्पताल, पाकुड़ के सभागार में एक दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. एस. के. मिश्रा ने की तथा जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार की उपस्थिति में प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सिविल सर्जन डॉ. एस. के. मिश्रा ने कहा कि जापानी इंसेफेलाइटिस सहित सभी वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम के लिए समय पर पहचान, शीघ्र उपचार, प्रभावी निगरानी तथा व्यापक जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मानसून के मौसम में इन रोगों के प्रसार की संभावना बढ़ जाती है, इसलिए सभी स्वास्थ्यकर्मी क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतते हुए निगरानी, सर्विलांस एवं नियंत्रण गतिविधियों को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ संचालित करें। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिकता प्रत्येक संभावित मरीज तक समय पर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना तथा किसी भी स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटना है। जिला वेक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ. अमित कुमार ने प्रशिक्षण के दौरान जापानी इंसेफेलाइटिस के संक्रमण, लक्षण, बचाव, उपचार, रोग निगरानी एवं नियंत्रण उपायों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जिले में कालाजार, मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया एवं अन्य वेक्टर जनित रोगों की वर्तमान स्थिति की समीक्षा करते हुए सक्रिय रोगी खोज, समय पर जांच, गुणवत्तापूर्ण उपचार, प्रभावी वेक्टर नियंत्रण गतिविधियों तथा सामुदायिक सहभागिता को और अधिक सुदृढ़ करने पर विशेष बल दिया।

साहिबगंज नगर परिषद बैठक में बड़ा विवाद ईओ के खिलाफ एकजुट हुए 28 वार्ड पार्षद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : साहिबगंज नगर परिषद की बोर्ड बैठक सोमवार को उस समय विवादों में घिर गई, जब नगर परिषद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष तथा सभी 28 वार्ड पार्षदों ने सामूहिक रूप से बैठक का बहिष्कार कर दिया। जनप्रतिनिधियों ने कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) पर मनमानी, विकास योजनाओं में अनावश्यक अड़ंगा लगाने और जनहित से जुड़े कार्यों की लगातार अनदेखी करने का गंभीर आरोप लगाया। अध्यक्ष एवं वार्ड पार्षदों का कहना था कि नगर परिषद में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा की जा रही है। विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में सहयोग करने के बजाय कार्यपालक पदाधिकारी बाधाएं उत्पन्न कर रहे हैं, जिससे शहर के विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं और आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बैठक का बहिष्कार करते हुए जनप्रतिनिधियों ने कहा कि कई बार समस्याओं से अवगत कराने के बावजूद कार्यशैली में कोई सुधार नहीं हुआ। उनका आरोप है कि महत्वपूर्ण निर्णयों में जनप्रतिनिधियों की राय को नजरअंदाज किया जा रहा है और नगर परिषद का कार्य सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पा रहा है। सभी पार्षदों ने एक स्वर में कार्यपालक पदाधिकारी के स्थानांतरण की मांग उठाई और कहा कि जब तक नगर परिषद में समन्वयपूर्ण वातावरण नहीं बनेगा, तब तक विकास कार्य प्रभावित होते रहेंगे। उन्होंने उच्च अधिकारियों से पूरे मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। वहीं, कार्यपालक पदाधिकारी ने अपने ऊपर लगाए गए सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें बेबुनियाद बताया।

स्टेशन के आधुनिकीकरण की मांग तेज, 17 सूत्री मांगपत्र में यात्री सुविधाओं के विस्तार पर जोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने साहिबगंज स्टेशन के आधुनिकीकरण और यात्री सुविधाओं के विस्तार को लेकर पूर्व रेलवे के मालदा मंडल को एक विस्तृत मांगपत्र सौंपा गया है। दस्तावेज में साहिबगंज जंक्शन से जुड़ी वर्षों पुरानी समस्याओं को 17 बिंदुओं में रखा गया है। मांगपत्र के अनुसार साहिबगंज स्टेशन पर वर्षों से लंबित 24 कोच क्षमता वाले वाशिंग पिट का निर्माण सबसे पहली मांग है, साथ ही प्लेटफॉर्म संख्या 2 पर यात्री शेड का विस्तार और सीढ़ी तोड़े जाने के बाद बुजुर्गों व महिलाओं को हो रही परेशानी को देखते हुए एस्केलेटर को अविलंब चालू करने की मांग की गई है। रेल सुविधाओं को लेकर प्रमुख मांगें इस प्रकार हैं

ट्रेनों में सुविधा विस्तार -

13428/13427 साहिबगंज-हावड़ा इंटरसिटी एक्सप्रेस में एसी चेयर कार और एसी थ्री टियर कोच जोड़ना, जो हावड़ा-साहिबगंज के बीच प्रतिदिन चलती है और साहिबगंज से सुबह 05:20 बजे खुलती है। यात्रियों की यह वर्षों पुरानी मांग रही है। 13404/13403 वनांचल एक्सप्रेस जो भागलपुर-रांची के बीच चलती है, के ठहराव और कोच संरचना में सुधार। 13419/13420 भागलपुर-मुजफ्फरपुर जनसेवा एक्सप्रेस का परिचालन साहिबगंज से शुरू करने की मांग। अन्य ट्रेनें - 18186/18187, 13133/13134, 03026/03030 और 22327/28 जैसी ट्रेनों का साहिबगंज में ठहराव, फरक्का एक्सप्रेस का परिचालन पूर्व की भांति मालदा से करने और साहिबगंज से पटना-वाराणसी के लिए सुबह में नई ट्रेन देने की मांग भी पत्र में शामिल है।

विनोदपुर की सरकारी अनावादी भूमि पर घेराबंदी व निर्माण के प्रयास का आरोप, जांच के बाद कार्यवाही का आश्वासन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : बरहरवा प्रखंड अंतर्गत मौजा विनोदपुर की सरकारी अनावादी भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला सामने आने के बाद ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। सरकारी जमीन पर कब्जा करने और घर निर्माण का प्रयास किए जाने का आरोप लगाते हुए दर्जनों ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन अंचल कार्यालय, बरहरवा में सौंपकर तत्काल कार्यवाही कर उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते प्रशासन ने हस्तक्षेप नहीं किया तो सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा स्थायी रूप ले सकता है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए आवेदन के अनुसार मौजा विनोदपुर, जमाबंदी संख्या 274, दाग संख्या-1001 एवं 1023, कुल 5 बीघा 4 कट्ठा भूमि सरकारी अनावादी जमीन है। ग्रामीणों ने बताया कि पूर्व में अंचल कार्यालय द्वारा उक्त भूमि का विधिवत सीमांकन कराया गया था। सीमांकन के बाद वहां सरकारी बोर्ड भी लगाया गया था, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि जमीन सरकारी है और इस पर किसी प्रकार का निजी कब्जा या निर्माण पूरी तरह प्रतिबंधित है। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि 2 जुलाई 2026 को सुबह लगभग 10 बजे गांव के जलालुद्दीन शेख एवं उनके पुत्र हसनात शेख, दोनों निवासी विनोदपुर, ने उक्त सरकारी जमीन पर बांस-बत्ती लगाकर घेराबंदी शुरू कर दी। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बाद वहां मकान निर्माण की तैयारी भी शुरू कर दी गई। घटना की जानकारी मिलते ही गांव के बापन कुनाई, सुमांतो दास, छोटू कुनाई, नन्टु कुनाई, गोविंदो कुनाई, हबीबुर रहमान, अजमल हुसैन सहित कई ग्रामीण मौके पर पहुंचे और निर्माण कार्य का विरोध किया। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने आरोपितों को बताया कि यह सरकारी भूमि है तथा गांव के लोग भविष्य में इसी स्थान पर सरकारी विद्यालय की स्थापना कराने की मांग करने वाले हैं। इसलिए इस भूमि पर किसी भी व्यक्ति द्वारा निजी कब्जा या निर्माण स्वीकार नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने आवेदन में यह भी आरोप लगाया है कि विरोध करने पर आरोपितों ने उनके साथ कथित रूप से हाथापाई की तथा घेराबंदी का कार्य जारी रखा। इतना ही नहीं, आरोपितों ने कथित रूप से अपनी पहुंच का हवाला देते हुए ग्रामीणों को धमकी भी दी और निर्माण कार्य नहीं रोकने की बात कही। घटना के बाद गांव के दर्जनों लोग एकजुट होकर बरहरवा अंचल कार्यालय पहुंचे और अंचल निरीक्षक (सीआई) जितेंद्र टुडू को पूरे मामले की जानकारी दी। ग्रामीणों ने हस्ताक्षरयुक्त आवेदन सौंपते हुए मांग की कि सरकारी भूमि को तत्काल अतिक्रमण से मुक्त कराया जाए तथा दोषी व्यक्तियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में कोई भी सरकारी संपत्ति पर अवैध कब्जा करने का प्रयास न कर सके। ग्रामीणों ने प्रशासन से यह भी मांग की कि संबंधित भूमि का पुनः निरीक्षण कर सीमांकन की पुष्टि की जाए तथा सरकारी बोर्ड की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

संक्षिप्त खबरें

हसन अंसारी के पुनर्नियुक्ति पर जेएलकेएम कार्यकर्ताओं में उत्साह, देवपुर चौक पर मनाया जश्न

हिरणपुर : पाकुड़ जिले के झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय नेतृत्व द्वारा हसन अंसारी को पुनः जिला अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर हिरणपुर प्रखंड की घाघराजानी पंचायत स्थित देवपुर चौक पर कार्यकर्ताओं ने अबीर-गुलाल उड़ाकर और एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने कहा कि हसन अंसारी को दोबारा जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपना उनके संगठनात्मक कौशल, सक्रियता और जनहित के प्रति समर्पण का सम्मान है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में जेएलकेएम जिले में और अधिक मजबूत होगा तथा गांव-गांव तक संगठन का विस्तार करते हुए आम लोगों की समस्याओं को मजबूती से उठाएगा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह निर्णय संगठन को नई दिशा और कार्यकर्ताओं को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। उन्होंने संकल्प लिया कि जिला अध्यक्ष हसन अंसारी के नेतृत्व में पार्टी की नीतियों और जनसरोकारों को लेकर प्रत्येक पंचायत और गांव तक पहुंचेंगे तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए पूरी निष्ठा के साथ कार्य करेंगे। जश्न के दौरान कार्यकर्ताओं ने हसन अंसारी के समर्थन में नारे लगाए और उनके सफल नेतृत्व की कामना करते हुए उन्हें पुनर्नियुक्ति की बधाई दी।

पेंशन फजीवाड़ा मामले में पंचकठिया के एक और बिचौलिया को भेजा जेल

साहिबगंज: जिले के बरहेट प्रखंड क्षेत्र में हुई कथित रूप से पेंशन फजीवाड़ा मामला में पुलिस ने छापामारी तेज कर दिया है। वही इस फजीवाड़ा से जुड़े तार हर उस व्यक्ति तक पहुंचने का दावा पुलिस ने किया है। इसी मामले में बरहेट थाना क्षेत्र के एक बिचौलिया पंचकठिया निवासी धनेशवर साह को रविवार को देर रात्रि पुलिस ने उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। मामले से जुड़ी आवश्यक पूछताछ के बाद सोमवार को न्यायिक हिरासत साहेबगंज भेज दिया है। पेंशन फजीवाड़ा मामला में बरहेट से अब तक तीन बिचौलिया पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है और आगे भी कई बिचौलियों की गिरफ्तारी जल्दी करने का दावा किया है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार धनेशवर साह पेंशन फजीवाड़ा में अपात्र लाभुकों को लाभ दिलाने के काम करता था इसके अलावा वो फिनौ बैंक का संचालक भी था।

आदर्श हत्याकांड के मुख्य आरोपी अंशु ने किया सरेंडर

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के चर्चित आदर्श उर्फ कुक्कू हत्याकांड के मुख्य आरोपी अंशु कुमार सिन्हा ने सोमवार को न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस को इसकी भनक लगने पर कोर्ट परिसर सहित शहर के प्रमुख चौक-चौराहों पर कड़ी निगरानी और जांच अभियान चलाया गया लेकिन अंशु पुलिस को चकमा देकर कोर्ट पहुंचने में सफल रहा। गौरतलब है कि 2 जुलाई की रात बंगाली टोला स्थित तिलकधारी कुआं चौक के समीप अज्ञात हमलावरों ने आदर्श उर्फ कुक्कू को गोली मार दी थी। इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मामले में मृतक के चाचा संतोष कुमार के बयान पर नगर थाना में कांड संख्या 116/26 दर्ज कर कई लोगों को नामजद आरोपी बनाया गया है। पुलिस की एसआईटी इस मामले में पहले ही सोम कुमार, सुजल कुमार और सुशांत कुमार को गिरफ्तार कर चुकी है। वहीं पुलिस की दबिश के बाद सत्यम आर्य और बादल कुमार ने पूर्व में न्यायालय में आत्मसमर्पण किया था। अंशु के सरेंडर के साथ ही अब तक इस मामले में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी और तीन आरोपियों का आत्मसमर्पण हो चुका है जबकि अन्य आरोपितों की तलाश में पुलिस लगातार छापेमारी कर रही है।

वारंटी के खिलाफ इश्तेहार का विधिवत तामिला न्यायालय के आदेश पर पुलिस की कार्रवाई

बरही : बरही थाना कांड संख्या 105/26, दिनांक 21/03/2026, धारा 87 बीएनएस के प्राथमिकी अभियुक्त मो0 सोहेल, पिता राजन अंसारी, पता आजाद मोहल्ला, कोनरा, थाना बरही, जिला हजारीबाग के विरुद्ध माननीय अनुमंडल न्यायिक दंडाधिकारी, हजारीबाग से निर्गत इश्तेहार को विधिवत दो साक्षियों के समक्ष तामिला किया गया।

उपायुक्त ने किया बोड़ाम प्रखंड का दौरा जर्जर भवन पर दिखाया नाराजगी

पटमदा: पूर्वी सिंहभूम उपायुक्त राजीव रंजन ने सोमवार को बोड़ाम प्रखंड कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान ब्लॉक मुख्यालय पहुंचकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में जर्जर भवन की स्थिति को देखते हुए नाराजगी व्यक्त किया। छत से टपक रहे पानी को देखते हुए छत का निरीक्षण कर बीडीओ किकू महतो को जल्द से जल्द छत के जल जमाव की सफाई करवाने का निर्देश दिया। वही भवन के अन्दर बने शौचालय से आ रही बदबू और गंदगी पर भी नाराजगी जाहिर करते हुए सफाई करवाने का आदेश दिया। वही भवन के आसपास की सफाई का भी आदेश दिया। उन्होंने बीडीओ और सीओ से चल रहे एस आई आर कार्यक्रम के विषय में जानकारी ली। वही बीडीओ को वित्तीय राशि की जानकारी मांगी।बाल विकास पदाधिकारी के कार्यालय में पदस्थापित सुपर वाइजर से क्षेत्र भ्रमण के विषय में पूछताछ की। सुपर वाइजर बासंती टुडू से क्षेत्र भ्रमण की जानकारी पूछने पर संतोष जनक जवाब नहीं मिलने पर शोकॉज जारी किया। ब्लॉक परिसर पर वाहनों की अधिक संख्या देखते हुए सभी अधिकारियों को मुख्यालय में रहना सुनिश्चित करने का आदेश दिया।सभी कर्मचारियों का बायोमेट्रिक हाजरी का भी रिकॉर्ड मंगवाया।वही कई विषयों पर भी गंभीर चर्चा करते हुए बीडीओ को सुधार लाने का निर्देश दिया। प्रखंड संचालन में मॉनिटरिंग की कमी होने की बात कही। अंचलाधिकारी सह प्रभारी सीडीपीओ रंजीत रंजन को बाल विकास परियोजना विभाग को विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। कार्यालय के नजारत के दस्तावेज निरीक्षण के दौरान लेखा जोखा और हिसाब को सही पाया। इस दौरान दौरे में उपायुक्त राजीव रंजन, अपर उपायुक्तअनुराग तिवारी,बीडीओ किकू महतो, सीओ रंजीत रंजन, एई सुमित कुमार सहित कई कर्मचारी उपस्थित थे।

एक नजर

19 वीं डीसी मेमोरियल आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट 2 अगस्त से

बोकारो : रॉयल फुटबॉल क्लब की से आयोजित 19 वीं डीसी मेमोरियल आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट 2 अगस्त से खेला जाएगा। इसकी जानकारी टूनार्मेंट के आयोजन सचिव अनिल कुमार ने दी। बताया कि प्लस टू उच्च विद्यालय सेक्टर 8 ए के मैदान में नॉकआउट के आधार पर खेले जाने वाले इस टूनार्मेंट में झारखंड एवं अन्य राज्यों के कुल 16 टीमें भाग ले रही हैं। प्रत्येक मैच में मैन ऑफ द मैच एवं टूनार्मेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को आकर्षक पुरस्कार दिए जाएंगे। टूनार्मेंट की विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी के साथ कैश मनी अवार्ड भी दिए जाएंगे।

विस्थापित परिवारों के छात्र-छात्राओं को मिलेगी बिरसा मुंडा छात्रवृत्ति

बोकारो : इस्पात संयंत्र द्वारा विस्थापित परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक सत्र 2026–28 हेतु बिरसा मुंडा छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह छात्रवृत्ति उन विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने वर्ष 2026 में मैट्रिक परीक्षा उत्तीर्ण की है तथा शैक्षणिक सत्र 2026–28 में किसी मान्यता प्राप्त महाविद्यालय अथवा विश्वविद्यालय में +2 पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट में नामांकन प्राप्त किया है। योजना के अंतर्गत +2 पाठ्यक्रम/इंटरमीडिएट के प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को ?500 प्रति माह तथा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों को ?750 प्रति माह की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। यह सुविधा अधिकतम दो वर्षों तक देय होगी। छात्रवृत्ति का चयन पूर्णत: योग्यता (मेरिट) के आधार पर किया जाएगा तथा कुल 25 विद्यार्थियों को इसका लाभ मिलेगा। यह योजना केवल विस्थापित परिवारों के वैध/सौतेले संतानों के लिए लागू होगी। साथ ही, ऐसे छात्र जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2026–28 से पूर्व किसी अन्य सत्र में इस पाठ्यक्रम में नामांकन लिया है, वे इस योजना के पात्र नहीं होंगे।

रोटरी वर्ष 2026-27 का शुभारंभ

बोकारो : रोटरी क्लब ऑफ बोकारो स्टील सिटी ने नए रोटरी वर्ष 2026झ27 का शुभारंभ एक सार्थक सेवा कार्य के साथ किया, जिसके उपरांत क्लब का 58वाँ इंस्टॉलेशन समारोह भव्य रूप से आयोजित किया गया।

दिन की शुरूआत क्लब के गोद लिए हुए गाँव उलगोड़ा में मुस्कान हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सहयोग से आयोजित सर्वाइकल कैंसर (एचपीवी) टीकाकरण अभियान से हुई। रोटेरियन डॉ. एस. सी. मुंशी एवं उनकी पुत्री डॉ. रोली ने 31 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन की पहली डोज लगाई। बालिकाओं ने इस अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम अत्यंत सफल रहा।

सायंकाल क्लब का 58वाँ इंस्टॉलेशन समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व रोटरी इंटरनेशनल डायरेक्टर रोटेरियन कमल संघवी थे, जो एक प्रख्यात रोटेरियन एवं प्रेरक वक्ता हैं।

चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की पुस्तक परिक्रमा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) द्वारा संचालित 'बिहारझझारखंड पुस्तक परिक्रमा' के अंतर्गत 'लाइब्रेरी ऑन व्हील्स मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनी जारी है। ये बसें विभिन्न राज्यों और जिलों में यात्रा करके मोबाइल पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन करती हैं, जिससे स्कूलों, कॉलेजों और सार्वजनिक स्थानों पर सीधे तौर पर पढ़ने की आदत को बढ़ावा मिलता है। इसे पुस्तक परिक्रमा के नाम से भी जाना जाता है। सोमवार, 6 जुलाई को ये खास बस चिन्मय विद्यालय बोकारो पहुंची। यहां कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने इस पुस्तक प्रदर्शनी को देखा और अपने रुचि के अनुसार किताबें खरीदी। बस का उद्घाटन फीता काटकर विद्यालय सचिव श्री महेश त्रिपाठी ने किया। इस दौरान वरीय उप प्राचार्य श्री नरमेंद्र कुमार एवं उप प्राचार्य डॉ. रोशन शर्मा मौजूद रहे। साथ ही, विद्यालय पुस्तकालय विभाग के पंकज कुमार मिश्रा और आशुतोष कुमार चौबे भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों ने कतारबद्ध होकर बस का भ्रमण किया। उनकी रुचि के अनुसार अलग - अलग वर्ग एवं श्रेणी के पुस्तक प्रदर्शित किए गए। इस लाइब्रेरी ऑन व्हील्स में विषयों के अनुसार, जैसे इतिहास, भूगोल, सामाजिक शास्त्र, साहित्य के अनुसार, जैसे अंग्रेजी, उर्दू एवं हिन्दी, काल्पनिक पुस्तकें, नॉन-फिक्शन पुस्तकें, आदि कई विभिन्न प्रकार की पुस्तकें प्रदर्शित की गई। भ्रमण के दौरान कई विद्यार्थियों ने पुस्तकें खरीदी भी और अपने साथियों एवं परिवार को भी इसके लिए प्रेरित करने की बात कही।

सचिव श्री महेश त्रिपाठी ने कहा कि पुस्तक विद्यार्थी जीवन का मूल आधार होता है। विभिन्न विषयों के किताब पढ़ने से केवल ज्ञान वृद्धि नहीं होती, बल्कि बुद्धि, समझ एवं दृष्टिकोण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को इसका भ्रमण करने के लिए एवं किताबें खरीदने और पढ़ने के लिए प्रेरित किया।

प्राचार्य श्री सूरज शर्मा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन के सच्चे साथी किताब ही होते हैं। पुस्तकें ही भविष्य संवारती हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों की उत्सुकता एवं किताबों के प्रति रुचि को देखते हुए इस लाइब्रेरी ऑन व्हील्स को मंगलवार, 7 जुलाई को भी चिन्मय विद्यालय बोकारो में लगाने का निर्णय लिया गया।

बोकारो में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती मनाई गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बोकारो नगर के तत्वावधान में भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी एवं महान शिक्षाविद डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की 125वीं जयंती गरिमामय ढंग से मनाई गई। सेक्टर 1/बी स्थित सूर्य सरोवर पर आयोजित मुख्य कार्यक्रम भाजपा बोकारो नगर अध्यक्ष विशाल गौतम की गरिमामयी अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित नेताओं और कार्यकताओं ने डॉ. मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए भाजपा नगर अध्यक्ष विशाल गौतम ने कहा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का आदर्श जीवन और उनके विचार हमें सदैव राष्ट्रसेवा तथा अखंड भारत के संकल्प की प्रेरणा देते रहेंगे। देश की एकता और अखंडता के लिए उनका बलिदान कभी भुलाया नहीं जा सकता। आज हम सभी उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराते हैं। इस गौरवपूर्ण अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित निवर्तमान विधायक श्री बिरंची नारायण ने डॉ. मुखर्जी के योगदान को याद करते हुए उनके राष्ट्रव्यापी विजन पर प्रकाश डाला। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नगर महामंत्री अमित कुमार, लालबाबू सिंह, राज रंजन, मनोज झा, बबलू पांडेय, युवा मोर्चा के महामंत्री लालबाबू कुमार, ज्ञानचंद साहू, रहा कुमार, कुश कुमार, राकेश कुमार, शंकर त्रिपाठी, दयानंद त्रिपाठी, अतुल सिंह, लक्ष्य कुमार सहित भाजपा बोकारो के समस्त सम्मानित पदाधिकारी एवं देवतुल्य कार्यकर्ता भारी संख्या में उपस्थित रहे।

51 लीटर गंगाजल के साथ चौथी बार पैदल कांवर यात्रा पर निकले विराट सिंह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : गिरिडीह जिले के सरिया निवासी विराट सिंह लगातार चौथे वर्ष अटूट आस्था, श्रद्धा और संकल्प के साथ अपनी कांवर यात्रा पर निकल चुके हैं। सावन के पावन सोमवार को उन्होंने सरिया के प्रसिद्ध उत्तरवाहिनी राजदाह धाम में भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद, 51 लीटर गंगाजल के साथ अपनी कठिन पदयात्रा का शुभारंभ किया। विराट सिंह की यह यात्रा बेहद अनूठी और कठिन है। वे सबसे पहले सुल्तानगंज स्थित बाबा बासुकीनाथ मंदिर में जलाभिषेक करेंगे। इसके पश्चात, वे पुनः 51 लीटर गंगाजल उठाएंगे और पैदल चलकर बाबा बैद्यनाथ धाम (देवघर) में भगवान शिव पर जलार्पण करेंगे।यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व राजदाह धाम ट्रस्ट के सदस्यों द्वारा विराट सिंह को अंगवस्त्र, माला एवं फल भेंट कर सम्मानपूर्वक विदा किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में शिवभक्तों ने जयकारों के साथ उन्हें शुभकामनाएं दीं। लगातार चौथी बार सरिया राजदाह धाम से बाबा नगरी तक 51 लीटर गंगाजल लेकर पैदल यात्रा पर निकलना पूरे सरिया क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। विराट सिंह भगवान भोलेनाथ से सरिया के सर्वांगीण विकास तथा समस्त शिवभक्तों के सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

अपनी इस यात्रा के उद्देश्यों को साझा करते हुए विराट सिंह ने बताया कि सावन के सोमवार को जल उठाने का अवसर मिलना भगवान शिव की विशेष कृपा है। उन्होंने कहा कि रास्ते में मिलने वाले श्रद्धालुओं का स्नेह ही उन्हें हर वर्ष इस यात्रा को पूरा करने की प्रेरणा देता है।

धार्मिक आस्था के साथ-साथ इस यात्रा का एक बड़ा सामाजिक और सांस्कृतिक संदेश भी है। विराट सिंह ने कहा समाज में लोग अक्सर अपनी पहचान जाति या उपनाम से बताते हैं, जबकि सबसे पहले स्वयं को हिंदू और सनातनी के रूप में पहचानना चाहिए। हम हिंदुत्व का दीप जलाकर पूरे देश में प्रकाश फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, ताकि लोग जातियों में बंटने के बजाय एक होकर हिंदू कहलाने में गर्व महसूस करें।जब भी कोई आपकी पहचान पूछे तो गर्व से कहेंहाँ, मैं हिंदू हूँ, हाँ, मैं सनातनी हूँ।

विराट सिंह ने बताया कि सरिया से सुल्तानगंज तक की यात्रा के दौरान उन्हें हर जगह हिंदू भाई-बहनों का भरपूर सहयोग और प्रेम मिलता है, जो उन्हें सनातन संस्कृति के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए प्रेरित करता है।

कर्णपुरा महाविद्यालय में औषधिय पौधा रोपण किया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : कर्णपुरा महाविद्यालय बड़कागांव के प्रांगण में फलदार एवं औषधिय पौधा रोपण किया गया। साथ ही पेड़ पौधों की सुरक्षा एवं पर्यावरण पर सेमिनार रखा गया था आयोजक इतिहास विभाग द्वारा रखा गया था यह कार्यक्रम प्राचार्य डॉक्टर कीर्ति नाथ महतो के निदेर्शानुसार था। इन्होंने कहा कि भारत में वन महोत्सव की प्रारंभ वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री डॉ केएम मुंशी द्वारा की गई थी पर्यावरण संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने की उद्देश्य से इसे प्रत्येक वर्ष एक जुलाई से 7 जुलाई तक पूरे देश में एक सप्ताह तक त्यौहार के रूप में मनाया जाता है ।मुख्य शिक्षक प्रतिनिधि डॉक्टर निरंजन प्रसाद नीरज थे इन्होंने कहा कि महाविद्यालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना तथा वृक्ष के महत्व से परिचित कराना तथा प्राकृतिक संरक्षण के प्रति सकारात्मक सोच का निर्माण करना था। मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के विभागाअध्यक्ष डॉ रंजीत प्रसाद ने कहा कि पर्यावरण में वायु जल भूमि पेड़ पौधे जीव जंतु मानव और उसकी विविध गतिविधियों की परिणाम आदि सभी का समावेश होता है संचालन इतिहास विभाग की विभाग अध्यक्ष डॉक्टर सुरेश महतो ने किया एवं कहां की झारखंड वन विभाग द्वारा संयुक्त वन प्रबंधन व्यवस्था के तहत ग्राम वन सुरक्षा और प्रबंधन समितियां बनाई गई है बड़का गांव प्रखंड में ग्राम वन समितियां बनाई गई है सभी शिक्षा एवं छात्र-छात्राओं ने पर्यावरण पर प्रकाश डालें धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर अनु कुमारी ने की पर्यावरण एवं वन महोत्सव पर अपना विचार देते हुए हालदार पौधारोपण हुआ साथी सभा की समाप्ति का घोषणा की मौके पर उपस्थित डॉक्टर निरंजन प्रसाद नीरज प्रोफेसर लालदेव महतो डॉ रंजीत प्रसाद डॉक्टर ऋतुराज दास डॉक्टर पवन कुमार डॉक्टर ललिता कुमारी डॉ दिव्या शालू सनवीर कुमार ने म धारी राम अनिता कुमारी तथा छात्र-छात्राओं में राकेश कुमार राहुल कुमार निशांत कुमार यशवंत कुमार रोशन कुमार अंगिरा कुमारी रुबी कुमारी सोनम गुप्ता व अन्य उपस्थित थे।

डॉक्टर दंपति के घर से लाखों के जेवरात व नकदी की चोरी, सीसीटीवी भी ले गए चोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : शहर के बोकारो थर्मल स्थित डीवीसी अस्पताल में कार्यरत एक डॉक्टर दंपति के आवास से बीती रात अज्ञात चोरों ने अलमारी का ताला तोड़कर लाखों रुपए के जेवरात और नकदी चुरा ले गए। घटना की जानकारी अस्पताल प्रशासन व पुलिस को दी गई है और मामले की जांच जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, पीड़ित दंपति में अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. संजय कुमार और उनकी पत्नी, स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. संगीता रानी, शामिल हैं। दोनों का आवास संख्या टाइप वन/03 बताया जा रहा है। चोरों ने कमरे में रखी आलमीरा का ताला तोड़कर करीब 15 लाख रुपए मूल्य के जेवरात तथा लगभग 35 हजार रुपए नगद उठा लिए।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि चोरों ने चोरी के समय घर में लगे सीसीटीवी कैमरे भी अपने साथ ले जाने का खुला प्रयास किया, जिससे जांच में बाधा उत्पन्न हुई है। सीसीटीवी कैमरा चोरी होने से आगंतुकों और आस-पास के सीसीटीवी फुटेज पर निर्भर रहकर ही अपराधियों की पहचान करनी पड़ेगी।

घटना की सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और प्राथमिक जांच शुरू कर दी। घर की तलाशी और पैरों के निशान, ताले के टूटे होने तथा आसपास के घरों के कैमरा फुटेज बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने कहा कि पड़ोसियों से पूछताछ की जा रही है और निकटवर्ती इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

स्वस्थ जीवन शैली से व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और फिर विश्व स्वास्थ होगा - जयप्रकाश नारायण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जनवृत -1 में आरोग्य भारती, बोकारो महानगर की बैठक डॉ० सुबोध कुमार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक सामूहिक रूप में धन्वन्तरि स्तुति से प्रारंभ हुई। तत्पश्चात अतिथियों को पुष्प गुच्छ तथा शॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर आरोग्य भारती के प्रांत सचिव जयप्रकाश नारायण सिंह ने आरोग्य भारती के कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आरोग्य भारती व्यक्ति, समाज, राष्ट्र तथा विश्व को स्वस्थ रहने की मंगल कामना करती है । यह तभी संभव है जब हमारी जीवन-शैली स्वस्थ हो। आरोग्य भारती इस पुनीत कार्य हेतु लगातार प्रयासरत करती रहती है। स्वस्थ जीवन-शैली से व्यक्ति, समाज, राष्ट्र और फिर विश्व स्वस्थ होगा । हम जहाँ रहते हैं उसके इर्द - गिर्द चालीस किलोमीटर के क्षेत्र में जो खाद्य सामग्री उपलब्ध होती है उसका यदि सेवन करते हैं तो वह हमारे स्वास्थ्य के लिए अत्यंत फलदायी होता है। साथ ही , उन्होंने आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ० अशोक वार्ष्णेय के जुलाई माह में बोकारो प्रवास की सूचना भी दी।

धनबाद जिला के अध्यक्ष डॉ० विकास रमण ने कहा कि प्रांत की अपनी सभी इकाइयां यदि मिलकर काम करें तो प्रांत में इसका अच्छा परिणाम दिखाई पड़ेगा।

इस अवसर पर आरोग्य भारती बोकारो महानगर के संरक्षक डॉ० नरेन्द्र कुमार राय ने कहा कि प्रकृति में उत्पन्न औषधीय गुणों से उक्त पौधों का सेवन कर हम स्वस्थ रह सकते हैं।

महानगर अध्यक्ष डॉ० सुबोध कुमार ने धन्यवाद करते हुए कहा कि भारत चिकित्सा के क्षेत्र में प्राचीन काल से अग्रणी रहा है।

इस अवसर पर प्रांत सचिव जय प्रकाश नारायण सिंह ने बोकारो महानगर आरोग्य भारती की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की । डॉ० साकेत मिश्र - अध्यक्ष, दीनदयाल शर्मा - कार्यकारी अध्यक्ष, अनुरंजन- सचिव, मिथिलेश पाण्डेय - सह सचिव , डॉ० नरेन्द्र कुमार राय - संरक्षक, पीयूष राय - पर्यावरण प्रमुख, ओम प्रकाश - औषधीय प्रचार - प्रसार प्रमुख, प्रेमप्रकाश रंजन - स्वस्थ जीवन-शैली प्रमुख, संजय कुमार - प्रथमोपचार एवं आरोग्य मित्र प्रशिक्षण प्रमुख, उषा कुमारी - महिला कार्य प्रमुख, डॉ० सुबोध कुमार - धनबाद महानगर एवं जिला, बोकारो महानगर एवं जिला तथा गिरिडीह महानगर एवं जिला के आरोग्य भारती प्रभारी तथा डॉ० रामनारायण सिंह - प्रांत व्यसन मुक्ति प्रमुख बनाए गये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ० रामनारायण सिंह ने किया। अंत में कार्यक्रम की समाप्ति शांति मंत्र से हुई। इस अवसर पर धनबाद जिला आरोग्य भारती के सचिव विकास ओझा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

सड़क दुर्घटना में महिला की मौत

बरही : बरही थाना क्षेत्र अंतर्गत महुगढ़ा के नजदीक हुई सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई। मृतिका की पहचान शिवानी देवी पति नागेश्वर राम मलकोको पंचायत के पड़रिया निवासी के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतिका अपने किसी रिश्तेदार के घर जा रही थी। इसी क्रम में सफेद रंग की कार जिसकी संख्या जेएच02एयू ने अपने चपेट में ले लिया, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद बरही पुलिस ने कागजी प्रक्रिया पूरी कर शव को बरही अनुमंडलीय अस्पताल भेज दिया। वहीं घटना के बाद मृतिका के परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है।

बरही चौक में भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू का किया गर्मजोशी से स्वागत

बरही: भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू जी के बरही आगमन पर सोमवार को बरही चौक में भाजपा कार्यकताओं ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया। नेतृत्व बरही पश्चिमी मंडल के अध्यक्ष नागेश्वर रजक ने किया। कार्यकताओं ने पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर प्रदेश अध्यक्ष का अभिनंदन किया। इस दौरान कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने के लिए उनके नेतृत्व में विश्वास व्यक्त किया। पूरे कार्यक्रम के दौरान भाजपा कार्यकताओं में विशेष जोश और उत्साह देखने को मिला। मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता अर्जुन साव, जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, सांसद प्रतिनिधि भगवान केशरी, पप्पू चंद्रवंशी, नागेश्वर ठाकुर, नागेश्वर रजक सहित कई भाजपाई मौजूद रहे।

अवैध लॉटरी का धंधा फिर सक्रिय, गरीब मजदूर वर्ग हो रहा सबसे अधिक प्रभावित

हजारीबाग: जिले में एक बार फिर अवैध लॉटरी का कारोबार तेजी से पैर पसारता नजर आ रहा है। कुछ समय पहले इस धंधे पर लगाम लगती दिखाई दी थी, लेकिन अब शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों तक इसके दोबारा सक्रिय होने की चर्चाएं तेज हैं। सबसे अधिक चिंता की बात यह है कि रोज कमाकर परिवार का पेट पालने वाले गरीब और मेहनतकश लोग इस अवैध खेल का सबसे बड़ा शिकार बन रहे हैं।

सूत्रों और स्थानीय लोगों के अनुसार, शहर के बिलावल, रोमी, इंद्रपुरी बस स्टैंड, ग्वालटोली चौक समेत कई इलाकों में खुलेआम लॉटरी टिकटों की बिक्री होने की बातें सामने आ रही हैं। बताया जाता है कि रिक्शा चालक, टोटो चालक, टेंपो चालक, दिहाड़ी मजदूर और छोटे कामगार दिनभर की मेहनत से कमाए 200झ300 रुपये तक इस उम्मीद में लॉटरी पर लगा देते हैं कि शायद उनकी किस्मत बदल जाए। लेकिन अधिकांश मामलों में उन्हें सिर्फ निराशा ही हाथ लगती है।

इस अवैध कारोबार का सबसे दर्दनाक पहलू यह है कि जब मजदूरी की कमाई लॉटरी में डूब जाती है, तब उसके परिवार को आर्थिक संकट झेलना पड़ता है। कई घरों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती है, रसोई का चूल्हा ठंडा पड़ जाता है और परिवार कर्ज व अभाव की जिंदगी जीने को मजबूर हो जाता है। स्थानीय लोगों का दावा है कि कुछ स्थान ऐसे भी हैं जहां संबंधित थाना क्षेत्र से महज 500 से 1000 मीटर की दूरी पर यह कारोबार संचालित होने की बातें कही जा रही हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि यह गतिविधियां वास्तव में चल रही हैं तो क्या इसकी जानकारी स्थानीय प्रशासन को नहीं है।

डीपीएस चास में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति

चास : शिक्षा में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए डीपीएस चास ने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 11 मेधावी विद्यार्थियों को कुल ?6 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की। विद्यालय परिसर में आयोजित सम्मान समारोह में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति देकर उनकी प्रतिभा एवं उपलब्धियों का सम्मान किया गया। छात्रवृत्ति योजना का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना तथा अन्य छात्रों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करना है। इस अवसर पर प्रेषित अपने संदेश में विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन श्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी उसके शिक्षित और संस्कारित युवा होते हैं। मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित करना केवल उनकी उपलब्धियों का उत्सव नहीं, बल्कि शिक्षा के प्रति समाज की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से मेहनत, अनुशासन और नैतिक मूल्यों को जीवन का आधार बनाकर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। विद्यालय की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह छात्रवृत्ति उनकी लगन, मेहनत और उत्कृष्ट प्रदर्शन का सम्मान है। उन्होंने कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ उत्कृष्टता के लिए निरंतर प्रेरित करना है, ताकि वे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकें। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छात्रवृत्ति से सम्मानित सभी विद्यार्थी भविष्य में अपने परिवार, विद्यालय और देश का नाम रोशन करेंगे तथा अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगे। डी.एस. मेमोरियल सोसाइटी, चास के सचिव श्री सुरेश अग्रवाल ने कहा कि संस्था का उद्देश्य ऐसे प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देना है, जो अपनी मेहनत और लगन से नई ऊँचाइयों को छूने का संकल्प रखते हैं। इस अवसर पर सम्मानित विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों ने विद्यालय प्रबंधन के प्रति आभार व्यक्त किया। समारोह में शिक्षक–शिक्षिकाएँ, अभिभावक एवं छात्र–छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन सभी सम्मानित विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ हुआ।

संक्षिप्त डायरी

बिहार के श्रमिकों को किया जाएगा ट्रेंड, रात में कारखाने में सोने पर होगी मनाही, आपदा सेल का होगा गठन

पटना (एजेंसी) बिहार के श्रमिकों के लिए बिहार सरकार की ओर से खास तैयारी की गई है. अब वे कारखानों में सुरक्षित वातावरण में काम कर सकेंगे. श्रम संसाधन विभाग की तरफ से कारखानों में सुविधाएं बढ़ाए जाने का निर्देश दिया गया है. पटना से प्रहलाद कुमार की रिपोर्ट बिहार के सभी छोटे-बड़े कारखानों में श्रमिक सुरक्षित वातावरण में काम करेंगे. दूसरे राज्यों में हाल में हुई घटनाओं को देखते हुए श्रम संसाधन विभाग ने कारखानों में श्रमिकों के लिए सुविधाएं बढ़ाने का निर्देश दिया गया है. विभाग ने आदेश दिया है कि सभी कारखानों में श्रमिकों की सुरक्षा को देखते हुए आपदा सेल का गठन किया जाए. सुरक्षा सेल में ट्रेंड श्रमिकों को रखा जायेगा. जिनका प्रशिक्षण आपदा प्रबंधन विभाग के माध्यम से कराया जायेगा. इन ट्रेंड श्रमिकों को कारखानों में आपदा के दौरान श्रमिकों के बचाव को लेकर पूरी तरह से ट्रेंड किया जायेगा. राज्य में 8479 कारखाने निबंधित विभाग के मुताबिक कारखानों की नियमित जांच रिपोर्ट बनाकर विभाग के पोर्टल पर अपलोड करना होगा. रिपोर्ट में सेल में शामिल सभी श्रमिकों का हस्ताक्षर जरूरी रहेगा. विभाग के मुताबिक राज्य में 8479 निबंधित कारखाने हैं. जिसमें लगभग दो-तीन लाख कर्मी काम करते है. हाल के दिनों में कारखानों में बढ़ी दुर्घटनाओं को देखते हुए विभाग ने सभी कारखानों में यह नियम सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया गया है, ताकि श्रमिकों की सुरक्षित वातावरण में काम कर सकें. रात में कारखाना बंद होने के बाद नहीं रहेंगे श्रमिक विभाग ने निर्देश दिया है कि जांच के दौरान यह सुनिश्चित किया जाए कि रात में कारखाना बंद होने के बाद एक भी श्रमिक कारखाना में नहीं सोयेंगे. पूर्व में दिल्ली, मुंबई जैसे महानगरों में कुछ घटनाएं घटी है, जिसमें रात में कारखाना में आग लगी और कई श्रमिकों की मौत तक हो गई, क्योंकि वह उसी कारखाना में सो रहे थे. इस कारण से विभाग ने कारखानों को निर्देश दिया है.

मॉक ड्रील होंगे, सुरक्षा को लेकर दी जायेगी जानकारी कारखानों में सुरक्षा दिवस और सप्ताह मनाया जायेगा. इसको लेकर सभी कारखानों को दिशा-निर्देश जारी किया गया है. अब कारखानों में नियमित मॉक ड्रील होंगे. जिसमें कारखाना के सभी कामगार और कर्मी रहेंगे. इन्हें काम करने के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में बताया जाएगा, ताकि कामगार दुर्घटना के बाद कम से कम चोटिल हो.

भोजपुर में नदी किनारे झाड़ियों में संदिग्ध अवस्था में मिला महिला का शव, हत्या या हादसा? जांच में जुटी पुलिस

पटना (एजेंसी) भोजपुर के बड़हरा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह सुखी नदी के किनारे झाड़ियों से अर्धनग्न अवस्था में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. शव की पहचान नहीं हो सकी है. भोजपुर के बड़हरा थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह सुखी नदी के किनारे झाड़ियों से अर्धनग्न अवस्था में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया. शव की पहचान नहीं हो सकी है. पुलिस और एफएसएल टीम मौके से साक्ष्य जुटाकर हत्या, दुर्घटना समेत सभी संभावित पहलुओं की जांच में जुटी है. बड़हरा थाना क्षेत्र के बभनगावां एवं इंग्लिश गांव के बीच स्थित पुल के समीप सुखी नदी की झाड़ियों में सोमवार सुबह करीब 9:30 बजे अर्धनग्न अवस्था में एक अज्ञात महिला का शव मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई. शव मिलने की सूचना फैलते ही आसपास के गांवों के लोग बड़ी संख्या में घटनास्थल पर पहुंच गए. घटना को लेकर पूरे क्षेत्र में तरह-तरह की चचाएं होती रहीं. ग्रामीणों के अनुसार, सुबह झाड़ियों में शव पड़े होने की जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचना दी गई. सबसे पहले बबूरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची, जबकि कुछ देर बाद बड़हरा थाना पुलिस भी घटनास्थल पर पहुंच गई. घटनास्थल किस थाना क्षेत्र में आता है, इसे लेकर सीमांकन को लेकर कुछ समय तक असमंजस की स्थिति बनी रही. इसी कारण करीब एक घंटे तक कार्रवाई प्रभावित रही. बाद में बड़हरा थाना पुलिस ने मामले की जिम्मेदारी संभालते हुए जांच शुरू की. थानाध्यक्ष चुनमुन कुमारी ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया. इसके बाद एफएसएल (फॉरेंसिक साइंस लैब) की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर वैज्ञानिक तरीके से साक्ष्य एकत्र किए. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल, आरा भेज दिया. महिला की पहचान नहीं, पैर पर मिला जलने जैसा निशान पुलिस के अनुसार, मृत महिला के बाएं पैर पर जलने जैसा एक निशान मिला है. हालांकि खबर लिखे जाने तक महिला की पहचान नहीं हो सकी थी. पुलिस उसकी पहचान कराने के प्रयास में जुटी है और आसपास के क्षेत्रों से भी आवश्यक जानकारी एकत्र की जा रही है. पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद होगा मौत का खुलासा थानाध्यक्ष ने बताया कि फिलहाल हत्या, दुर्घटना अथवा अन्य सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच की जा रही है. उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही महिला की मौत के कारणों और घटना की वास्तविकता के बारे में स्पष्ट रूप से कुछ कहा जा सकेगा.

बिहार में फेल होने के कगार पर यह योजना, 10 साल में नहीं बदला हाल, सरकार ने मांगी अंतिम रिपोर्ट

पटना (एजेंसी) बिहार में सांसद आदर्श ग्राम योजना दम तोड़ रही है. पिछले 10 सालों में चुनी गई 208 पंचायतों में से केवल 117 के लिए ही विकास योजनाएं बन सकीं. कुल 6265 प्रोजेक्ट्स में से महज 2083 ही पूरे हो पाए हैं. सुस्त रफ्तार को देखते हुए सरकार अब इसे बंद करने की तैयारी में है. मनोज कुमारः गांवों की सूरत बदलने के लिए शुरू की गई सांसद आदर्श ग्राम योजना का बिहार में बुरा हाल है. पिछले 10 साल का रिकॉर्ड देखें तो यह योजना पूरी तरह फ्लॉप साबित हो रही है. हालात इतने खराब हैं कि अब सरकार इस योजना को बंद करने पर विचार कर रही है. विकास कार्यों की कछुआ चाल को देखते हुए सरकार ने सभी जिलों से अंतिम रिपोर्ट मांग ली है. 10 साल में सिर्फ 33 फीसदी काम ही हुआ पूरा 2014 से 2024 के बीच बिहार में कुल 208 पंचायतों को आदर्श बनाने के लिए चुना गया था. हैरान करने वाली बात यह है कि इन 10 सालों में 208 में से सिर्फ 117 पंचायतों के लिए ही विकास का प्लान तैयार हो पाया. इन पंचायतों के लिए कुल 6265 काम तय किए गए थे, लेकिन जमीनी स्तर पर सिर्फ 2083 काम ही पूरे हो सके. 2014 से 2019 के बीच लोकसभा और राज्यसभा सांसदों ने मिलकर कुल 81 पंचायतों को गोद लिया था. इनमें से केवल 60 पंचायतों के लिए ही विकास का खाका बना. इस दौरान तय किए गए 4824 कामों में से सिर्फ 1897 काम पूरे हो पाए. यह टोटल काम का लगभग 40 फीसदी है. 48.61% विकास काम तो कागजों से बाहर ही नहीं आ पाए और उन पर काम शुरू ही नहीं हुआ. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें दूसरे फेज में हालात और भी खराब 2019 से 2024 के बीच सांसदों ने 127 पंचायतों को आदर्श बनाने के लिए चुना था. लेकिन काम के मामले में यह फेज और भी फिसड्डी साबित हुआ. केवल 57 पंचायतों के लिए विकास योजनाएं बनीं. कुल 1441 कामों में से महज 186 काम ही पूरे किए जा सके. 1107 प्रोजेक्ट्स पर आज तक काम शुरू भी नहीं हो पाया है.

अगले 3 घंटे बिहार के 12 जिलों में आंधी-तूफान के साथ होगी मूसलाधार बारिश, IMD ने जारी किया येलो अलर्ट

पटना (एजेंसी) पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बिहार के कई जिलों में अगले 3 घंटे के दौरान बारिश, आंधी-तूफान और वज्रपात की संभावना जताई है. ऐसे मौसम में लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है. इसके अलावा यह भी बताया गया है कि अगले 3 दिन के दौरान मौसम कैसा रहेगा? पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने बिहार के 12 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. अरवल, औरंगाबाद, बांका, दरभंगा, गया, जहानाबाद, जमुई, मुजफ्फरपुर, रोहतास, सारण, सिवान और वैशाली जिलों के कुछ हिस्सों में अगले तीन घंटे में मौसम बदल सकता है. इन इलाकों में बारिश, मेघ गर्जन और वज्रपात की आशंका है.

इसके अलावा 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं. मौसम विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें. बिहार में अगले कुछ दिनों में मौसम का मिजाज बदलने वाला है. पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 7 जुलाई को पूरे बिहार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है. इस दिन राज्य के लगभग सभी जिलों में बादल गरजने, बिजली चमकने और हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं भी चल सकती हैं. पटना मौसम विज्ञान केंद्र ने 8 जुलाई को लेकर बताया कि इस दिन भी मौसम का हाल लगभग पिछले दिन जैसा ही रहने वाला है. मौसम विभाग ने इस दिन के लिए भी पूरे बिहार में येलो अलर्ट जारी किया है. इस दिन आसमान में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी. बिजली चमकेगी और कुछ इलाकों में हल्की से मध्यम बौछारें गिर सकती हैं. इस दिन भारी बारिश का कोई बड़ा अलर्ट नहीं है. बिहार की ताजा खबरों के लिए क्लिक करें 9 जुलाई को कई जिलों में ऑरेंज अलर्ट पटना मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक 9 जुलाई को बिहार के मौसम में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा. इस दिन उत्तर और पूर्वी बिहार के कई जिलों जैसे मुजफ्फरपुर, दरभंगा, समस्तीपुर, वैशाली, सुपौल, अररिया और पूर्णिया में भारी से बहुत भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है. इन इलाकों में तेज हवाओं के साथ मूसलाधार बारिश हो सकती है. पटना, गया और भागलपुर सहित दक्षिण बिहार के बाकी हिस्सों में येलो अलर्ट जारी किया गया है. यहां हल्की बारिश और बिजली गिरने की आशंका बनी रहेगी.

21 साल से वही स्वादढ्ढ मुजफ्फरपुर के इस समोसे के लिए आज भी दूर-दूर से पहुंचते हैं लोग

पटना (एजेंसी) मुजफ्फरपुर के दामू चौक का बिना लहसुन-प्याज वाला मशहूर समोसा पिछले 21 साल से लोगों की पहली पसंद बना हुआ है. जानिए इसकी खासियत, कीमत और ग्राहकों की राय. मुजफ्फरपुर से रजनीश कुमार की रिपोर्ट मुजफ्फरपुर की पहचान सिर्फ शाही लीची तक सीमित नहीं है. शहर के दामू चौक का एक छोटा सा समोसे का ठेला भी पिछले दो दशकों से लोगों के दिलों पर राज कर रहा है. बिना लहसुन और प्याज से तैयार होने वाला यह समोसा आज भी अपने पुराने स्वाद की वजह से दूर-दूर से लोगों को यहां खींच लाता है. साल 2005 में शुरू हुई इस दुकान पर उस समय समोसे की कीमत सिर्फ 4 रुपये प्रति पीस थी. महंगाई बढ़ने के साथ इसकी कीमत अब 7 रुपये हो गई है, लेकिन स्वाद में आज भी वही पुरानी पहचान कायम है. समोसा बनाते

कारीगर यह भी पढ़ेंः आलू की खेती से लाखों कमाना चाहते हैं? कृषि वैज्ञानिक ने बताए बंपर मुनाफे के आसान तरीके एल.एस. कॉलेज के छात्रों का था पसंदीदा ठिकाना एक समय ऐसा था जब एल.एस. कॉलेज और आसपास की कोचिंग में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के लिए यह दुकान सबसे पसंदीदा नाश्ते का अड्डा हुआ करती थी. क्लास खत्म होते ही यहां समोसा खाने वालों की लंबी कतार लग जाती थी. आज भी सुबह से लेकर रात तक यहां लोगों की आवाजाही बनी रहती है. पुराने ग्राहक अब भी उसी स्वाद के लिए यहां पहुंचते हैं. ग्राहकों ने क्या कहा? एक ग्राहक बताते हैं कि वह बचपन से यहां समोसा खा रहे हैं. जब कोचिंग पढ़ते थे, तभी से इस दुकान का स्वाद उनके साथ जुड़ा हुआ है. उनका कहना है कि यहां का सबसे बड़ा आकर्षण यह है कि समोसा बिना लहसुन और प्याज के बनाया जाता है, फिर भी इसका स्वाद बेहद अलग और लाजवाब होता है. एक अन्य ग्राहक बताते हैं कि वह करीब 21 साल से यहां समोसा खा रहे हैं. पहले जब इसकी कीमत 4 रुपये थी, तब यहां काफी भीड़ रहती थी. अब कीमत बढ़कर 7 रुपये हो गई है, लेकिन स्वाद की वजह से पुराने ग्राहक आज भी जुड़े हुए हैं. दुकान संचालक बताते हैं कि शुरूआत एक छोटे से ठेले से हुई थी. धीरे-धीरे लोगों का भरोसा बढ़ा और आज यह दुकान इलाके की पहचान बन चुकी है. उनका कहना है कि समोसे की सबसे बड़ी खासियत इसका मसाला और बिना लहसुन-प्याज का स्वाद है. यही वजह है कि लोग बार-बार यहां लौटकर आते हैं. दामू चौक का फेमस समोसा सिर्फ समोसा ही नहीं, लिट्टी भी है खास दुकान पर समोसे के अलावा लिट्टी भी मिलती है. सुबह करीब 10 बजे से रात 8 बजे तक दुकान खुली रहती है और पूरे दिन नाश्ता करने वालों की भीड़ लगी रहती है. दूर-दूर से पहुंचते हैं ग्राहक दुकानदार के अनुसार उनके यहां अखाड़ाघाट, भगवानपुर, अमगोला, गोबरसही, बीबीगंज, माड़ीपुर समेत शहर के कई इलाकों से लोग समोसा खाने आते हैं. महंगाई का असर बिक्री पर जरूर पड़ा है, लेकिन स्वाद के दीवानों की संख्या आज भी कम नहीं हुई है. मुजफ्फरपुर आने वाले कई लोग दामू चौक पहुंचकर इस मशहूर समोसे का स्वाद लेना नहीं भूलते.

सीवान गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक की 360 सीटों पर नामांकन आज से, पहले राउंड की काउंसिलिंग 9 जुलाई तक

पटना (एजेंसी) गवर्नमेंट इंजीनियरिंग कॉलेज सीवान में बीटेक की 360 सीटों पर आज से नामांकन शुरू हो रहा है। पहले राउंड की काउंसिलिंग 7-9 जुलाई तक चलेगी. प्रवेश के लिए जरूरी दस्तावेज और बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है. गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेजों में बीटेक में नामांकन की प्रक्रिया मंगलवार से शुरू हो रही है. बिहार संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद की अधिसूचना के बाद राजकीय अभियंत्रण महाविद्यालय सीवान समेत राज्य के सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों ने दाखिले की तैयारी पूरी कर ली है. कॉलेज प्रशासन से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वर्ष राज्यभर की कुल 14,500 सीटों पर नामांकन लिया जाएगा, जो पिछले साल की 13,000 सीटों की तुलना में 1,500 अधिक हैं. अकेले गवर्मेंट इंजीनियरिंग कॉलेज सीवान में 360 सीटों पर दाखिला होगा. प्राचार्य डॉ सूर्यकांत सिंह ने बताया कि आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, नामांकन का पहला राउंड

7 से 9 जुलाई तक पूरी तत्परता से चलेगा. प्राचार्य ने कड़े शब्दों में स्पष्ट कर दिया है कि यदि किसी छात्र को मेधा सूची के आधार पर सीट आवंटित की गई है और वह पहले राउंड की काउंसिलिंग में तय समय पर शामिल नहीं होता है, तो उसे आगामी प्रक्रिया के लिए स्वतः अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसकी सीट को खाली मान लिया जाएगा. जिन्हें पहले राउंड में मनपसंद सीट नहीं मिलेगी, उन्हें 20 और 21 जुलाई को होने वाले दूसरे राउंड की काउंसिलिंग का इंतजार करना होगा. बायोमेट्रिक सत्यापन किया गया अनिवार्य प्राचार्य डॉ सूर्यकांत सिंह ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान पूरी पारदर्शिता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए कड़े इंतजाम किए गए हैं. छात्रों को बीसीईसीई या एमआईटी की आधिकारिक वेबसाइट से जांच पर्ची डाउनलोड कर उसे पूरी तरह भरकर लाना होगा. इसमें छात्र का नाम, पिता का नाम, जेईई रोल नंबर और सरकारी पहचान जैसी आवश्यक व्यक्तिगत जानकारियां देनी होंगी. इसके साथ ही, किसी भी तरह के फजीर्वाड़े को पूरी तरह रोकने के लिए इस बार बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य किया गया है, जिसके लिए छात्रों को एक अलग फॉर्म भरकर अपनी ऑल इंडिया रैंक और आईडी जैसी जानकारियां साझा करनी होंगी. प्रशासनिक स्तर पर गठित तकनीकी टीम द्वारा काउंसिलिंग के समय छात्रों की केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं, बल्कि उनकी निर्धारित आयु सीमा, बिहार की आवासीय पात्रता और स्वास्थ्य का गहन परीक्षण भी किया जाएगा. चिकित्सा प्रमाणपत्र की भी बारीकी से जांच होगी.

बक्सर में डेंगू-चिकनगुनिया पर अलर्ट, BDO ने दिए बचाव के खास निर्देश

पटना (एजेंसी) बक्सर के डुमरांव प्रखंड कार्यालय स्थित प्रखंड प्रौद्योगिकी केंद्र में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई. बक्सर के डुमरांव प्रखंड कार्यालय स्थित प्रखंड प्रौद्योगिकी केंद्र में सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी संदीप कुमार पांडेय की अध्यक्षता में प्रखंड स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक आयोजित की गई. बैठक में आगामी जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़ा को सफल बनाने के साथ-साथ डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए व्यापक जागरूकता अभियान चलाने की रणनीति तैयार की गई. जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़ा को सफल बनाने पर चर्चा बैठक में जनसंख्या स्थरीकरण पखवाड़ा के सफल आयोजन को लेकर विभिन्न विभागों की भूमिका तय की गई. बीडीओ संदीप कुमार पांडेय ने सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का निर्देश दिया. डेंगू और चिकनगुनिया से बचाव के लिए जागरूकता पर जोर बीडीओ ने कहा कि वर्तमान मौसम को देखते हुए डेंगू और चिकनगुनिया के प्रति लोगों को जागरूक करना बेहद जरूरी है. उन्होंने मॉल संचालकों, दुकानदारों और प्रबंधकों से अपील की कि खाली पड़े डिब्बों, कार्टनों और अन्य सामानों में पानी जमा नहीं होने दें. जहां पानी जमा हो गया हो, वहां मिट्टी का तेल डालकर मच्छरों के पनपने से रोकें. उन्होंने कहा कि हर बुखार डेंगू नहीं होता, इसलिए घबराने के बजाय लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए. डेंगू और चिकनगुनिया के सभी मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की आवश्यकता नहीं होती. समय पर इलाज मिलने पर मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो सकता है. एस्पिरिन और ब्रूफेन से बचने की सलाह बैठक में लोगों को सलाह दी गई कि तेज बुखार की स्थिति में एस्पिरिन या ब्रूफेन जैसी दवाओं का सेवन नहीं करें. बुखार के लिए पारासिटामोल को सुरक्षित दवा बताया गया. अधिकारियों ने आम लोगों से स्वास्थ्य संबंधी किसी भी समस्या पर चिकित्सकीय सलाह लेने की अपील की. कई विभागों के अधिकारी रहे मौजूद बैठक में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, पंचायत राज पदाधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मी उपस्थित रहे. सभी ने जनजागरूकता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का संकल्प लिया.

रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेसवे से बिहार के कई जिलों को मिलेगी जाम से मुक्ति, 60000 करोड़ की लागत से हो रहा तैयार

पटना (एजेंसी) बिहार को 60 हजार करोड़ रुपये के रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेस-वे की बड़ी सौगात मिलने जा रही है. इस प्रोजेक्ट के तहत गंगा नदी पर बनने वाले बड़े पुल और एप्रोच रोड के लिए बिहार में तैयारी तेज हो गई है. इससे बेगूसराय के शाम्हो दियारा सहित कई इलाकों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी. बिहार के इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेसवे परियोजना पर काम तेजी से आगे बढ़ रहा है. इस मेगा प्रोजेक्ट से बिहार के कई जिलों को सीधा फायदा होने वाला है. खासकर बेगूसराय के शाम्हो दियारा क्षेत्र के लोगों के लिए दशकों पुराना इंतजार

अब खत्म होने की उम्मीद जगी है. गंगा नदी पर बनने वाले प्रस्तावित पुल के साथ शाम्हो को जिला मुख्यालय से जोड़ने के लिए एक अलग एप्रोच रोड बनाने की तैयारी शुरू कर दी गई है. जमीन का ब्योरा जुटाने में लगा प्रशासन इस बड़े प्रोजेक्ट को जमीन पर उतारने के लिए शाम्हो सर्किल ऑफिस को एक पत्र भेजा गया है. इसमें प्रस्तावित पुल और एप्रोच रोड के दायरे में आने वाली जमीनों का पूरा ब्योरा मांगा गया है. इसके बाद सर्किल ऑफिस ने संबंधित गांवों की सरकारी या निजी जमीन और उसके मालिकाना हक का विवरण जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है.इससे भूमि अधिग्रहण का काम समय पर पूरा हो सकेगा. गंगा और क्यूल नदी पर बनेगा लंबा पुल यह एक्सप्रेसवे बेगूसराय में एनएच-31 को भैरवार-सुरदासा ढाला के पास पार करेगा. इसके बाद गंगा और क्यूल नदी पर एक लंबा पुल बनाया जाएगा, जो आगे जाकर सूर्यगढ़ा-मुंगेर रूट (ठल्र-80) को नदौरा और अवगिल गांवों के बीच जोड़ेगा. इसी गंगा पुल से शाम्हो के लिए एक अलग एप्रोच सड़क निकाली जाएगी जो अकहा-कुरहा गांव के पूर्वी हिस्से तक जाएगी. इसके अलावा मटिहानी प्रखंड के नया गांव स्थित सार्वजनिक दुर्गा स्थान के पास भी एक एप्रोच रोड बनाने का प्रस्ताव है. जिला मुख्यालय आना-जाना होगा बेहद आसान अगर यह योजना तय समय में पूरी होती है, तो शाम्हो दियारा के लोगों को बांध वाली सड़क और मटिहानी ढाला के रास्ते सीधे बेगूसराय जिला मुख्यालय तक पहुंचने के लिए एक बेहतरीन रास्ता मिल जाएगा. इससे इलाके के लोगों का सफर बेहद आसान हो जाएगा और व्यापार को भी बढ़ावा मिलेगा. लगभग 719 किलोमीटर लंबा यह रक्सौल-हल्दिया एक्सप्रेसवे एक बड़ा प्रोजेक्ट है. इसकी अनुमानित लागत करीब 60 हजार करोड़ रुपये है. यह एक्सप्रेस-वे देश के छह राज्यों से होकर गुजरेगा, जिसमें बिहार में गंगा नदी पर बनने वाला पुल इसका सबसे मुख्य हिस्सा माना जा रहा है. केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दे दी है. इस प्रोजेक्ट को पूरा करने का लक्ष्य साल 2028 रखा गया है, लेकिन इसके विशाल आकार और जमीन अधिग्रहण की पेचीदा प्रक्रिया को देखते हुए निर्माण का समय थोड़ा बढ़ भी सकता है. अंतिम रूट बेगूसराय-शाम्हो-सूर्यगढ़ा होगा या बेगूसराय से सीधे सूर्यगढ़ा के बीच, इसका अंतिम फैसला तकनीकी परिस्थितियों को देखकर लिया जाएगा.

मलाई से घी बनाते समय कमरे में फैली बदबू को इन हैक्स से करें दूर, अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं।

स्वास्थ्य के लिए घी बहुत ही अच्छा माना जाता है। भारतीय घरों में घी का खूब इस्तेमाल होता है। मार्केट में सबकुछ मिलावटी मिलने लगा है। मिलावटी और नकली घी स्वास्थ्य के लिए काफी खतरनाक हो सकता है। इस कारण आज भी बहुत सारे घरों में खुद से मलाई से घी तैयार किया जाता है। लेकिन जब घी बनाया जाता है, तो इसकी गंध बहुत तेज निकलती है। इसकी महक इतनी ज्यादा तेज होती है कि घर में दम घुटने लगे।

ऐसे में अगर आप छोटे अपार्टमेंट में रहते हैं तो घी की गंध से नाक में दम हो सकता है। वहीं इस दौरान यदि घर में कोई मेहमान आ जाए, तो वह भी बहुत असहज हो सकता है। अगर आप भी घी बनाते हुए आने वाली गंध पसंद नहीं है, तो आप हैक की मदद ले सकते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घी बनाने के दौरान आने वाली बदबू को कैसे दूर किया जा सकता है।

इस चीज से दूर होगी घी की बदबू

घी से आने वाली बदबू को दूर करने के लिए आप विनेगर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए जब भी आप घी बनाएं, तो एक गिलास में सिरका भरकर गैस के बगल में रख दें। सिरका एक नेचुरल स्मेल ऑब्जर्वर की तरह काम करता है। यह हवा में मौजूद गंध को सोख लेता है। यह घी की तेज गंध को रोकने में सहायता करता है।

विनेगर

विनेगर में एसिटिक एसिड मौजूद होता है, जोकि हवा में मौजूद पार्टिकल्स को न्यूट्रलाइज करने का काम करता है। यह बदबू को खत्म करता है, जोकि रसोई में बहुत काम आ सकता है। इससे न सिर्फ घी की बल्कि अन्य कई तरह की दूसरी बदबू भी दूर कर सकते हैं।

ऐसे दूर करें बदबू

इसके अलावा आप अन्य कई तरीकों से भी घी की बदबू को दूर किया जा सकता है। इसके लिए आप किचन में एसेंशियल ऑयल भी रख सकते हैं, इससे भी महक दूर होगी।

बता दें कि घी की महक को दूर करने के लिए इसको बनाने के दौरान किचन की खिड़की को खुला रखें। साथ ही एग्जॉस्ट फैन को भी ऑन रखें।

रोज सुबह की ये चार आदतें किडनी को रखेंगी हेल्दी, आज ही रूटीन में करें शामिल

जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है।

किडनी हमारे शरीर के सबसे जरुरी अंगों में से एक है। यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को निकालने, चयापचय प्रक्रियाओं को संतुलित करने और खून को साफ करने में अहम भूमिका निभाता है। लेकिन जब किडनी पर अधिक बोझ पड़ने लगता है तो यह ठीक तरीके से काम नहीं कर पाते हैं। जिससे शरीर में विषाक्त पदार्थ जमा होने लगते हैं। इसलिए किडनी को डिटाक्स करना काफी जरूरी होता है। किडनी का डिटॉक्स करने से अंगों की कार्यक्षमता में सुधार होता है। वही शरीर में ऊर्जा का सही संतुलन बना रहता है। वहीं आजकल की अनहेल्दी लाइफस्टाइल, प्रदूषण, गलत खानपान और स्ट्रेसफुल लाइफस्टाइल की वजह से किडनी पर अधिक बोझ पड़ता है। वहीं डिटॉक्स प्रोसेस से इन अंगों को आराम मिलता है और वह अपनी कार्यक्षमता को भी बनाए रख पाते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सुबह की चार ऐसी आदतों के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको डेली रूटीन में शामिल करके आप किडनी को डिटॉक्स करके स्वस्थ रख सकते हैं।

गुनगुने पानी में नींबू डालकर पिएं – सुबह उठते ही खाली पेट गुनगुने पानी में आधा नींबू निचोड़कर पीने से लिवर डिटॉक्स करने में सहायता मिलती है। नींबू में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जोकि किडनी को शुद्ध करने और पाचन में सुधार का काम करते हैं। सुबह की यह आदत शरीर हाइड्रेटेड रखने में सहायता करती है।

ग्रीन टी या हर्बल टी पिएं – सुबह के समय आप चाय या कॉपी भी जगह हर्बल टी या फिर ग्रीन टी का सेवन कर सकते हैं। ग्रीन टी में कैटेचिन्स पाए जाते हैं, जो किडनी की सफाई करने में सहायता करते हैं और उसकी कार्यक्षमता को बढ़ाते हैं। डेंडेलियन या तुलसी की चाय किडनी की सफाई में भी फायदेमंद साबित हो सकती है।

फल खाएं – सुबह के समय नाश्ते में पानी से भरपूर फल जैसे खीरा, तरबूज, अंगूर या संतरा आदि का सेवन करना चाहिए। यह फल शरीर को हाइड्रेट रखते हैं और किडनी से विषाक्त पदार्थों को निकालने में भी सहायता करते हैं। फलों में मौजूद नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स और विटामिन्स किडनी की कार्यक्षमता को बेहतर बनाते हैं।

डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करें – बता दें कि सुबह की शुरूआत योग और गहरी सांस लेने वाली एक्सरसाइज से करनी चाहिए। डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज करने से बॉडी में ऑक्सीजन लेवल बढ़ता है, साथ ही यह विषाक्त पदार्थों को निकालने में सहायता करता है। गहरी सांस लेने से अंगों को डिटॉक्स होने में सहायता मिलती है। इसके अलावा आप धनुरासन, भुजंगासन और कपालभाति प्राणायाम कर सकते हैं, यह किडनी के लिए फायदेमंद होते हैं।

बारिश के मौसम ये गलती ना कर बैठना ये खाते ही पेट हो जाएगा खराब

मॉनसून का मौसम हर किसी को बहुत पसंद होता है। बारिश की ठंडी बूंदें, हरियाली और ठंडी हवा का आनंद सबको भाता है। लेकिन मॉनसून के मौसम में खाने-पीने को लेकर थोड़ा सावधानी बरतनी बहुत जरूरी होती है। इस मौसम में कई तरह की बीमारियां फैलने का खतरा बढ़ जाता है क्योंकि नमी और ठंडक की वजह से बैक्टीरिया और वायरस तेजी से पनपते हैं। ऐसे में कुछ खास फूड्स ऐसे होते हैं जिन्हें मॉनसून में बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए, वरना सेहत को गंभीर नुकसान हो सकता है।

आज हम आपको मॉनसून में न खाने वाले पांच फूड्स के बारे में बताएंगे, ताकि आप इस बारिश के मौसम का मजा लें और बीमारियों से बच सकें।

बाहर का खाना

मॉनसून में बाहर का खाना खाने से बचना चाहिए। खासकर सड़क किनारे मिलने वाले पकौड़े, समोसे, पकोड़े और अन्य स्नैक्स में नमी की वजह से बैक्टीरिया पनप सकते हैं। बारिश के कारण सड़कें गीली और कीचड़ से भरी होती हैं, जिससे भोजन में गंदगी आसानी से लग जाती है। इससे खाना तुरंत खराब हो सकता है और खाने के बाद पेट में दर्द, एसिडिटी, उल्टी-दस्त जैसी परेशानियां हो सकती हैं। अगर बाहर खाना हो भी तो हमेशा साफ-सफाई का ध्यान रखें और सुनिश्चित करें कि खाना ताजा और गर्म हो। घर पर ही ताजा और साफ-सुथरा खाना बनाएं और खाएं।

पके हुए फल और कटे हुए सलाद

मॉनसून में खुले में रखे कटे हुए फल और सलाद बिल्कुल न खाएं। बारिश की नमी और हवा में मौजूद कीटाणु इन फलों और सलादों पर जल्दी लग जाते हैं। ऐसे फल और सलाद अगर ठीक से धोएं नहीं जाते हैं तो उनमें बैक्टीरिया और कीड़े-पतंगे आसानी से पहुंच जाते हैं। इससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है, जिसके कारण उल्टी, दस्त, और पेट दर्द हो सकता है। फलों को अच्छे से धोकर छीलकर ही खाएं। सलाद को ताजा बनाएं और घर पर ही साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखें। अगर बाहर खाने का मन हो तो पैकेज्ड और अच्छे तरीके से पैक किए गए फल या सलाद लें।

डेयरी प्रोडक्ट्स (दूध, पनीर, दही)

मॉनसून में दूध और उससे बने उत्पादों के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए। बारिश के मौसम में दूध जल्दी खराब हो जाता है, जिससे उसमें बैक्टीरिया का विकास होता है। खराब दूध पीने से पेट में इंफेक्शन, दस्त और अपच जैसी समस्याएं हो सकती हैं। पनीर और दही भी यदि ठीक से स्टोर न किया जाए तो इससे भी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। सभी डेयरी प्रोडक्ट्स को ठंडे और साफ वातावरण में रखें। अगर आपको दूध खरीदना हो तो फ्रिज में ठंडा दूध लें और तुरंत इस्तेमाल करें। पनीर और दही भी हमेशा फ्रिज में रखें और पुराना सामान न खाएं।

तली हुई और ज्यादा मसालेदार चीजें

मॉनसून में तला हुआ और ज्यादा मसालेदार खाना खाने से बचें। बारिश के मौसम में पाचन तंत्र कमजोर हो जाता है और भारी तले हुए भोजन से पेट में भारीपन, एसिडिटी और गैस की समस्या हो सकती है। मसालेदार खाना भी कई बार पेट की परेशानी को बढ़ा देता है। मॉनसून में हल्का और पौष्टिक खाना खाएं। ज्यादा तेल-मसाले वाली चीजों से बचें। आप उबला हुआ खाना, सूप, दलिया, और सब्जियां ज्यादा खाएं ताकि आपकी पाचन क्रिया ठीक रहे।

बासी और खराब खाना

बारिश के मौसम में खाना जल्दी खराब हो जाता है। अगर आप बासी खाना खा लेते हैं तो आपको बहुत सारी बीमारियां हो सकती हैं। बासी खाना खाने से पेट में संक्रमण हो सकता है, उल्टी-दस्त और पेट दर्द जैसी समस्याएं हो सकती हैं। मॉनसून में खास तौर पर खाने को अच्छे से ढक कर रखना चाहिए। खाना ताजा बनाएं और तुरंत खाएं। बचा हुआ खाना फ्रिज में रखें और दोबारा इस्तेमाल से पहले अच्छी तरह गर्म करें। बासी खाना बिल्कुल न खाएं।

मॉनसून में सुरक्षित रहने के लिए कुछ अन्य टिप्स

मॉनसून में हमेशा साफ-सफाई का खास ध्यान रखें।

खाने से पहले और बाद में हाथ धोएं।

भरपूर पानी पिएं, लेकिन बाहर के खुले पानी से बचें।

ताजा और अच्छी क्वालिटी के फलों और सब्जियों का सेवन करें।

अपने आस-पास के क्षेत्र में साफ-सफाई रखें ताकि मच्छरों और कीटाणुओं का प्रकोप न हो।

मौसम के अनुसार अपनी डाइट में बदलाव करें और भारी भोजन से बचें।

मॉनसून का मौसम तो बहुत ही खूबसूरत होता है, लेकिन साथ ही यह स्वास्थ्य के लिहाज से भी थोड़ा संवेदनशील होता है। इस मौसम में खाना-पीना लेकर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। ऊपर बताई गई पांच चीजें मॉनसून में बिल्कुल न खाएं ताकि आप बीमारियों से बच सकें और स्वस्थ रह सकें। हमेशा ताजा, साफ और संतुलित भोजन करें ताकि यह मौसम आपके लिए खुशियों और सेहत से भरा रहे।

मानसून हेल्थ टिप्स: बारिश के मौसम में कैसी होनी चाहिए डाइट?

मानसून की शुरुआत देश के कई हिस्सों में हो चुकी है। बारिश के इस मौसम में मौसम तो खुशनुमा होता है, लेकिन साथ ही यह बीमारियों का खतरा भी साथ लाता है। ऐसे में सेहत का खास ध्यान रखना जरूरी होता है, खासकर हमारी डाइट यानी खाने-पीने की आदतों का।

बारिश के कारण जगह-जगह गंदा पानी जमा हो जाता है, जिससे मच्छर पनपते हैं और डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। साथ ही, इस मौसम में हवा में नमी होती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस तेजी से फैलते हैं। ऐसे में खासतौर पर कमजोर इम्युनिटी वाले लोगों को सतर्क रहने की जरूरत होती है।

हल्का और घर का बना खाना खाएं

मानसून के समय भारी और तले-भुने खाने से बचना चाहिए। जंक फूड या ओवरऑयली खाना खाने से फूड पॉइजनिंग, गैस, कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इस मौसम में आप लौकी, करेला, टिंडा, तोरी, और दलिया जैसी हल्की चीजें खाएं। ये ना सिर्फ पचने में आसान होती हैं, बल्कि इम्युनिटी भी बढ़ाती हैं।

मौसमी फल जरूर खाएं

बारिश के समय मिलने वाले फ्रेश फल जैसे – आम, संतरा, तरबूज, खरबूजा खाने से शरीर को जरूरी पोषण और विटामिन्स मिलते हैं। ये फल आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को मजबूत करते हैं और बीमारियों से लड़ने में मदद करते हैं।

गर्म पेय पदार्थों का सेवन करें

मानसून में ठंडे ड्रिंक्स या कोल्ड ड्रिंक पीने से गला खराब, जुकाम, खांसी जैसी परेशानियां हो सकती हैं। बेहतर होगा कि आप गर्म पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक-तुलसी का काढ़ा, या हर्बल चाय पिएं। इससे शरीर हाइड्रेट भी रहेगा और इन्फेक्शन से बचाव भी होगा।

प्रोबायोटिक्स को डाइट में शामिल करें

इस मौसम में पाचनतंत्र का ख्याल रखना जरूरी है। दही और छाछ जैसे प्रोबायोटिक फूड्स पेट के लिए फायदेमंद होते हैं। ये पाचन क्रिया सुधारते हैं और आपकी गट हेल्थ को मजबूत करते हैं।

जंक फूड और स्ट्रीट फूड से दूरी बनाएं

बरसात में गंदगी और नमी के चलते बाहर के खाने में अक्सर हाइजीन की कमी होती है। इसलिए स्ट्रीट फूड, कटे-फटे फल, और बासी खाने से बचें। इससे फूड पॉइजनिंग और संक्रमण का खतरा हो सकता है। मानसून का मौसम भले ही सुहावना हो, लेकिन सेहत के लिए जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए जरूरी है कि आप साफ-सुथरा, हल्का और पोषक खाना खाएं। इम्युनिटी को मजबूत रखें और फालतू के खाने से दूरी बनाएं।

गोल्डन बूट की रेस हुई रोमांचक

- **मेसी-एम्बाप्पे को हालैंड दे रहे कड़ी टक्कर**

नई दिल्ली। नॉर्वे के स्ट्राइकर अर्लिंग हालैंड ने फीफा वर्ल्ड कप 2026 गोल्डन बूट की रेस में फ्रांस के दिग्गज किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनल मेसी को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। उन्होंने दो गोल करके ब्राजील को टूर्नामेंट से बाहर कर दिया और नॉर्वे ने राउंड ऑफ 16 का अहम मैच 2-1 से जीत लिया। उन्होंने 79वें और 90वें मिनट में गोल किए। हालैंड के अब 7 गोल हो गए हैं, जो एम्बाप्पे और मेसी के बराबर है। एम्बाप्पे 7 गोल और 2 असिस्ट के साथ फीफा वर्ल्ड कप 2026 में गोल्डन बूट की रेस में सबसे ऊपर हैं, जबकि हालैंड और मेसी दोनों के 7 गोल और 0 असिस्ट हैं। नॉर्वे के खिलाड़ी अभी तीसरे नंबर पर हैं क्योंकि मेसी ने कम मिनट में ज्यादा गोल किए हैं। इंग्लैंड के हैरी केन 5 गोल और 0 असिस्ट के साथ चौथे नंबर पर हैं, जबकि फ्रांस के ओस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबल, ब्राजील के विनीसियस जूनियर और इस्माइला सार 4-4 गोल के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

तिलक वर्मा ने अभिषेक का रिकॉर्ड तोड़ा

बने नंबर 1, टी-20 में सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले टॉप-10 भारतीय

नई दिल्ली। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के उप-कप्तान तिलक वर्मा ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में 11 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 24 रन की पारी 218.18 की स्ट्राइक रेट के साथ खेली। तिलक वर्मा ने अपनी इस पारी के दौरान टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1500 रन भी पूरे किए और वो टी20 क्रिकेट में भारत की तरफ से सबसे कम उम्र में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर भी बने।

- **तिलक वर्मा ने दो दिन बाद तोड़ा अभिषेक शर्मा का रिकॉर्ड**– इससे पहले टीम इंडिया के ओपनर अभिषेक शर्मा ने एक जुलाई को इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी20 मैच के दौरान अपने 1500 रन टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए थे और भारत की तरफ से क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में 1500 रन बनाने वाले सबसे युवा बैटर बने थे, लेकिन दो दिन के बाद ही यानी 4 जुलाई को तिलक वर्मा ने उनका रिकॉर्ड तोड़ दिया और पहले नंबर पर आ गए। तिलक वर्मा ने टी20आई में 1500 रन 23 साल 238 दिन की उम्र में पूरे किए जबकि अभिषेक ने ये कमाल 25 साल 300 दिन की उम्र में किया था और वो अब दूसरे नंबर पर आ गए।

इंग्लैंड-ऑस्ट्रेलिया फाइनल के बाद टॉप-10 बल्लेबाज व गेंदबाज

श्री चरणी का जलवा

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने रविवार (5 जुलाई) को इंग्लैंड को 7 विकेट से हराकर 7वीं बार महिला टी20 विश्व कप का खिताब जीता। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन इंग्लैंड की डैनी व्याट हॉज ने बनाए। उन्होंने 302 रन बनाए ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी दूसरे नंबर पर रहीं। उन्होंने 238 रन बनाए। इंग्लैंड की नट साइवर ब्रंट तीसरे नंबर पर रहीं। टॉप-10 बल्लेबाजों में दो भारतीय स्मृति मंधाना और शैफाली वर्मा भी हैं। स्मृति ने 205 और शैफाली ने 179 रन बनाए। टॉप-10 गेंदबाजों की बात करें तो भारतीय स्पिनर श्री चरणी शीर्ष पर रहीं। उन्होंने 15 विकेट लिए। इंग्लैंड की सोफी मोलिन्यू दूसरे, पाकिस्तान की फातिमा सना तीसरे नंबर रही। दोनों ने 1-1 विकेट लिए। इंग्लैंड सोफी एक्लेस्टोन चौथे और हेली मैथ्यूज चौथे नंबर पर रहीं। दोनों ने 10-10 विकेट लिए। इंग्लैंड की शार्लेट डीन ने भी 10 विकेट झटके।

ऑस्ट्रेलिया ने रिकॉर्ड 7वीं बार जीता खिताब

फाइनल में इंग्लैंड को 7 विकेट से हराया

लंदन (एजेंसी)। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच लॉर्ड्स में खेला गया। इस मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया ने बेथ मूनी और फीबी लिचफील्ड की शानदार पारी व शतकीय साझेदारी के दम पर मैच को 7 विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने 7वीं बार महिला टी20 वर्ल्ड कप खिताब जीतने का गौरव हासिल किया। इंग्लैंड का अपने घर में चैंपियन बनने का सपना टूट गया और उसे उप-विजेता बनकर संतोष करना पड़ा। फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया था और इसके बाद इंग्लैंड की टीम ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 150 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 151 रन का टारगेट दिया। इसके जवाब में ऑस्ट्रेलिया ने 17.1 ओवर में 3 विकेट पर 153 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ऑस्ट्रेलिया की पारी में बेथ मूनी का शानदार अर्धशतक

ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम की ओपनर जॉर्जिया वोल 9 रन के स्कोर पर अपना विकेट गंवा बैठीं। फीबी लिचफील्ड ने 35 गेंदों पर 48 रन की पारी खेली और आउट हो गईं, लेकिन उन्होंने दूसरे विकेट के लिए बेथ मूनी के साथ मिलकर 67 गेंदों पर 100 रन की साझेदारी की। बेथ मूनी ने अपना अर्धशतक 38 गेंदों पर पूरा किया और उन्होंने 49 गेंदों पर 64 रन की शानदार पारी खेली। एलिस पेरी 13 रन बनाकर जबकि एश्ले गार्डनर 3 रन बनाकर नाबाद रहीं। इंग्लैंड के लिए शार्लेट डीन, लॉरेन बेल और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिए।

इंग्लैंड की घर में पहली हार

- **ऑस्ट्रेलिया तीसरी बार बगैर हारे बना चैंपियन, बेथ मूनी ने रचा इतिहास**

महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में इंग्लैंड की टीम रविवार (5 जुलाई) को पहली बार घरेलू सरजमीं पर हारी और दूसरी बार खिताब जीतने का उसका सपना टूट गया। वह घरेलू सरजमीं पर महिला टी20 विश्व कप में 12 मैच में 11 जीत दर्ज की है। वह पहली बार अपनी मेजाबनी में विश्व कप हारी। ऑस्ट्रेलिया ने उसका विजय रथ रोककर 7वीं बार खिताब अपने नाम किया। वह तीसरी बार टूर्नामेंट में एक भी मैच हारे बगैर चैंपियन बनी।

ऑस्ट्रेलिया की जीत में बेथ मूनी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लगातार तीसरी बार फाइनल में अर्धशतक लगाया। बेथ मूनी महिला टी20 वर्ल्ड कप में दो बार प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली पहली खिलाड़ी भी बनीं। इससे पहले वह 2020 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं। पुरुषों में यह रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है।

प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

मूनी टी20 वर्ल्ड कर फाइनल (2023 और 2026) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मार्लन सैमुअल्स पुरुषों (2012 और 2016) में दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले अकेले खिलाड़ी हैं। मूनी महिला टी20 विश्व कप के एक संस्करण में फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट खिताब जीतने वाली दूसरी खिलाड़ी बनीं। 2024 में अमेलिया केर भी फाइनल की प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

दासुन शनाका ने 4 गेंद पर झटके 4 विकेट, चेन्नई सुपर किंग्स की टीम हारी

नई दिल्ली। मेजर लीग क्रिकेट 2026 में दासुन शनाका ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की टीम टेक्सास सुपर किंग्स के खिलाफ सिएटल ऑर्कस को जीत दिला दी। टेक्सास सुपर किंग्स को आखिरी ओवर में 15 रन चाहिए थे। शनाका ने 4 गेंद पर 4 विकेट झटके और टेक्सास सुपर किंग्स ने 9 रन से जीत दर्ज की।

जीत के लिए 122 रन का पीछा करते हुए टेक्सास सुपर किंग्स ने आखिरी ओवर में 107 रन पर 5 विकेट गंवा दिए थे। डोनोवन फरेरा और शुभम रंजना क्रीज पर थे। फरेरा ने 19वें ओवर में एक चौका और एक छक्का लगाया था। फिर रंजना ने आखिरी ओवर की पहली गेंद पर शनाका को चौका जड़ा, जिससे पांच गेंदों पर 11 रन चाहिए थे।

शनाका ने फरेरा, सैवेज, मिल्ने और डी सिल्वा को आउट किया– दो गेंद बाद फरेरा एक धीमी गेंद पर आउट हो गए। फिर केल्विन सैवेज लॉन्ग-ऑन पर कैच आउट हुए। एडम मिल्ने ने हैट्रिक गेंद का सामना किया और बड़े शॉट के प्रयास में आउट हो गए। शनाका ने आखिरी गेंद पर अमशी डी सिल्वा को शिमरोन हेटमायर के हाथों कैच करा दिया।

नेमार ने लिया संन्यास

पेले के क्लब में हुए शामिल

नॉर्वे से हारकर ब्राजील बाहर

न्यूजर्सी (एजेंसी)।। ब्राजील के सर्वकालिक शीर्ष गोल स्कोरर नेमार जूनियर ने रविवार (5 जुलाई) को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी। उन्होंने यह ऐलान ब्राजील के फीफा वर्ल्ड कप 2026 से बाहर होने के बाद की। नॉर्वे के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में उसे 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। 1990 के बाद पहली बार ब्राजील इतना जल्दी वर्ल्ड कप से बाहर हुआ है।

नेमार ने अतिरिक्त समय के 10वें मिनट में पेनल्टी से मैच का एकमात्र गोल दागा, जिससे ब्राजील के लिए 130 मैचों में उनके गोलों की संख्या 80 हो गई, साथ ही उन्होंने 59 असिस्ट भी किए। दिग्गज पेले के मुकाबले उन्होंने 3 गोल ज्यादा किए हैं। वह पेले के अलावा चार विश्व कप में गोल करने वाले दूसरे ब्राजीलियाई खिलाड़ी बने। नेमार ने ब्राजील के लिए 130 मैच खेले। कैफू ने (142) उनसे ज्यादा मैच खेले हैं।

नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए

न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में आखिरी सीटी बजने के बाद नेमार रोते हुए जमीन पर बैठ गए। साथी खिलाड़ियों ने उन्हें मनाया। मैच के बाद उन्होंने पत्रकारों से कहा, 'मैंने कोशिश की। इसकी शुरुआत मेट लाइफ स्टेडियम में हुई और यहीं इसका अंत हुआ।' नेमार ने अगस्त 2010 में मेटलाइफ स्टेडियम में अमेरिका के खिलाफ एक फ्रेंडली मैच में ब्राजील के लिए डेब्यू किया और अपना पहला इंटरनेशनल गोल किया।

नेमार की फिटनेस बनी समस्या– फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले नेमार की फिटनेस चर्चा का विषय बनी हुई थी, लेकिन चिंताओं के बावजूद मुख्य कोच कार्लो एंसेलोटी ने उन्हें 26 सदस्यीय टीम में शामिल किया। दाहिने पैर की पिंडली में चोट लगने की वजह से नेमार टूर्नामेंट में ब्राजील के पांच मैचों में से सिर्फ दो में ही खेले। वह ग्रुप प्ले में स्कॉटलैंड के खिलाफ 15 मिनट तक मैदान पर रहे और नॉर्वे के खिलाफ 67वें मिनट में मैदान पर आए।

'उन्हें जेल में देखकर बहुत बुरा लगता है'

- **पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर इमरान खान को लेकर कपिल देव ने जाहिर किया अपना दर्द**

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान व पीएम इमरान खान को लेकर अपने मन की बात कही। एक इंटरव्यू के दौरान कपिल देव ने इमरान खान को लेकर खुलकर बातें की और बताया कि वो किस तरह से इंसान थे। कपिल देव ने साफ तौर पर कहा कि एक ऐसा खिलाड़ी जिसने अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीता और फिर देश का प्रधानमंत्री भी बना उसके साथ इस तरह का व्यवहार देखकर बुरा लगता है।

इमरान की लाइफ स्टाइल को छू भी नहीं सकते

कपिल देव ने स्पोर्ट्स तक पर इंटरव्यू के दौरान पूछा गया कि क्या आपकी इमरान से दोस्ती थी तो उन्होंने कहा कि मैं ऐसा तो नहीं कहूंगा, लेकिन जब जरूरत होती थी हम बैठकर बात करते थे। वो भी पंजाबी थे और मुझे भी पंजाबी समझ में आती थी तो हम आसानी से एक-दूसरे की बात समझ लेते थे। इमरान खान की लाइफ स्टाइल को तो हम छू भी नहीं सकते। उनका लाइफस्टाइल काफी अलग था और ऐसा हमेशा रहा। इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के दौरान भी ऐसा ही था।

'मेरे साथ कई बार धोखा हुआ'

पृथ्वी शॉ की मंगेतर आकृति ने किसके लिए लिखा ऐसा, क्या दोनों की राहें हुई जुदा?

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर पृथ्वी शॉ एक बार फिर से चर्चा में हैं। रविवार को उनकी मंगेतर आकृति अग्रवाल ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर की जिसमें उन्होंने दावा किया कि उन्हें एक बार नहीं बल्कि कई बार धोखा दिया गया है। आकृति के इस पोस्ट के बाद पृथ्वी शॉ और उनके रिश्ते को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। आईपीएल 2026 सीजन से पहले जब दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें खिलाड़ियों की नीलामी में खरीदा था उससे पहले ही पृथ्वी शॉ और आकृति अग्रवाल की सगाई हो गई थी।

क्या पृथ्वी और आकृति में हुआ अलगाव

आकृति ने क्रिकेटर पृथ्वी के साथ अपने रिश्ते को दिखाने के लिए अपने ऑफिशियल अकाउंट से कई पोस्ट शेयर किए थे। क्रिकेट फैंस को आकृति और पृथ्वी के रिश्ते के बारे में अच्छी तरह से पता है, लेकिन इन सारी बातों के बीच आकृति ने जो पोस्ट शेयर किया वो किसके लिए है ये बड़ा सवाल है। क्या दोनों की राहें जुदा हो गई है, हालांकि अब तक आधिकारिक तौर पर ऐसी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। आकृति ने अपने पोस्ट में लिखा कि मेरे साथ कई बार धोखा हुआ, फिर भी मैंने कभी कुछ नहीं कहा। अभी भी यकीन नहीं होता कि एक कदम आगे बढ़ने के बाद... सब कुछ सच है, हर अफवाह सच है। सोशल मीडिया पर आप उनके बारे में जो कुछ भी देखते हैं। जब आकृति ने लिखा कि सब सच है तो इंटरनेट यूजर्स ने आकृति और पृथ्वी के रिश्ते में कुछ गड़बड़ होने का अंदाजा लगाना शुरू कर दिया। हालांकि आकृति ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में किसी का नाम नहीं लिया। फिलहाल ना तो आकृति और ना ही पृथ्वी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान आया है। दोनों में से किसी की भी तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न मिलने के कारण लोगों को यह नहीं पता चला है कि आकृति को सार्वजनिक रूप से इतना दुखद संदेश क्यों साझा करना पड़ा। क्या सगाई के बाद भी उनका ब्रेकअप हो गया है ये सवाल सबके मन में कौंध रहा है।

नितिन नवीन को लेकर भाजपा और आप में जुबानी जंग

-पीएम मोदी और अरविंद केजरीवाल के बीच सोशल मीडिया पर हुई तकरार
-आप कौन हैं, टिप्पणी से शुरू हुआ था विवाद, राम मंदिर मुद्दे तक पहुंचा राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच सोशल मीडिया पर शुरू हुई जुबानी जंग अब और तेज हो गई है। विवाद की शुरुआत आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की एक टिप्पणी से हुई थी, जिसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना नाम लिए प्रतिक्रिया दी। इसके जवाब में केजरीवाल ने भी प्रधानमंत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए राम मंदिर से जुड़े मुद्दे उठाए हैं।

यहां बताते चलें कि पूरा विवाद रविवार को उस समय शुरू हुआ, जब भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन लखनऊ दौरे पर शक्ति केंद्र संयोजक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। अपने संबोधन में उन्होंने कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि राहुल गांधी, अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल यह भ्रम न पालें कि हिंदू समाज उनके बहकावे में आने वाला है।

नितिन नवीन के इस बयान से संबंधित भाजपा की एक पोस्ट को रीपोस्ट करते हुए दिल्ली के पूर्व सीएम और आप संयोजक अरविंद केजरीवाल ने संक्षिप्त टिप्पणी की, आप कौन हैं? इसके बाद यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुई और चर्चा का विषय बन गई। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पत्रकार पीयूष पद्माकर की एक पोस्ट का स्क्रीनशॉट साझा करते हुए लिखा कि यह सादगी और सरलता हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए गर्व की बात है। पीयूष पद्माकर ने अपनी पोस्ट में नितिन नवीन के छात्र जीवन और राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए उन्हें विनम्र और सरल व्यक्तित्व का नेता बताया था। राजनीतिक हलकों में प्रधानमंत्री की इस पोस्ट को केजरीवाल की टिप्पणी का अप्रत्यक्ष जवाब माना गया। प्रधानमंत्री मोदी की पोस्ट के बाद अरविंद केजरीवाल ने भी सोशल मीडिया मंच एक्स पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री ने नितिन नवीन के बारे में जानकारी देने के लिए धन्यवाद, लेकिन साथ ही सवाल किया कि देश यह जानना चाहता है कि राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी, जमीन घोटाले और निर्माण में कथित अनियमितताओं के आरोपों में कार्रवाई कब होगी और दोषियों को सजा क्यों नहीं दी जा रही है।

केजरीवाल की इस प्रतिक्रिया के बाद राम मंदिर से जुड़े मुद्दे भी राजनीतिक बहस का हिस्सा बन गए हैं। फिलहाल भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच सोशल मीडिया के जरिए आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जिससे राजनीतिक माहौल और गर्म हो गया है।

भारत की शरण में तिब्बती संघर्ष- दलाई लामा के 91वें जन्मदिन पर विशेष

नई दिल्ली (एजेंसी)। बौद्ध धर्मगुरु दलाई लामा अपना 91वां जन्मदिन मना रहे हैं। खुद को एक साधारण भिक्षु कहने वाले दलाई लामा ने बीते 60 सालों से अधिक समय से तिब्बत के लोगों और उनके हितों के लिए अथक प्रयास किए हैं। इस वैश्विक संघर्ष में भारत उनकी कर्मभूमि रहा है, जिसने उनके मिशन को एक नया जीवन दिया। 14वें दलाई लामा, ल्हामो धोंदुप का जन्म 06 जुलाई 1935 को किंघई प्रांत के एक किसान परिवार में हुआ था और महज दो साल की उम्र में उन्हें तिब्बत के आध्यात्मिक नेता के 14वें अवतार के रूप में पहचाना गया। साल 1950 में चीन ने तिब्बत पर शांतिपूर्ण मुक्ति का दावा कर कब्जा किया। किशोर दलाई लामा ने शुरुआती दौर में चीनी नेताओं से मुलाकातें कीं, लेकिन तिब्बत में चीनी दमन और ज्यादतियां जल्द ही मुखर होने लगीं। मार्च 1959 में, दलाई लामा को बिना अंगरक्षक के एक चीनी जनरल द्वारा नृत्य प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया, इस आंमत्रण ने अपहरण की आशंकाओं को जन्म दिया। हजारों तिब्बतियों ने उनके महल के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, और चीनी हमले की अफवाहों के बीच 17 मार्च 1959 की रात को, तत्कालीन 23 वर्षीय दलाई लामा को सैनिक वेश में अपने परिवार और शीर्ष अधिकारियों के साथ ल्हासा से भागना पड़ा। उन्होंने भारतीय वाणिज्य दूत से भारत में शरण का अनुरोध किया। भारत ने, तिब्बत को हमेशा एक स्वतंत्र देश मानते हुए (हालांकि 1954 में पंचशील समझौते के तहत चीन के तिब्बत क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया गया था), दलाई लामा का स्वागत किया। कुछ समय अरुणाचल प्रदेश के तवांग मठ में रुकने के बाद, पंडित नेहरू से मुलाकात के बाद 03 अप्रैल 1959 को उन्हें औपचारिक रूप से शरण दी गई। हिमाचल प्रदेश का धर्मशाला जल्द ही चीनी दमन से भाग रहे हजारों तिब्बती शरणार्थियों का घर बन गया और दलाई लामा ने भी वहीं स्थायी निवास बनाकर निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना की। भारत के इस साहसिक कदम ने चीन को नाराज कर दिया।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड- इस 'पाप' में शामिल हर व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी : महंत नृत्य गोपाल दास

अयोध्या(एजेंसी)। (ईएमएस)। राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी मामले को लेकर जारी विवाद के बीच सोमवार को हुई श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक से पहले ट्रस्ट अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास ने पहली बार सार्वजनिक प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि राम मंदिर में हुई कथित चोरी की घटना से वह बेहद आहत हैं और उन्हें विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस मामले में दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलाएंगे। बैठक से पहले जारी बयान में महंत नृत्य गोपाल दास ने कहा कि यह केवल चोरी का मामला नहीं, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की आस्था से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी भी व्यक्ति को निजी लाभ या राजनीतिक उद्देश्य से बयानबाजी नहीं करनी चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कथित 'पाप' में शामिल प्रत्येक व्यक्ति के खिलाफ कठोर कार्रवाई होगी। सूत्रों के मुताबिक महंत नृत्य गोपाल दास हाल ही में स्वास्थ्य संबंधी कारणों से लखनऊ के मेदांता अस्पताल में भर्ती हुए थे। तीन जुलाई को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बावजूद उनके सोमवार की बैठक में शामिल होने की संभावना नहीं है। पहले उनके वर्चुअल माध्यम से जुड़ने की चर्चा थी, लेकिन अब इसके भी संकेत नहीं हैं।

गुजरात में शेरनी ने किया किसान पर हमला : आधे घंटे तक रहा जबड़े में हाथ

भावनगर (एजेंसी)। गुजरात के भावनगर जिले के गरजिया गांव में सोमवार सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई, जब एक शेरनी ने कालूभाई बोगभाई परमार नामक किसान पर हमला किया। कालूभाई जब सुबह 10:30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहे थे, तभी शेरनी ने पीछे से उनकी पीठ पर वार कर उन्हें जमीन पर गिरा दिया। इसके बाद शेरनी ने उनका हाथ करीब आधे घंटे तक अपने जबड़े में दबाए रखा। कालूभाई ने अपनी जान बचाने के लिए लगातार संघर्ष किया और शेरनी को खरोंचा, जिसके बाद उसने उनका हाथ छोड़ दिया। घायल होने के बावजूद कालूभाई तुरंत वहां से भागने में सफल रहे। हमले से कुछ देर पहले, शेरनी ने हेमूभाई गढ़वी नामक एक अन्य व्यक्ति पर भी हमला करने की कोशिश की थी। हेमूभाई ने बताया कि शेरनी उनकी भैंस के पास थी और जब उन्होंने भगाने की कोशिश की, तब वह सीधे उनकी ओर दौड़ी। वे बाल-बाल बचे और भागकर अपने भाई के घर में घुसकर दरवाजा बंद किया। यह घटना तब हुई है जब भावनगर जिला, गिर नेशनल पार्क के निकट होने के कारण, अक्सर जंगली शेरों की रिहायशी इलाकों और खेतों में मौजूदगी से जूझता रहता है। इस घटना के बाद गरजिया गांव और आसपास के इलाकों के पशुपालकों में अपने पशुओं और परिवार की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता और दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने तत्काल वन विभाग को सूचना दी, जिसके बाद टीम डेढ़ घंटे के भीतर मौके पर पहुंच गई और शेरनी को पकड़ने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। पालीताना तालुका पंचायत सदस्य चेतन डाभी ने वन विभाग से अपील की है कि वे इस क्षेत्र के शेरों को सुरक्षित रूप से जंगल में वापस छोड़ दें, क्योंकि ग्रामीण कई बार सुरक्षा व्यवस्था की कमी के बारे में सूचित कर चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

भैरव बाबा के मंदिर में वीआईपी दर्शन से 45 दिन में 3.09 करोड़ की आय

उज्जैन (एजेंसी)। काल भैरव मंदिर में श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए शुरू की गई 500 रुपये की वीआईपी (शीघ्र दर्शन) व्यवस्था मंदिर प्रबंधन के लिए आय का बड़ा माध्यम बन गई है। 20 मई से 3 जुलाई तक 45 दिनों में इस व्यवस्था से मंदिर को 3 करोड़ 9 लाख 27 हजार रुपये की आय हुई है। मंदिर प्रबंधन के अनुसार वीआईपी श्रद्धालुओं के लिए अलग प्रवेश मार्ग बनाया गया है, जिससे सामान्य दर्शन व्यवस्था भी सुचारु बनी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि प्राप्त आय का उपयोग मंदिर की सुविधाओं, रखरखाव और श्रद्धालुओं के लिए बेहतर व्यवस्थाएं विकसित करने में किया जाएगा।

दक्षिण के चार राज्यों में हटे 22.14 लाख मतदाताओं के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान के तहत दक्षिण भारत के चार राज्यों की ड्राफ्ट मतदाता सूची से कुल 22.14 लाख मतदाताओं के नाम हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के अनुसार यह कार्रवाई मतदाता सूची को अधिक सटीक और अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई है। हटाए गए नामों में कर्नाटक के 6.12 लाख, आंध्र प्रदेश के 5.80 लाख, तमिलनाडु के 5.40 लाख और तेलंगाना के 4.82 लाख मतदाता शामिल हैं। आयोग का कहना है कि यह केवल ड्राफ्ट सूची है और अंतिम सूची जारी होने से पहले सभी दावों एवं आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। जिन मतदाताओं के नाम सूची से हट गए हैं, वे निर्धारित प्रक्रिया के तहत दावा या आपत्ति दर्ज कराकर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने पर उनके नाम दोबारा मतदाता सूची में जोड़े जाएंगे। चुनाव आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि वे समय रहते अपनी मतदाता जानकारी की जांच करें और किसी भी त्रुटि की स्थिति में निर्धारित अवधि के भीतर आवेदन अवश्य करें।

कर्नाटक में बिना हेडलाइट चल रही बसें , विपक्ष ने लगाए सरकार पर अनदेखी के आरोप

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में सरकारी बस सेवाओं को लेकर विवाद गहरा गया है। सोशल मीडिया पर सामने आए कुछ वीडियो और तस्वीरों में दावा किया गया कि कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम की कुछ बसें हेडलाइट खराब होने से रात में मोबाइल की टॉर्च के सहारे चलाई जा रही हैं। दावा किया जा रहा है राज्य सरकार के पास फंड नहीं है, जिसके चलते इन बसों की लाइटों को ठीक नहीं करवाया गया। हालांकि इस पूरे मामले को लेकर विपक्ष ने राज्य सरकार पर परिवहन व्यवस्था की अनदेखी के आरोप लगाए हैं। वहीं इस पूरे मामले में केंद्रीय मंत्री एचडी कुमारास्वामी ने एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि भारी उद्योग मंत्रालय ने पीएम ई-ड्राइव स्कीम के तहत 4,500 इलेक्ट्रिक बसें आवंटित की थीं। दिसंबर 2025 में ही कन्फर्मेशन मिलने के बावजूद राज्य सरकार लेटर ऑफ अवार्ड तक जारी नहीं कर पाई है, जिससे पूरी प्रक्रिया रुकी गई है।

करूर भगदड़: सीएम और मंत्रियों की बयानबाजी रोकने की याचिका पर आज सुनवाई

– डीएमके नेता आरएस भारती ने दायर की याचिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट तमिलनाडु के करूर भगदड़ मामले में मंगलवार को सुनवाई करेगा। यह सुनवाई द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा दाखिल की गई याचिका पर होगी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि राज्य के मुख्यमंत्री विजय और कुछ मंत्री सीबीआई जांच को प्रभावित करने वाले सार्वजनिक बयान दे रहे हैं। जस्टिस अहसनुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस शील नागु की पीठ महत्वपूर्ण मामले को सुनेगी, जिसमें गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और मंत्रियों की बयानबाजी पर तत्काल रोक लगाने की मांग की गई है।

दरअसल डीएमके नेता आरएस भारती ने अपनी याचिका में मंत्री आधव अर्जुन के बयानों का हवाला दिया है, जो इस मामले में खुद एक आरोपी हैं। याचिका में कहा गया है कि अर्जुन ने हाल ही में सार्वजनिक कार्यक्रम में हिसाब बराबर करना है जैसे भड़काऊ बयान दिए और करूर भगदड़ के लिए पिछली डीएमके सरकार को जिम्मेदार ठहराया। डीएमके का आरोप है कि इसतरह के बयान जांच प्रक्रिया में हस्तक्षेप करते हैं और राजनीतिक लाभ के लिए जनता की राय को प्रभावित करने का प्रयास है, जो सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में चल रही सीबीआई जांच के लिए अनुचित है।

याचिका में मुख्यमंत्री विजय के आगामी करूर दौरे पर भी चिंता जाहिर की गई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय 10 जुलाई को करूर जाकर भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों को सरकारी सहायता और अनुकंपा नियुक्तियां प्रदान कर सकते हैं। डीएमके का मानना है कि यह कदम भी जांच को प्रभावित कर सकता है और पीड़ितों या उनके परिवारों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। डीएमके की याचिका में कोर्ट से आग्रह किया गया है कि सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सभी संबंधित पक्षों, विशेषकर सत्ता में बैठे लोगों को सार्वजनिक बयानबाजी से रोका जाए।

यह मामला बीते साल 27 सितंबर को करूर जिले में हुई एक भीषण भगदड़ से जुड़ा है। मुख्यमंत्री विजय की एक चुनावी रैली के दौरान भारी भीड़ और कथित कुप्रबंधन के कारण हुई घटना में 41 लोगों की जान चली गई थी और 100 से अधिक घायल हो गए थे। सुप्रीम कोर्ट ने बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपी थी, जिसकी निगरानी पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी के नेतृत्व वाली एक समिति कर रही है।

इजरायली पीएम नेतन्याहू ने की भारत की तारीफ... कांग्रेस को लगी मिर्ची

मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल ही में अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर भारत और भारतीयों की जमकर तारीफ की थी। उपराष्ट्रपति वेंस ने इजरायल को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़ने की बात कही थी, जिसके जवाब में नेतन्याहू ने दावा किया था कि मित्र राष्ट्र भारत इजरायल के साथ मजबूती से खड़ा है। हालांकि, उनके बयान ने भारतीय राजनीति में हलचल मचा दी है। कांग्रेस ने न केवल नेतन्याहू,बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी निशाने पर लेकर भारत के मूल्यों से विश्वासघात बताया है।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नेतन्याहू के दावे को सीधे तौर पर खारिज किया कि उन्हें भारत से जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस नेता रमेश ने लिखा, पीएम नेतन्याहू गलत हैं। उन्होंने मोदी सरकार पर इजरायल के प्रति अंधभक्ति का आरोप लगाकर कहा कि करोड़ों भारतीय इजरायल द्वारा गाजा में किए जा रहे नरसंहार की निंदा करते हैं, जिसमें बच्चों को भी बख्शा नहीं गया है। कांग्रेस नेता रमेश ने वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनियों के जबरन विस्थापन, ईरान पर भारी हवाई हमलों और दक्षिणी लेबनान में क्रूर सैन्य हमलों की भी कड़ी निंदा की। उन्होंने इन कार्रवाइयों को मानवता पर सीधे हमले बताया।

कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी की पत्थर जैसी चुप्पी को भारत की सभ्यतागत विरासत और मूल्यों के साथ विश्वासघात बताया। उनके अनुसार, स्वयंघोषित विश्वगुरु की इजरायल की इन कार्रवाइयों पर ऐसी चुप्पी पूरी तरह अस्वीकार्य है। कांग्रेस नेता रमेश ने स्पष्ट किया कि नेतन्याहू जैसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े नेता से तमगा मिलना भारत के लिए कोई सम्मान की बात नहीं है। उन्होंने दावा किया कि नेतन्याहू के प्रति खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी अपना अच्छा मित्र मानते हैं, निराशा और गुस्से में हैं।

दरअसल, पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध रोकने की डील को लेकर इजरायल और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन में मतभेद सामने आए। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने इजरायली पीएम नेतन्याहू से कहा था कि उन्हें समझना चाहिए कि इजरायल अब दुनिया में अलग-थलग पड़ चुका है और उसे केवल अमेरिका जैसी बड़ी ताकत का साथ मिल रहा है। वेंस के बयान पर प्रतिक्रिया देकर नेतन्याहू ने अमेरिका को याद दिलाया कि भारत जैसे विशाल और शक्तिशाली देश के लोगों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त है। कांग्रेस को बेंजामिन नेतन्याहू की यही बात खटक गई और केंद्र सरकार को घेर लिया है।

एलओसी पर मंडराता नजर आया पाक ड्रोन, भारतीय सेना ने चलाया तलाशी अभियान

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिलों में आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारों की तस्करी के लिए पाकिस्तानी साजिशें थमने का नाम नहीं ले रही हैं। सोमवार तड़के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) से सटे अग्रिम इलाकों में एक बार फिर संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन की हलचल देखी गई। ड्रोन की इस संदिग्ध गतिविधि के बाद भारतीय सेना और स्थानीय पुलिस ने पूरे इलाके को घेरकर एक बड़े स्तर पर तलाशी अभियान की शुरुआत की है। अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक यह घटना रविवार देर रात की है, जिसके बाद सोमवार सुबह होते ही सुरक्षाबलों ने चप्पे-चप्पे को खंगालना शुरू कर दिया। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक रविवार और सोमवार की दरमियानी रात राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर के अग्रिम गांवों मीनका और बेरीपट्टन के आसमान में एक उड़ती हुई संदिग्ध वस्तु देखी गई। यह वस्तु हूबहू एक सैन्य या जासूसी ड्रोन जैसी लग रही थी। एलओसी के बिल्कुल करीब स्थित इन गांवों के ऊपर यह ड्रोन कुछ समय तक मंडराता रहा। भारतीय सीमा में घुसपैठ करने के कुछ ही मिनटों बाद यह संदिग्ध ड्रोन वापस पाकिस्तान की सीमा की ओर लौट गया। सीमा पर तैनात सतर्क जवानों ने जैसे ही इसकी भिनभिनाहट सुनी और रोशनी देखी, तुरंत पूरे सुरक्षा तंत्र को हाई अलर्ट पर डाल दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के वापस लौट जाने के तुरंत बाद सुरक्षाबलों ने बिना वक्त गंवाए मीनका और बेरीपट्टन समेत आसपास के पूरे जंगली और मैदानी इलाके की घेराबंदी कर दी। सोमवार सुबह पहली किरण के साथ ही सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवानों ने संयुक्त रूप से तलाशी अभियान शुरू किया। आमतौर पर सीमा पार से आने वाले इन ड्रोनों का इस्तेमाल पाकिस्तान में बैठे आतंकी आका दो मुख्य मकसदों के लिए करते हैं। घाटी में सक्रिय आतंकियों के लिए आईईडी, पिस्तौल, ग्रेनेड या अत्याधुनिक राइफलें गिराना।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी का ज़िक्र कर पीएम मोदी के अंतर्राष्ट्रीय सम्मानों पर उठाए सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत द्वारा मानसिक रूप से अस्थिर बताए जाने के बाद पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने बौखलाहट में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अंतराष्ट्रीय सम्मानों की विश्वसनीयता पर सवाल उठा दिया हैं। उन्होंने कहा कि उन पर निजी हमले न, तब भारत की समस्याओं का समाधान करे और न ही देश-विदेश में पीएम मोदी की गिरती साख को बहाल करे। भारतीय मिसाइल हमलों को रोकने में विफल रहने वाले आसिफ ने फिर भारत पर प्रोपेगेंडा फैलाने का आरोप लगाकर दावा किया कि उन पर किए जा रहे हमले मोदी की अंतराष्ट्रीय छवि और उन्हें मिले विदेशी सम्मानों से जुड़े सवालों से ध्यान भटकाने की कोशिश है।

अपने पोस्ट में ख्वाजा आसिफ ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का जिक्र किया, जिन्होंने पहले पीएम मोदी को मिले पुरस्कारों की आलोचना की थी। आसिफ ने दावा किया कि राहुल गांधी भी मोदी को मिले पुरस्कारों को एआई-जनरेटेड या खुद से मैनेज किए बता चुके हैं, जिससे एक वैश्विक धोखेबाज के रूप में उनकी प्रतिष्ठा बढ़ी है। पाकिस्तानी मंत्री ने रिपोर्ट का हवाला देकर कहा कि विदेशी अखबार ने भी मोदी को मिले कुछ पुरस्कारों की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने लिखा कि मोदी के विदेशों से नकली सम्मान हासिल करने के हताश प्रयास उनकी उस साख को स्थिर करने की कोशिश है, जो देश में दयनीय रूप से अस्थिर है, खासकर पिछले साल पाकिस्तान से मिली हार के बाद।

दरअसल, पाकिस्तानी सूचना मंत्री अताउल्लाह तरार और रक्षा मंत्री आसिफ जैसे कई पाकिस्तानी नेता प्रधानमंत्री मोदी को दुनिया के देशों से मिले सर्वोच्च सम्मानों को पचा नहीं पा रहे हैं। वे मोदी पर इन सम्मानों को सोच-समझकर किए गए जनसंपर्क अभियान में बदलने का आरोप लगाते हैं। जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वर्ष 2016 से अब तक दुनिया के 34 विभिन्न देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों से सर्वोच्च नागरिक और राजकीय सम्मान मिल चुके हैं। वह इतिहास में सबसे अधिक अंतरराष्ट्रीय सम्मान पाने वाले भारतीय नेता हैं। पीएम मोदी को नॉर्वे, स्वीडन, इजरायल, रूस (सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ सेंट एंड्रयू द अपोस्टल), फ्रांस (सर्वोच्च नागरिक और सैन्य सम्मान), अमेरिका (लीजन ऑफ मेरिट-चीफ कमांडर डिग्री), कुवैत, मिस्र, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, बहरीन, मालदीव, फिलीस्तीन और अफगानिस्तान जैसे देशों से सर्वोच्च सम्मान प्राप्त हुए हैं।

भरत तिवारी एनकाउंटर पर अलग-थलग पड़े अशोक चौधरी

–मंत्री के बयान से जेडीयू ने बनाई दूरी, न्यायिक जांच के बीच सियासी हलचल तेज

पटना (एजेंसी)। भोजपुर जिले के बिलौटी गांव के भरत तिवारी कथित एनकाउंटर मामले को लेकर जनता दल (यूनाइटेड) के भीतर अलग-अलग राय सामने आती दिख रही है। बिहार सरकार के मंत्री अशोक चौधरी द्वारा एनकाउंटर पर सवाल उठाने और पीड़ित परिवार से मुलाकात के बाद अब उनकी ही पार्टी ने उनके बयान से दूरी बना ली है। जेडीयू के वरिष्ठ नेता और मंत्री श्रवण कुमार ने स्पष्ट किया है कि अशोक चौधरी की टिप्पणियां उनकी व्यक्तिगत राय हैं, न कि पार्टी या बिहार सरकार का आधिकारिक रुख।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक श्रवण कुमार ने कहा, कि भरत तिवारी के घर अशोक चौधरी का दौरा भी निजी था और उसे सरकार या पार्टी के रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए यह भी कहा कि सार्वजनिक जीवन में नेताओं को सोच-समझकर बयान देना चाहिए, ताकि किसी तरह का भ्रम पैदा न हो। दरअसल, अशोक चौधरी ने 5 जुलाई को भोजपुर जिले के बिलौटी गांव पहुंचकर भरत तिवारी के परिजनों से मुलाकात की थी। इस दौरान उन्होंने कथित मुठभेड़ पर सवाल उठाए थे और भरत तिवारी को बहादुर संतान बताते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई तथा निष्पक्ष जांच की बात कही थी। उन्होंने परिवार को न्याय दिलाने का भरोसा भी दिया था।

मुलाकात के बाद अशोक चौधरी ने कहा था कि उन्हें मामले के कई ऐसे पहलुओं की जानकारी मिली है, जिनसे वे पहले अवगत नहीं थे। उन्होंने कहा कि वह इन सभी तथ्यों से मुख्यमंत्री को अवगत कराएंगे और पूरे घटनाक्रम की जानकारी साझा करेंगे। उन्होंने पीड़ित परिवार को आश्वस्त किया कि मामले में निष्पक्ष जांच होगी और न्याय सुनिश्चित किया जाएगा। गौरतलब है कि भोजपुर जिले में 17 जून को हुई कथित पुलिस मुठभेड़ में भरत तिवारी की मौत के बाद इस मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया था। बढ़ते विवाद के बीच बिहार सरकार पहले ही इस घटना की न्यायिक जांच के आदेश दे चुकी है। अब अशोक चौधरी के बयान से पार्टी द्वारा दूरी बनाए जाने के बाद इस मुद्दे पर जेडीयू के भीतर मतभेद की चर्चा भी तेज हो गई है।

केतन हत्याकांड: सिया ने राजा रघुवंशी केस और कस्टडी में हिंसा पर की थी रिसर्च

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात को अंजाम देने से पहले इंदौर के चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड का गहन अध्यान किया था। पुलिस ने सिया के मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से पता लगाया है कि सिया ने पुलिस हिरासत में महिलाओं के साथ मारपीट की संभावनाओं पर भी इंटरनेट पर सर्च किया था। यह चौंकाने वाली जानकारी सिया के दोनों मोबाइल फोन की जांच से सामने आई है, जिसमें से एक हाल ही में उसके बेडरूम से जब्त किया है।

सिया और उसके प्रेमी चेतन चौधरी पर 18 जून को केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का देने का आरोप है। फिलहाल दोनों आरोपी 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस के मुताबिक, घटना के अगले ही दिन सिया केतन के घर पहुंचकर उसके पिता को सांत्वना देती रही और बोली कि केतन उन्हें ऊपर से देख रहा है। जांच में सामने आया कि 18 से 23 जून तक दोनों आरोपी सामान्य जिंदगी जीते रहे और गिरफ्तारी के बाद भी उनके चेहरों पर पछतावा नहीं दिखा।

जांच में पता चला है कि केतन की हत्या का प्लान 31 मई को तब सूझा जब केतन ने सिया से ट्रेकिंग के लिए लोहगढ़ किले चलने को कहा। हत्या को अंजाम देने से पहले दो बार असफल कोशिशें की गईं। 5 जून को सिया ने बाली की यात्रा रोकने के लिए केतन का पासपोर्ट छिपाया। इसके बाद 14 जून को सिया ने केतन को दोबारा धक्का दिया, लेकिन वह पेड़ के सहारे बच गया और सिया ने सांप का बहाना बनाकर अपनी हरकत को छिपाया। अंततः 18 जून को प्री-वेडिंग फोटोशूट के बहाने केतन को किले पर बुलाया गया, जहां चेतन के साथ मिलकर उसे खाई में धकेल दिया गया।

पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि केतन की हत्या का दूसरा आरोपी चेतन चौधरी एक ही मोबाइल में दो नंबर इस्तेमाल कर सिया से कोडवर्ड में बात करता था। राजा रघुवंशी हत्याकांड, जिसमें कारोबारी राजा को उसकी पत्नी और प्रेमी ने मेघालय में खाई में धकेला था, सिया के लिए एक संभावित प्रेरणा स्रोत बना, जिससे उसकी आपराधिक मानसिकता और पूर्वनियोजित साजिश का पता चलता है। घटना के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**